

डॉ. टेड हिल्लेब्रांट, नीतिवचन जोड़े 1, नीतिवचन 26:4-5

© 2024 टेड हिल्लेब्रांट

यह डॉ. टेड हिल्लेब्रांट और नीतिवचन जोड़े और नीतिवचन 26, 4, और 5 विरोधाभास पर उनकी शिक्षा है। सत्र एक, मूर्ख को उत्तर देना या न देना, यही प्रश्न है।

मूर्ख को जवाब देना है या नहीं, नीतिवचन जोड़े और नीतिवचन 26 बनाम चार और पांच उद्धरण विरोधाभास पर बाइबिल ई-लर्निंग की प्रस्तुति में आज आपका स्वागत है। और इसलिए, हम आज कहावत युग्मों के बारे में बात करने जा रहे हैं और नीतिवचन पर यह प्रस्तुति करते समय यहां काफी विस्तार से चर्चा करेंगे। इस चीज़ को यहाँ प्राप्त करें।

जिन प्रश्नों को हम मूल रूप से संबोधित करेंगे, वे अध्याय 10 से 29 में नीतिवचन हैं, जो नीतिवचन की अलग-अलग इकाइयाँ हैं जिन्हें बेतरतीब ढंग से एक साथ रखा गया है? या क्या इन वाक्य नीतिवचनों में नीतिवचनों का कुछ स्पष्ट और सार्थक संपादकीय क्रम है जैसा कि उन्हें अध्याय 10 से 29 में कहा गया है? क्या कोई ऑर्डर है? और यदि कोई ऑर्डर है, तो वह ऑर्डर कैसे कार्य करता है? दूसरे शब्दों में, इसका कारण क्या है? हम इसे और चीज़ों को कैसे खोज सकते हैं? और इसके पीछे क्या आशय है कि संपादकों ने अमुक कहावत को दूसरी कहावत के आगे क्यों रखा? इस अंतरलौकिक प्रासंगिक संबंध को देखने के व्याख्यात्मक लाभ क्या हैं? दूसरे शब्दों में, वाक्यों के बीच संबंध। इसका व्याख्यात्मक या व्याख्यात्मक लाभ क्या है? क्या कहावतें केवल उबाऊ, सामान्य बातें हैं जो कार्य और परिणाम के काले-सफ़ेद प्रतिशोध सिद्धांत को दर्शाती हैं, जो यथास्थिति या परंपरा की पुष्टि करती हैं? कॉन्ट्रा, जॉब और एक्लेसिएस्टेस, जो कहीं अधिक परिष्कृत हैं, ज्ञान साहित्य का उद्धरण देते हैं, यदि आप अभी भी उस शब्द का उपयोग करते हैं।

तो, उदाहरण के लिए, हम नीतिवचन अध्याय 12 में देखेंगे, आपने अभी पढ़ा कि नीतिवचन अध्याय 12:21 इस तरह की कट-एंड-ड्राई चीज़ को दर्शाता है। नीतिवचन अध्याय 12:21 यों कहता है, धर्मी को तो कोई विपत्ति नहीं पहुंचती, परन्तु दुष्ट विपत्ति से भर जाते हैं। तो, आपके पास एक प्रकार का चरित्र है, धर्मी और कोई भी नुकसान धर्मी पर हावी नहीं होता है।

तो, आप धर्मी हैं, और फिर आपके पास परिणाम है। तेरे पास दुष्ट लोग हैं, परन्तु दुष्ट लोग विपत्ति से भरे हुए हैं। और इसलिए, इसे प्रतिशोध सिद्धांत कहा जाता है।

और बहुत से लोग इसे एक बहुत ही सामान्य और सीधी-सादी श्वेत-श्याम दुनिया के रूप में देखते हैं, जो एक श्वेत-श्याम दुनिया को दर्शाती है। अब हम इन दो लौकिक वाक्यों के संदर्भ पर जोर देंगे और उन्हें एक के बाद एक डालेंगे और देखेंगे कि वे एक-दूसरे से कैसे जुड़ते हैं। और यदि वे एक-दूसरे से जुड़ते हैं, या क्या यह महज़ एक बेतरतीब मिश्रण है।

लेकिन संदर्भ महत्वपूर्ण है। जब आप शब्दों के अर्थ का अध्ययन करना शुरू करते हैं, तो संदर्भ अर्थ निर्धारित करता है। और इसलिए, उदाहरण के लिए, मुझे बस एक अंग्रेजी उदाहरण, ट्रंक शब्द का उपयोग करने दीजिए।

ट्रंक शब्द का क्या अर्थ है? खैर, संदर्भ अर्थ निर्धारित करता है। तो, अगर मैं ट्रंक कहूं, तो आपके दिमाग में क्या आता है? खैर, हममें से कई लोगों के दिमाग में एक पेड़ का तना आता है। लेकिन अन्य लोग जो अभी यात्रा कर रहे हैं या यात्रा करने का प्रयास कर रहे हैं, उनके लिए यह सामान का ट्रंक है जिसके साथ आप यात्रा करते हैं।

कुछ लोग अपनी कार में चल रहे हैं और उनके पास कार की डिक्की है। एक कार का ट्रंक एक पेड़ के तने से बहुत अलग होता है। और इसलिए, आप देखते हैं कि जैसे ही आप उसके आगे एक शब्द डालते हैं, अचानक ट्रंक शब्द अलग-अलग बारीकियों, अलग-अलग अर्थों में बदल जाता है।

शरीर का धड़। और फिर आपके पास हाथी की सूंड है। बहुत अलग।

रेल लाइन, वे उन्हें ट्रंक, रेल लाइन ट्रंक कहते हैं। और फिर अब भी डिजिटल दुनिया में, हमारे पास एक नेटवर्क ट्रंक लाइन है, जो एक बड़ी लाइन है, और इसे ट्रंक कहा जाता है।

और इसलिए, ट्रंक का अर्थ क्या है, आप कहते हैं, यह ट्रंक है। यह वास्तव में संदर्भ और उसके साथ आने वाले शब्दों पर निर्भर करता है, चाहे वह कार का ट्रंक हो, पेड़ का ट्रंक हो, या शरीर का ट्रंक हो, या हाथी का ट्रंक हो, या कुछ भी हो। शैलियाँ, साहित्यिक विधाएँ, या साहित्य के प्रकार भी आपके चीज़ों की व्याख्या करने के तरीके को प्रभावित करते हैं।

तो, उदाहरण के लिए, मान लीजिए कि आप एक अखबार उठाते हैं। क्या किसी को याद है कि वह क्या है? एक अखबार? वैसे भी, उनके पास अखबार नाम की चीज़ें होती थीं जिन्हें लोग उठा लेते थे। और पहले पन्ने पर, आपके पास कुछ खास तरह की तस्वीरें थीं, और कुछ खास तरह की कहानियाँ भी पहले पन्ने पर थीं।

और इसलिए, जब आप कोई अखबार उठाते हैं, तो आप उम्मीद करते हैं कि पहले पन्ने पर एक खास तरह की कहानी होगी। दूसरी ओर, जैसे ही आप अखबार में प्रवेश करते हैं, आपके पास एक संपादकीय पृष्ठ होता है, एक संपादकीय पृष्ठ जिसमें लोग हर चीज़ पर अपनी राय दे रहे होते हैं। और इसलिए, आप जानते हैं कि यह स्वयं समाचार पत्र द्वारा भी नहीं किया जा सकता है, लेकिन यह बाहर से आने वाला एक संपादकीय हो सकता है जो केवल अपनी राय के बारे में अच्छा या बुरा कह रहा है।

आपके पास एक कार्टून पेज है। और इसलिए, जब आप एक कार्टून पेज उठाते हैं, तो आप वही चीज़ पाने की उम्मीद नहीं करते हैं जो आपको फ्रंट पेज, एक कार्टून पेज पर मिलेगी। वर्गीकृत विज्ञापन भी हैं।

आप पीछे देखते हैं और आप एक नई कार खरीदने का प्रयास कर रहे हैं; आप अपने घर के लिए कुछ नया खरीदने का प्रयास कर रहे हैं। और इसलिए, आप वर्गीकृत विज्ञापनों को देखते हैं, या आप किसी को नौकरी पर रखने की कोशिश कर रहे हैं, आप अखबार के पीछे वर्गीकृत विज्ञापनों को देखते हैं। ध्यान दें कि वर्गीकृत विज्ञापनों में पहला पृष्ठ पीछे से भिन्न है।

और फिर अन्य चीजें जैसे श्रद्धांजलि। आप श्रद्धांजलियों को देखें, आप क्या पाने की उम्मीद कर रहे हैं? खैर, यह आपको बताएगा कि क्षेत्र में किसकी मृत्यु हुई है और उनके जीवन का कुछ इतिहास और पृष्ठभूमि और उन्होंने क्या किया और संभवतः उनकी एक तस्वीर दी जाएगी। और इसलिए, श्रद्धांजलियां पहले पन्ने की कहानी से बहुत अलग होती हैं, संपादकीय से अलग होती हैं, कार्टून से अलग होती हैं, वर्गीकृत विज्ञापनों से अलग होती हैं।

और इसलिए, ये सभी, एक अखबार में, उस अखबार में एक अलग जगह, एक अलग भूमिका, एक अलग क्रम ले लेंगे। अब, उदाहरण के लिए, वृत्तचित्र, काल्पनिक कहानियों से बहुत अलग हैं। और इसलिए, यदि आप कोई फिल्म या कुछ और देख रहे हैं, तो मैं और मेरी पत्नी फिल्म देखने बैठते हैं, और यह काल्पनिक है, हम एक प्रकार की चीज की उम्मीद करते हैं।

उदाहरण के लिए, जब यह विज्ञान कथा है, तो यह महज एक साधारण काल्पनिक कहानी से थोड़ी अलग होती है। और जब हम कोई डॉक्यूमेंट्री देखते हैं तो यह उससे बहुत अलग होता है। तो, आप जिस प्रकार का साहित्य देख रहे हैं या सुन रहे हैं वह आपकी अपेक्षाओं को प्रभावित करता है।

तो, हम देखेंगे कि हम एक कहावत से क्या उम्मीद करते हैं? उदाहरण के लिए, एक कहावत, यह तथ्य कि वह एक कहावत है, उसके अर्थ को कैसे प्रभावित करती है और उसकी सच्चाई को कैसे प्रभावित करती है? यह शैली बाइबिल पर भी लागू होती है। तो, हम एक ऐतिहासिक कथा के लिए जानते हैं, आप इब्राहीम, इसहाक, याकूब, और जोसेफ, और एसाव, और मूसा, और हारून, और उस जैसी चीजों, और यहोशू, और विभिन्न चीजों, सैमुअल, और के बारे में कहानियां सुनेंगे। दाऊद, और विभिन्न राजा, हिजकियाह, और यहोयाकीम, या जो भी। और इसलिए, ऐतिहासिक आख्यान में, आपको एक ऐतिहासिक जानकारी मिल रही है, और यह आपको व्यक्तियों के बारे में बता रही है, वे कहाँ रहते थे, और उन्होंने क्या किया।

और इसलिए, आपको कथानक मिलते हैं, आपको कहानी की शुरुआत और अंत मिलता है, और आपको कहानी का मध्य या चरम मिलता है, और कहानियां आगे बढ़ती हैं, ऐतिहासिक कथा जैसी चीजें। यह भविष्यवाणी के कथन से भिन्न है, जहां एक भविष्यवक्ता आता है और कहता है, मूल रूप से, पश्चाताप करो, तुम्हें पता है, शुभ, पश्चाताप करो। और इसलिए भविष्यसूचक आख्यान भिन्न-भिन्न हैं।

वे कहते हैं, प्रभु ऐसा कहते हैं, जबकि ऐतिहासिक आख्यान आपको बताएंगे कि, आप जानते हैं, डेविड ने ये सभी चीजें कीं जो कभी-कभी बहुत बुरी थीं, और आप जो कहते हैं, डेविड ने वास्तव में ऐसा कैसे किया? और आप इसे कैसे समझते हैं? ऐतिहासिक आख्यान की एक निश्चित तरीके

से व्याख्या करनी होगी। भविष्यवक्ताओं में, आपके पास एक है, इस प्रकार भगवान कहते हैं, और फिर पुरुष, या महिला भगवान की ओर से एक भविष्यवाणी बोलती है। ठीक है।

और फिर आप लोगों की प्रतिक्रिया, भविष्यवाणी संदेश के प्रति दर्शकों की प्रतिक्रिया देखते हैं। वे आमतौर पर उनकी पिटाई करते थे, उन्हें जेल में, या सेप्टिक टैंक में, या ऐसा ही कुछ फेंक देते थे। और इसलिए, भविष्यवक्ताओं के लिए बहुत कठिन समय था, लेकिन फिर आप भविष्यवक्ताओं की कुछ कहानियाँ सुनते हैं, ये परमेश्वर के लोग थे जिन्होंने वहाँ के समुदाय को परमेश्वर का वचन सुनाया था।

भजन भविष्यवक्ताओं और ऐतिहासिक आख्यानो दोनों से बहुत अलग हैं, भले ही आपके पास उन दोनों प्रकार की शैलियों में भजन के तत्व हैं, लेकिन भजन और दृष्टान्त, स्वर्ग के राज्य की तरह हैं, और आप जानते हैं, तो आपको एक कहानी मिलने वाली है मैं नहीं जानता, एक बोने वाले के बारे में जो बीज बोने जाता है और कुछ सड़क पर गिर जाते हैं और कुछ चट्टानों में गिर जाते हैं और कुछ वास्तव में अच्छी चीजें पैदा करते हैं। और इसलिए दृष्टान्त, स्वर्ग का राज्य इस तरह है, यह अंग्रेजी में कुछ इस तरह है, हम एक बार कहेंगे, जब मैं अपनी पोतियों या पोते को एक कहानी पढ़ता हूँ, और आप कहेंगे एक बार की बात है, जैसे ही आप एक बार कहते हैं, इससे एक प्रकार की अपेक्षा उत्पन्न होती है कि आपको किस प्रकार की कहानी मिल रही है। तो, स्वर्ग का राज्य दृष्टान्तों के समान है। सर्वनाशी साहित्य, रहस्योद्घाटन और डैनियल, ईजेकील, उन चीजों की तरह है।

और भविष्यवक्ता कुछ देखता है और वह भविष्य में कुछ देखता है और वह कुछ देखता है जो उनके समय के लिए प्रासंगिक है। और इसलिए, आप कुछ विशेष प्रकार की चीजों की अपेक्षा करते हैं और आधुनिक संदर्भ में भी, अब सर्वनाश के संदर्भ में, और आप दुनिया के किसी प्रकार के अंत और अच्छे और बुरे के ध्रुवीकरण और इन स्वर्गीय दृश्यों और सांसारिक परिणामों की अपेक्षा करते हैं। . स्तोत्र में आपको विलाप के स्तोत्र मिलते हैं, आपको स्तुति के स्तोत्र मिलते हैं, और आपको उत्थान के स्तोत्र मिलते हैं।

तो स्तोत्र की शैली में भी, आपके पास विलाप, स्तुति, आरोहण के स्तोत्र, और विभिन्न प्रकार के स्तोत्र, निंदा, और इस तरह की अन्य चीजें हैं। लोकोक्तियों में आपको लोकोक्तियाँ मिलती हैं। ठीक है।

और इसलिए, हमें यह देखने की ज़रूरत है कि नीतिवचन कैसे कार्य करते हैं। कहावतें काफी हद तक एक अंतरराष्ट्रीय परिघटना हैं। वे दुनिया भर की लगभग हर भाषा में पाए जाते हैं।

और इसलिए, कहावत, एक कहावत कैसे कार्य करती है, अपनी संस्कृति के भीतर और अपनी साहित्यिक शैली से, अपनी साहित्यिक शैली से? रूप और अर्थ जुड़े हुए हैं। रूप और अर्थ जुड़े हुए हैं। और इसलिए, साहित्यिक रूप यह तय करेगा कि किस प्रकार की चीजें संप्रेषित की जाती हैं और वे कैसे संप्रेषित की जाती हैं।

ठीक है। तो, हम बस यही कहना चाह रहे हैं। अब, शैली मायने रखती है।

आइए, उदाहरण के लिए, ऐतिहासिक को लें। टिड्डी शब्द ठीक है।

तो, आपने बाइबल में टिड्डियाँ शब्द सुना है। यदि आप ऐतिहासिक कथा में हैं और अचानक आपको टिड्डियाँ मिल गईं, तो यह मिस्र में एक प्लेग था। और इसलिए, भगवान, आप क्या देखते हैं? टिड्डियाँ आती हैं और मिस्र देश पर झुंड बनाकर सब भोजन चट कर जाती हैं।

यह दर्शाता है कि यह ईश्वर के शक्तिशाली हाथ को प्रकट करता है जब वह अपने लोगों को गुलामी से बाहर निकालता है और उन्हें वादा किए गए देश में ले जाता है। और इसलिए, टिड्डियाँ ऐतिहासिक पुस्तकों में, विशेष रूप से निर्गमन की पुस्तक के शुरुआती अध्यायों में, ईश्वर का एक प्रमाण या रहस्योद्घाटन हैं। भविष्यवाणी साहित्य में, आप कहते हैं, जोएल की पुस्तक लें और वह टिड्डियों में विशेषज्ञ है।

और इसलिए, आपके पास विभिन्न प्रकार की टिड्डियाँ इस्राएल पर प्लेग के रूप में आ रही हैं। और अब टिड्डियाँ परमेश्वर के उद्धार का रहस्योद्घाटन नहीं हैं, बल्कि टिड्डियाँ परमेश्वर के लोगों पर न्याय के रूप में और प्रभु के दिन के एक प्रकार के अग्रदूत के रूप में आती हैं। इसलिए, निर्गमन की पुस्तक की तुलना में टिड्डियाँ जोएल की भविष्यवाणी पुस्तक में एक अलग, बहुत अलग कार्य करती हैं।

तब, निस्संदेह, आपके पास प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में सर्वनाशी सर्वनाश है। अचानक तुम्हारे सामने ये टिड्डियाँ निकल आएँगी, जिनका चेहरा मनुष्य जैसा होगा, और उन पर बिच्छू जैसा डंक होगा, और अन्य चीजें। ठीक है, आप उम्मीद करते हैं कि जब मैं, जब मैं सर्वनाशकारी साहित्य कहता हूँ, तो यह टिड्डियों के बारे में बात कर रहा है, गड्डे से टिड्डियाँ निकल रही हैं, लेकिन आपको एहसास है कि, आप जानते हैं, ऐसा नहीं है, यह ऐसा नहीं है, आप जानते हैं, निर्गमन की टिड्डियाँ या जोएल की पुस्तक की टिड्डियाँ।

प्रकाशितवाक्य अध्याय नौ में ये सर्वनाशकारी अंत समय की अजीब बातें हैं। असल में बुद्धि के पास भी टिड्डियाँ होती हैं। और इसलिए, एक्लेसिएस्टेस की किताब में, आपको एक्लेसिएस्टेस की किताब में एक बूढ़े आदमी के संदर्भ में मिला है और यह बूढ़ा आदमी जा रहा है, साथ चल रहा है और उसने उस बूढ़े आदमी को चलने के लिए कहा है।

क्या आपने कभी किसी ऐसे व्यक्ति को देखा है जो मान लीजिए कि 78 वर्ष का हो, संयुक्त राज्य अमेरिका का राष्ट्रपति बन सकता है? मेरा मतलब है, लेकिन वह व्यक्ति वृद्ध है और आप देखते हैं कि वे कैसे चलते हैं और आप कहते हैं, वाह, उस आदमी की चाल तो बूढ़े जैसी है। ठीक है।

वैसे भी मैं खुद इसके साथ संघर्ष कर रहा हूँ, लेकिन एक निश्चित बात है, और इसलिए वह इस बूढ़े आदमी को ज्ञान साहित्य में उपयोग करते हुए चित्रित करता है, यह बूढ़ा आदमी टिड्डे की तरह चलता है और चीजें। नये नियम में, यह दिलचस्प है। यह एक टिड्डी लेता है, एक और पलटी मारो।

अचानक आपको जॉन बैपटिस्ट मिल गया। और वह क्या करता है? वह टिड्डियाँ खाता है। ठीक है।

और इसलिए, आपके पास एक अलग बात है, मैं बस इतना कह रहा हूँ कि यह टिड्डी अलग-अलग तरीकों से काम करती है और विभिन्न प्रकार के साहित्य में। ठीक है। और हम नीतिवचनों और उस जैसी चीजों में चीजें घटित होते हुए देखेंगे।

अब, क्या नीतिवचन 10 और उसके बाद के वाक्य बेतरतीब ढंग से एक साथ रखे गए हैं या वे जुड़े हुए हैं? और इसलिए, हमें नीतिवचन के साथ-साथ नीतिवचन के बीच संबंध का अर्थ खोजने का प्रयास करना चाहिए। गेराल्ड विल्सन द्वारा स्तोत्र पर एक महान कार्य किया गया था। उसने स्तोत्र की किताब पढ़ी, क्योंकि स्तोत्र में भी इसी तरह की बात थी, जहां कुछ लोगों ने कहा, स्तोत्र बस एक साथ फेंके गए हैं।

वे वास्तव में उतना जुड़े हुए नहीं हैं। और इसलिए, और उन्होंने इस पद्धति का अध्ययन किया और विकसित किया जिससे पता चला कि, नहीं, भजन एक दूसरे से जुड़े हुए हैं और आपको उन्हें एक दूसरे के संबंध में पढ़ने की आवश्यकता है। और इसलिए, उदाहरण के लिए, संपादक, न केवल वे लेखक जिन्होंने भजन लिखे, बल्कि आपको यह देखने की ज़रूरत है कि वे संपादक क्या कर रहे थे जिन्होंने मिलकर भजन की पुस्तक का संपादन किया।

अब, डेविड या कोई भी 1000 ईसा पूर्व में भजन लिख रहा होगा, लेकिन भजन की पुस्तक में बेबीलोन की कैद के समय की कहानियाँ और भजन भी हैं, आप जानते हैं, बेबीलोन के पानी के पास, हम बैठे थे और वह 586 था, एक हजार ईसा पूर्व के बजाय 587, 600 ईसा पूर्व। तो, भजन की पुस्तक कम से कम 400 वर्षों में, कम से कम 400 वर्षों में और शायद उससे भी अधिक वर्षों में संकलित की गई थी। और इसलिए, हम जो कह रहे हैं वह यह है कि जिस संपादक ने इसे एक साथ रखा है, उन्होंने आवश्यक रूप से भजन नहीं लिखे हैं, लेकिन उन्होंने उन्हें ऐसे तरीकों से जोड़ा है जिससे रिश्तों के कारण नए अर्थ मिले और वे उन्हें एक साथ कैसे संपादित कर रहे थे।

तो, हमारे पास लेखक का अर्थ है, लेकिन हमारे पास संपादक का अर्थ भी है और, और, और इसमें उनका प्रभाव भी है। और इसलिए भजन की पुस्तक में, उदाहरण के लिए, भजन 72.20 में, आपके पास यह कथन है, यह बस वहां रखा गया है, लेकिन यह पुस्तक दो का अंत है। स्तोत्र में पाँच पुस्तकें हैं।

और दूसरी पुस्तक भजन 72 श्लोक 20 में इस कथन के साथ समाप्त होती है, "यह यिशै के पुत्र दाऊद की प्रार्थनाओं का अंत है।" "यह यिशै के पुत्र दाऊद की प्रार्थनाओं का समापन करता है।" अच्छा, अब क्या आपको एहसास हुआ कि भजन 72 के बाद डेविडिक भजन भी हैं?

तो, यह क्या है, आप जानते हैं, हम अपनी दूसरी पुस्तक समाप्त कर रहे हैं, और इसलिए यह अंत है। इस तरह हमारा अंत हुआ। इससे यिशै के पुत्र दाऊद की अब तक की प्रार्थना समाप्त होती है।

और फिर अन्य को बाद में जोड़ा जाएगा। स्तोत्र में, आपके पास स्तोत्र 42 से 83 का एक भाग भी है जिसे एलोहिस्टिक स्तोत्र के नाम से जाना जाता है। एलोहिस्टिक स्तोत्र।

एलोहिम वह नाम है जिसका अनुवाद आपकी बाइबिल में किया गया है, भगवान, जी राजधानी जीओ डी। ठीक है। यह याह्वेह से अलग है, यह नाम जिसे YHYAHWEH याह्वेह लिखा जाता है, जिसका आमतौर पर सभी बड़े अक्षरों में भगवान अनुवाद किया जाता है, भगवान, एक छोटे प्रकार का, लेकिन भगवान, पूंजी एल, पूंजी ओ, पूंजी आर, पूंजी डी। जब आप उन सभी को बड़े अक्षरों में देखते हैं, तुम जानते हो कि वहां का प्रभु अडोनाई से आता है, अर्थात् यहोवा, जो उसके पीछे खड़ा है। नाम, भगवान का सबसे पवित्र और व्यक्तिगत नाम, पुराने नियम में भगवान का वाचा का नाम।

जबकि एलोहीम, बेरेशित बराह एलोहीम, शुरुआत में, भगवान ने एलोहीम को बनाया। और इसलिए, जो बहुत दिलचस्प है वह यह है कि आपके पास भजन 53 से 8 में एक खंड है, मुझे खेद है, 42 से 83, जिसे एलोहिस्टिक स्तोत्र के रूप में जाना जाता है। दूसरे शब्दों में, एलोहिम नाम अध्याय 42 से 83 में बहुत मजबूती से आता है।

जबकि अन्य अध्यायों में, 41 और उससे पहले की पुस्तकों में, यहोवा नाम का प्रयोग हर समय किया जाता है। यहोवा, यहोवा, यहोवा। और फिर आप 42 से 83 तक पहुँच जाते हैं और एलोहिम का उपयोग हर समय किया जाता है।

और फिर 83, 84 के बाद, और अनुसरण करते हुए, यह यहोवा के पास वापस चला जाता है। अब आप कहते हैं, अच्छा, क्या आप यह साबित कर सकते हैं? और इस बिंदु पर हमारा उद्देश्य भजनों के बारे में बहस करना नहीं है। यदि आप Biblicalelearning.org में रुचि रखते हैं तो हमारे पास उस पर एक और व्याख्यान है जो इस एलोहिस्टिक स्तोत्र के बारे में विस्तार से बताता है, लेकिन यह दिलचस्प है।

अध्याय 14 में, जो यहोवा खंड में है, यह कहता है, मूर्ख अपने हृदय में कहता है, कोई ईश्वर नहीं है। वे भ्रष्ट हैं। उनके कर्म घृणित हैं। भलाई करनेवाला कोई नहीं। प्रभु या यहोवा, यहोवा स्वर्ग से सारी मानवजाति पर दृष्टि करता है कि क्या कोई है जो परमेश्वर की खोज करने वालों को समझता है। बहुत ही रोचक।

यह सिर्फ भजन 14 है। आप भजन 53 पर जाएं, और अनुमान लगाएं कि क्या? आपके पास एक डुप्लिकेट भजन है। और भजन 53 यही कहता है।

अब भजन 53 एलोहिस्टिक स्तोत्र में है। स्तोत्र 14 स्तोत्र में था, स्तोत्र का वह भाग जो यहोवा का उपयोग करता है। भजन 53, वही भजन है।

मूर्ख अपने मन में कहता है, कोई परमेश्वर नहीं है। वे भ्रष्ट हैं। उनके तरीके घृणित हैं। भलाई करनेवाला कोई नहीं। स्वर्ग से नीचे कौन देखता है? दूसरे ने कहा, यहोवा स्वर्ग से नीचे देखता है, परन्तु यह कहता है, कि परमेश्वर स्वर्ग से नीचे देखता है। एलोहीम स्वर्ग से समस्त मानवजाति पर दृष्टि डालता है कि क्या कोई है जो परमेश्वर की खोज करने वालों को समझता है।

तो, हम यहाँ देखते हैं कि यहाँ एक डुप्लिकेट भजन है, भजन 14, भजन 53। 14 में, यह प्रभु को स्वर्ग से नीचे देखने का उपयोग करता है। और अध्याय 53 में, शब्द भगवान [याहवे], इसका बाकी हिस्सा बिल्कुल वैसा ही है।

दूसरा कहता है कि ईश्वर या एलोहीम नीचे देखता है। तो, नाम में बदलाव आया है इसीलिए वे इसे एलोहिस्टिक साल्टर कहते हैं। आसाप के भजन भी हैं।

वहाँ एक खंड 73 से 83 है। लेखक, हालाँकि, आप उस संग्राहक को देखें या जो भी हो, आसाप 73 से 83 तक, आपको कोरह के भजन मिले हैं, जो कि भजन 42 से 49 हैं। आपके पास आरोहण के भजन भी हैं।

और यह इस पर निर्भर करता है कि आप इस आरोहण शब्द को कैसे लेते हैं, क्या यह यरूशलेम तक जा रहा है और ये गीत उस तरह की तीर्थयात्रा पर गाए जाते हैं। लेकिन इसके स्तोत्र 120 से 134 को आरोहण और ऊपर जाने और चीजों के स्तोत्र कहा जाता है। अलग-अलग खंडों में अलग-अलग भजन।

और इसलिए, नीतिवचन में, आपको नीतिवचन 1 से 9 में भी निर्देश मिलेंगे, जो एक प्रकार के निर्देशात्मक प्रवचन हैं जहाँ पिता अपने बच्चे या बेटे को सिखा रहा है, मेरे बेटे, मेरी आवाज सुनो। और फिर वह एक कहानी सुनाता है और उन्हें बताता है कि आपको क्यों सुनना चाहिए। तो, यह एक से नौ है।

तो ये निर्देश के लंबे खंड हैं। उनमें से कुछ, आप जानते हैं, 20, 30 छंद।

आप ज्ञान पर अध्याय आठ में पहुँचें। इस पर एक पूरा खंड है कि भगवान ने कैसे रचना की और ज्ञान ठीक उसी तरह की चीज़ थी। और फिर नौवां अध्याय मैडम विजडम और मैडम फॉली द्वारा युवक को ज्ञान अपनाने के लिए आमंत्रित करने के साथ समाप्त होता है। तो वे एक तरह से अधिक प्रवचन या संवाद या निर्देश हैं और वे लंबे खंडों से जुड़े हुए हैं।

लेकिन जब आप अध्याय 10 पर पहुँचते हैं, तो अचानक अध्याय 10 से 29 में वाक्य साहित्य हावी हो जाता है, आपके पास यह मजबूत वाक्य होता है, एक बार एक कहावत के बाद दूसरी कहावत, और यह उसी तरह चलता रहता है। मुझे केवल नीतिवचन अध्याय नौ का उदाहरण लेने दीजिए, मुझे बस इसे लेने दीजिए। बुद्धि ने अपना घर बना लिया है।

उन्होंने सात स्तंभ खड़े किये हैं। उसने अपना मांस तैयार कर लिया है और उसमें शराब मिला दी है। उसने अपनी टेबल भी लगा ली है।

तो आपको यह धारणा हो जाएगी कि ज्ञान, मैडम विजडम युवक के लिए भोजन तैयार कर रही है और युवक को अंदर आमंत्रित करने जा रही है। यह सिर्फ एक वाक्य नहीं है और अगले वाक्य का दूसरे वाक्य से कोई लेना-देना नहीं है। सर्वनाम इसे धारण करते हैं।

बुद्धि ने अपना घर बना लिया है. और फिर यह कहती है, उसने अपना मांस पिछले श्लोक में बाँधकर तैयार किया है। उसने अपने नौकरों को भेजा है और वह शहर के सबसे ऊँचे स्थान से फोन करती है।

जो लोग सरल हैं वे मेरे घर आएँ। जो लोग अक्ल रखते हैं, उनसे वह कहती है, आओ, मेरा भोजन खाओ, और मेरा मिलाया हुआ दाखमधु पीओ। अपने सरल तरीके छोड़ दो और तुम जीवित रहोगे।

अंतर्दृष्टि के मार्ग पर चलो. और इसलिए मैडम विजडम आमंत्रित कर रही है। और उसके निमंत्रण की यह पूरी कहानी है।

यह भावनात्मक साहित्य नहीं है. यह कोई कहावत या छोटा वाक्य नहीं है। यह अध्याय 1 से 9 में एक निर्देश है।

अब नीतिवचन 10, फिर नीतिवचन 10 में अचानक, आपको यह वास्तव में तीव्र विराम मिलता है। और फिर अचानक, उछाल, अध्याय 10 के बाद, मूल रूप से 29 पर, बड़े पैमाने पर भावना-उन्मुख नीतिवचन। इसलिए, उदाहरण के लिए, अध्याय 10 में, एक, उस खंड को शुरू करते हुए, यह कहता है, एक बुद्धिमान पुत्र एक पिता के लिए खुशी लाता है, एक मूर्ख पुत्र अपनी माँ के लिए दुःख का कारण बनता है।

वहाँ समानता पर ध्यान दें। समानता के बारे में बात करने का समय नहीं है, लेकिन हिब्रू कविता को समझने के लिए, आपको समानता को समझना होगा और यह कैसे काम करती है। फिर अगला श्लोक, अगला श्लोक क्या कहता है? बुद्धिमान पुत्र पिता के लिये आनन्द का कारण होता है, और मूर्ख पुत्र अपनी माता के लिये दुःख का कारण होता है।

ग़लती से कमाए गए खज़ाने का कोई मूल्य नहीं है, लेकिन धार्मिकता मौत से बचाती है। अब, एक मिनट रुकें. श्लोक एक का श्लोक दो से क्या संबंध है? आप कहते हैं, वाह, यह वहाँ से जुड़ा हुआ नहीं है।

और श्लोक तीन क्या कहता है? यही धर्मियों को भूखा नहीं रहने देता, परन्तु दुष्टों की लालसा को टाल देता है। आप कहते हैं, वाह, वे तीन कहावतें तीन अलग-अलग दिशाओं में जा रही हैं। यह एक बन्दूक की तरह है जो हर जगह पक्षियों को निशाना बना रही है।

और इसलिए, आप कहते हैं, हम्म, यह दिलचस्प है। यह भावनात्मक होने के संदर्भ में बहुत अलग है। इसे इन लंबे कनेक्शनों के बजाय वाक्यों द्वारा क्रमबद्ध किया गया है।

और नीतिवचन में भी, हमारे पास नीतिवचन 25:1 में यह कथन है जो काफी महत्वपूर्ण है, वास्तव में वास्तव में महत्वपूर्ण है। और यह हमें बताता है कि नीतिवचन की पुस्तक को एक स्तर पर कैसे रखा गया था। नीतिवचन 25:1 यह कहता है, ये सुलैमान की और भी नीतिवचन हैं।

नीतिवचन अध्याय 10.1 शुरू होता है, "सुलैमान की नीतिवचन," और फिर आपको अध्याय 10 और उसके बाद के अध्याय मिलते हैं। इन सब बातों पर बड़ी-बड़ी बहसें होती रहती हैं। लेकिन फिर भी, अध्याय 25 तब एक अलग खंड था।

जाहिरा तौर पर अध्याय 10 से 24 या जो कुछ भी कई खंड वहां एक साथ रखे गए थे। लेकिन फिर अध्याय 25 में, यह कहा गया है, ये यहूदा के राजा हिजकिय्याह के लोगों द्वारा संकलित सुलैमान की और भी कहावतें हैं। तो जाहिर तौर पर हिजकिय्याह और उसके लोग अध्याय 25 से 29 के संपादन में शामिल थे।

उन्होंने उन चीजों को एक साथ रखा और यह हमें यहां बताया गया है। इसलिए, मैं यह सुझाव देना चाहता हूं कि संपादक क्या कर रहे थे, इस पर भी गौर करना महत्वपूर्ण है, न कि केवल मूल लेखक का अर्थ और कहावत का मूल लेखक कौन था। वैसे भी, कहावतें किसने प्रस्तुत कीं? कहावतें उससे बहुत अलग हैं।

आप कहते हैं, ठीक है, सुलैमान ने ऐसा किया। अच्छा, क्या सुलैमान ने उन्हें लोगों से प्राप्त किया था? क्या उसने उन्हें शेबा की रानी और अन्य लोगों से एकत्र किया था जो उससे मिलने और उसकी बुद्धिमत्ता को देखने आए थे? और आप जानते हैं, कुछ नीतिवचन ऐसे प्रतीत होते हैं, यह नीतिवचन 22 से एक पूरी अलग कहानी है और निम्नलिखित मिस्र से अमेनेमोप की नीतिवचन के बहुत समानांतर प्रतीत होते हैं। तो ऐसा प्रतीत होता है कि नीतिवचनों के अंतर्राष्ट्रीयकरण के बीच एक बड़ा अंतर्संबंध रहा है।

तो, सुलैमान स्पष्ट रूप से एक प्रमुख संग्रहकर्ता था। तो, नीतिवचन 30 आगुर की बातें हैं। आगुर नाम का एक लड़का है, नीतिवचन 30।

नीतिवचन 31 कहता है, ये वे नीतिवचन हैं जो मूल रूप से राजा लमूएल से आए हैं जो उनकी माँ ने उन्हें सिखाए थे। और इसलिए, अब आपको इज़राइल में शिक्षा देने वाली माँ मिलती है। और फिर नीतिवचन 31 में, ये नहीं हैं, नीतिवचन 31 एक साथ बिखरे हुए नहीं हैं।

नीतिवचन 31 में, आपको vw मिला है। तुम्हें गुणी स्त्री मिल गई है। नीतिवचन अध्याय 31 में, गुणी स्त्री एक एक्रोस्टिक है, जिसका अर्थ है कि यह वर्णमाला के माध्यम से जाती है, वहां 22 छंद हैं जो जुड़े हुए हैं। पहला A से शुरू होता है, दूसरा B से, दूसरा D, एलेफ, बेथ, जिमेल, डेलेथ से शुरू होता है। दूसरे शब्दों में, हिब्रू में, वे सीधे वर्णमाला के माध्यम से जाते हैं। और इसलिए, आपके पास वह है जिसे एक्रोस्टिक कहा जाता है।

आपको भजन 119 में एक समान चीज़ देखने को मिलती है। यदि आपने कभी भजन 119, इस विशाल भजन को देखा है, तो आपको एक एक्रोस्टिक देखने को मिलता है जहां आठ छंद अलेफ से शुरू होते हैं, आठ छंद बेथ से शुरू होते हैं, और यह आगे बढ़ता है। संपूर्ण वर्णमाला। और इसीलिए यह पूरी चीज़ इतनी लंबी है।

यह 170, 72 छंदों के समान है क्योंकि इसमें प्रत्येक अक्षर के लिए आठ छंद हैं। और प्रत्येक भजन पद उस नए और अगले अक्षर से शुरू होता है। तो, आपको वर्णमाला के प्रत्येक अक्षर के लिए आठ, आठ, आठ, आठ मिले हैं।

खैर, नीतिवचन में गुणी स्त्री एक आक्रांता है। तो वो 22 श्लोक जरूर जुड़े हुए हैं। तो, जिसने भी इसे एक साथ रखा है वह उन छंदों को जोड़ रहा है।

वे बस बेतरतीब या एक साथ बिखरे हुए नहीं हैं। ठीक है। तो जुड़ा हुआ प्रवचन।

तो, इन सभी चीजों पर गौर करने का उद्देश्य यह दिखाना है कि संपादक जोड़ियों का उपयोग करके एक साथ लौकिक संग्रह का निर्माण करने जा रहे हैं। तो, मैं सुझाव देने जा रहा हूँ कि वे ऐसा कर सकते हैं, नीतिवचन अक्सर, हमेशा नहीं, लेकिन अक्सर जोड़े में एक साथ आते हैं। और आपको उन जोड़ियों को देखने की ज़रूरत है क्योंकि संपादक उन्हें एक साथ रख रहे थे।

वे चाहते थे कि आप एक छंद से दूसरे छंद का संबंध जोड़ियों में देखें। ओ, यह हमें अर्थ का एक नया स्तर देता है। हम लेखकीय मंशा को देखते हैं।

और फिर जब आप संपादक के धर्मग्रंथ के अभिप्राय को भी देखते हैं। तो, ऐसी कई अंतर्दृष्टियाँ हैं जो व्याख्यात्मक या व्याख्यात्मक अंतर्दृष्टि हैं जो इस संयोजन, दो नीतिवचनों को एक साथ रखने से प्राप्त की जा सकती हैं। अब, कहावतों का निर्माण कुछ दिलचस्प है।

जब मैं भक्ति और चीजों से पढ़ रहा था, मैं 1 सैमुअल में पढ़ रहा था। और यह मेरे लिए दिलचस्प था कि शाऊल राजा बन गया। ठीक है।

यह 1 शमूएल 10 है और शाऊल है, उसे अभी तक राजा नहीं बनाया गया है। इस्राएल एक राजा को बुला रहा है। सैमुअल पूरी तरह से परेशान हो गया और कहता है, यार, राजा तुम्हें और इस तरह की चीजों को खत्म करने जा रहा है।

लोग कहते हैं, हमें कोई परवाह नहीं है। हमें एक राजा चाहिए। तो फिर परमेश्वर कहता है, ठीक है, मैं उन्हें शाऊल दूंगा।

तुम्हें पता है, वह एक सुंदर, बड़ा, मजबूत लड़का है, बाकी सभी से लंबा है, और काफी प्रभावशाली युवक है। और इसलिए, परन्तु शाऊल अपने पिता के गधों की खोज में इधर उधर भटक रहा है। और, और फिर क्या हुआ कि शाऊल को राजा बनाया जाएगा।

ठीक है। इस्राएल का पहला राजा, न्यायाधीशों में से अंतिम शमूएल द्वारा अभिषिक्त। और इसलिए यहां आपके पास अध्याय 10 श्लोक 10 से 13 तक हैं।

और मैं यहाँ जो देख रहा हूँ वह एक कहावत और एक कहानी, या मुझे कहना चाहिए एक कहानी और एक कहावत के बीच का संबंध है। कई बार कोई कहावत एक संक्षिप्त कहानी की तरह होती है। यह पॉपकॉर्न के एक दाने की तरह है, दूसरे शब्दों में, यह सब नीचे आ गया है।

आप उचित हर्मेन्युटिकल गर्मी लागू करते हैं और फिर तेजी से बढ़ते हैं, यह मकई के दाने में बदल जाता है। यह एक कहानी में वापस आ जाता है। तो, कहावतें और कहानियाँ जुड़ी हुई हैं।

और यहां आप देखते हैं कि एक कहावत वास्तव में कैसे उत्पन्न हुई, यह वास्तव में कैसे अस्तित्व में आती है। अब, नीतिवचन की पुस्तक में, आपके पास सैकड़ों कहावतें हैं। आप ऐसा नहीं कर सकते, आप जानते हैं, किताब इतनी लंबी नहीं हो सकती कि उसमें सैकड़ों कहानियाँ हों।

यह बहुत ज्यादा होगा। लेकिन एक कहावत कई बार एक संपीड़ित कहानी की तरह होती है। और इसलिए यहां आप वास्तव में देखते हैं कि एक कहावत कैसे अस्तित्व में आई।

जैसे ही शाऊल शमूएल को छोड़ने के लिए मुड़ा, परमेश्वर ने शाऊल का हृदय बदल दिया और ये सभी चिन्ह उसी दिन पूरे हुए। जब वह और उसका सेवक गिबा पहुंचे, तो भविष्यवक्ताओं का एक जुलूस उससे मिला और परमेश्वर की आत्मा उस पर शक्तिशाली रूप से उतरी। और वह उनकी भविष्यवाणी में शामिल हो गया।

जब उन सब लोगों ने जो उसे पहिले से जानते थे, उसे भविष्यवक्ताओं के साथ भविष्यवाणी करते देखा, तो आपस में पूछने लगे, कि कीश के पुत्र शाऊल को यह क्या हुआ? क्या शाऊल भविष्यवक्ताओं में से है? वहाँ रहने वाले एक आदमी ने उत्तर दिया, उनका पिता कौन है? सो यह कहावत बन गई, सो यह कहावत बन गई, कहावत, क्या शाऊल भविष्यवक्ताओं में से है? क्या मुर्गियों के होंठ होते हैं? क्या भालू जंगल में सोते हैं? क्या शाऊल भविष्यवक्ताओं में से है? वाह, यह अजीब है। और इस तरह यह एक कहावत बन गई। तो, परमेश्वर की आत्मा के आने और शाऊल द्वारा भविष्यवाणी करने की कहानी, यह एक कहावत बन गई, और वह कहावत तब दोहराई गई, न केवल उस विशेष ऐतिहासिक स्थिति के लिए, बल्कि लोगों के बीच, लोगों के बीच बार-बार दोहराई गई।

और फिर इसे दोहराया गया और लोगों ने इसे स्वीकार किया। क्या शाऊल भविष्यवक्ताओं में से है? और इसलिए, आपको इस तरह की चीज़ मिलती है। तो, मैं इसके बारे में थोड़ा संक्षेप में आगे बात करना चाहता हूँ, मैं इसे एक कहावत की गैर-परिभाषा परिभाषा कहना चाहता हूँ।

एक कहावत क्या है? यह साहित्य की अन्य विधाओं से किस प्रकार भिन्न है? या मौखिक संचार? कहावत कैसी होती है, कहावत क्या होती है? इस पर बड़े-बड़े विमर्श हो चुके हैं। संभवतः, ठीक है, हम उसके बारे में बात करेंगे, लेकिन कहावतों के मामले में दुनिया के सबसे प्रसिद्ध लोगों में से एक, उसे बाइबिल अध्ययन के लोगों द्वारा हमारी शर्म की बात करते हुए बड़े पैमाने पर नजरअंदाज कर दिया गया है। खैर, एक हैं आर्चर टेलर।

वह उन लोगों में से एक है जिन्होंने इसे बहुत पहले शुरू किया था, लेकिन वर्मोंट से वोल्फगैंग मीडर नाम का एक व्यक्ति है जिसने पूरी दुनिया में अंतरराष्ट्रीय कहावतों का अध्ययन किया है। यह व्यक्ति दुनिया का अग्रणी विशेषज्ञ है। मेरा मानना है कि वह अब सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

कहावतों पर अनगिनत किताबें, वोल्फगैंग मेडर लिखी हैं। और इसलिए, वह, लेकिन वह नहीं है, अब वह बाइबिल की कहावतों से जुड़ा नहीं है। वह सार्वभौमिक कहावतों और चीजों, अंतर्राष्ट्रीय कहावतों से निपट रहा है।

और इसलिए, इस परिभाषा पर प्रोवर्बियम नामक पत्रिका में बहस हुई है जिसमें वह दशकों से अत्यधिक लगे हुए थे। इस प्रोवर्बियम जर्नल में चर्चा की गई: एक कहावत क्या है? और इसमें संरचनात्मक दृष्टिकोण, समाजशास्त्रीय रुख और अलंकारिक दृष्टिकोण से लिए गए सभी प्रकार के लेख हैं। और, और, और प्रत्येक साथ आता है, और मूल रूप से एक व्यक्ति ने कहा, उसने कहा, यह प्रयास के लायक नहीं है।

हम इस चीज़ को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन यह जेलो को खत्म करने की कोशिश करने जैसा है, आप जानते हैं, आप इसे खत्म नहीं कर सकते। और इसलिए, मैं सिर्फ इसलिए हार मानने को तैयार नहीं हूँ क्योंकि आप तकनीकी रूप से एक ऐसी परिभाषा नहीं बना सकते जो सब कुछ कवर करती हो। मैं इस विचार को छोड़ने के लिए तैयार नहीं हूँ कि कहावतें अलग-अलग होती हैं और कहावतें अनोखी होती हैं और कहावतें अपनी साहित्यिक शैली होती हैं।

और इसलिए मैं एक प्रकार का संक्षिप्त विवरण देना चाहूँगा। इसलिए, मैं इसे अपनी गैर-परिभाषा परिभाषा कहता हूँ। ठीक है।

कहावत आमतौर पर संक्षिप्त, संक्षिप्त, नमकीन होती है, इससे मेरा तात्पर्य महत्वपूर्ण, संक्षिप्त, नमकीन, महत्वपूर्ण, दोहराया और स्वीकृत कथन से है, जिसमें अक्सर रूपक, उपमा, अतिशयोक्ति, सामान्यीकरण, सामान्यीकरण और सारांश का उपयोग किया जाता है। तो, एक कहावत एक संक्षिप्त, नमकीन, महत्वपूर्ण, दोहराया और स्वीकृत कथन है। यह लोगों के बीच दोहराया जाता है।

संस्कृति में यह स्वीकार किया जाता है कि जब वे इसे सुनते हैं, तो यह एक कहावत है, वे इसे स्वीकार कर लेते हैं। और इसे अक्सर रूपक, उपमा, अतिशयोक्ति, जोर देने के लिए अतिकथन, सामान्यीकरण, चीजों को सामान्य बनाना और सारांश, सारांश के रूप में उपयोग किया जाता है, जैसे शाऊल की कहानी में, इस कहानी का सारांश। तो यह कहावतों की एक तरह की अपरिष्कृत परिभाषा है जिसके साथ मैं काम करूँगा।

सावधानी, हां, कहावतें सामान्यीकरण हैं, लेकिन आप उन्हें सार्वभौमिक नहीं बना सकते। एक कहावत का मतलब सार्वभौमिकरण नहीं है। दूसरे शब्दों में, ऐसा नहीं है, हम हमेशा प्रस्तावात्मक सत्य के बारे में बात करते हैं।

यह कोई ऐसा सत्य नहीं है जो हर परिस्थिति, हर परिस्थिति में फिट बैठता हो। कहावत जीवन की बहुत जटिलता है जो विवेक की मांग करती है, न कि सरल गारंटी की जहां आप एक कहावत को पकड़ लेते हैं और, और, और कभी-कभी यह लागू नहीं होता है। एक पहलू, यह एक, कहावत आपको किसी विशेष स्थिति के लिए सच्चाई का एक पहलू देती है।

सत्य का एक पहलू, यह कुछ वैसा ही है जैसे पुराने दिनों में हम वेक्टर बनाते थे। यह एक वेक्टर की तरह है जो एक निश्चित दिशा में जाता है और यह आपको उस दिशा में ले जाता है, हां, यह आपको सच्चाई और चीजें देता है, लेकिन वह वेक्टर इस तरह से जा रहा है।

यह इस तरह से नहीं चल रहा है। और इसलिए, आपको बहुत सावधान रहना होगा। यह एक वेक्टर है।

यह व्यापक सार्वभौमिक सत्य नहीं दे रहा है। इसलिए नीतिवचन 22:6, उदाहरण के लिए, एक बच्चे को उसी प्रकार प्रशिक्षित करें जिस तरह वह आगे बढ़ेगी। जब वह बूढ़ा हो जाएगा, तो वह इससे नहीं हटेगा।

ठीक है। बच्चे को उसी रास्ते पर प्रशिक्षित करें जिस रास्ते पर वह जाएगी। नीतिवचन 22:6, जब वह बूढ़ा हो जाए, तब उस से अलग न होगा।

क्या यह सदैव सत्य है? मैं ऐसे माता-पिता को जानता हूँ जिन्होंने अपने बच्चों को बहुत अच्छी तरह से प्रशिक्षित किया है और बच्चे पॉटी में चले गए हैं। मैं कुछ ऐसे माता-पिता को भी जानता हूँ जिन्होंने अपने बच्चों की मदद की, अपने बच्चों के साथ दुर्व्यवहार किया और उनके बच्चे बहुत अच्छे निकले। ठीक है।

इसलिए, आप यह नहीं कह सकते कि एक बच्चे को उस तरह से प्रशिक्षित करना जैसा वह तब करेगा जब वह बूढ़ा हो जाएगा और इससे दूर नहीं जाएगा, हमेशा सही होता है। वैसे, यह भगवान के लिए भी काम करता है। यदि आप यशायाह 1 को देखें, तो परमेश्वर पूर्ण पिता था, है ना? यशायाह 1 में, परमेश्वर स्वयं विलाप करता है।

उन्होंने कहा, मैंने उसे बड़ा किया, अब वह एक आदर्श पिता है, है ना? हमारे पिता जो स्वर्ग में हैं, स्वर्ग में रहने वाले पिता ने अपने बच्चों को इस्राएल में पाला है। और वह कहता है, उन्होंने क्या किया है? उन्होंने मेरे विरुद्ध विद्रोह किया है। बच्चे को उसी रास्ते पर प्रशिक्षित करें जिस रास्ते पर वह जाएगी।

और जब वह बूढ़ा हो जाएगा, तो वे उससे अलग न होंगे। क्या सच में? अच्छा, इस्राएल, क्या इस्राएल ने परमेश्वर के विरुद्ध विद्रोह किया? हाँ उन्होंने किया। और इसलिए, परमेश्वर इस तथ्य पर शोक मना रहा है कि वह एक आदर्श पिता था, लेकिन उसके बच्चों ने उसके खिलाफ विद्रोह किया और उससे दूर चले गए।

तो, नीतिवचन 22.6, मूलतः मैं जो कहना चाह रहा हूँ वह एक कहावत है कोई वादा नहीं है। आइए इसे मेज पर रखें। कहावत कोई वादा नहीं है।

ठीक है। और इसलिए, कहावत, आप यह नहीं कह सकते, ठीक है, मेरे पास यह कहावत है, एक बच्चे को प्रशिक्षित करो। इसलिए, अगर मैं एक बच्चे को ठीक से प्रशिक्षित करूँ, तो वह उसी रास्ते पर चलेगा।

नहीं, यह हमेशा सच नहीं होता. और वास्तव में आपका बच्चा किसी कारण से मर सकता है, जब वह 18 वर्ष का हो जाएगा, तो उसे अपने जीवन का अंत कभी देखने को नहीं मिलेगा। जीवन जटिल है।

आप किसी जटिल स्थिति को लेकर उसका अनुमान एक सदिश या एक कहावत से नहीं लगा सकते। अतः कहावतें पूर्ण सत्य नहीं हैं। ठीक है।

और यहां तक कि मीडर ने अपनी पुस्तक, ट्रिस्टेड विज्डम में, इस बात को स्वीकार किया है क्योंकि उन्होंने दुनिया भर में नीतिवचनों का अध्ययन किया था, कि मूल रूप से वे पूर्ण सत्य नहीं हैं। ठीक है। इसलिए, आपको वास्तव में सावधान रहना होगा।

जब आप नीतिवचन की व्याख्या कर रहे हों तो यह एक बुरी गलती है। कहावत कोई वादा नहीं है। हालाँकि यह एक विशेष है, इसमें अधिकार का एक विशेष पहलू है।

और यहीं पर आपको दूसरे रास्ते से वापस आना होगा। आज हर कोई सोचता है कि वे प्रतिभाशाली हैं। वे कहते हैं, ठीक है, एक कहावत का अधिकार, एक कहावत एक वादा नहीं है।

और वे सोचते हैं, अरे, नहीं, आपने ऐसा नहीं किया है, आपने हमें बताया है कि एक कहावत क्या नहीं होती है। आपने हमें यह नहीं बताया कि यह क्या है। हाँ, यह कोई वादा नहीं है।

मुझे लगता है कि आपको इससे सहमत होना होगा। लेकिन कहावत क्या है? एक कहावत की सत्ता की प्रकृति क्या है? इसके पास अधिकार है। और जब इसे दुनिया भर की संस्कृतियों में उद्धृत किया जाता है, तो इसका एक निश्चित अधिकार होता है।

और इसलिए आपको यह समझना होगा कि एक कहावत के अधिकार की प्रकृति क्या है। यह एक सार्वभौमिक कथन, ईश्वर के वादे या उस जैसी किसी चीज़ से भिन्न है। यह उससे अलग है। लेकिन इसके अधिकार की प्रकृति क्या है? और इसलिए आपको उस तरह की चीज़ का पता लगाना होगा।

यदि नीतिवचनों और जोड़ियों के बीच जान-बूझकर परस्पर क्रिया होती है, तो किसी को उन अर्थों की तलाश करनी चाहिए जो संपादकों के मन में तब आए होंगे जब उन्होंने संयोजन किया था, जब उन्होंने दो कहावतों को एक दूसरे से सटे हुए जोड़े में रखा था। और हम आज इस जोड़ी को देखने जा रहे हैं, नीतिवचन अध्याय 26 पद चार और पांच। इंटरटेक्स्टुएलिटी एक दिलचस्प नया अध्ययन है जो वास्तव में काफी समय से बाइबिल अध्ययन में चल रहा है, लेकिन यह एक पाठ का दूसरे पाठ से संबंध है।

यह अध्ययन का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। और जैसा कि हमने भजनों में कहा, उन्होंने ऐसा किया, यह भजनों के बीच एक संबंध था। और अब हम नीतिवचन के प्रश्न में भी यही बात पूछ सकते हैं।

विभिन्न कहावतों और उस जैसी चीज़ों के बीच क्या संबंध है? उपयोग का प्रसंग. कहावत वास्तव में कैसे प्रयोग की जाती है? अक्सर अफ्रीकी संस्कृति में कहावतें अभी भी अफ्रीकी संस्कृति में बहुत जीवित हैं। वे कानूनी मुकदमा जीतने के लिए इस कहावत का प्रयोग करते हैं।

इसलिए, यदि आप नीचे आते हैं, तो आप सब कुछ करते हैं, आप अपने सभी साक्ष्य प्रस्तुत करते हैं, आप अपने गवाह और सामान प्राप्त करते हैं। लेकिन अंत में, यदि आप एक कहावत के साथ आ सकते हैं, तो आप वास्तव में मामले को सुलझा सकते हैं क्योंकि कहावत आम तौर पर हर किसी द्वारा स्वीकार की जाती है। और इसलिए वे इसका उपयोग किसी बहस में केस जीतने के लिए करते हैं।

यह कहानी को समेटने का एक तरीका है। और कभी-कभी कहावतों का प्रयोग हास्य के लिए भी किया जाता है। कभी-कभी कहावतों का प्रयोग हास्य के लिए किया जाता है।

मैं यहां आपको सिर्फ एक उदाहरण देता हूं। नीतिवचन अध्याय 23 श्लोक 29 से 35। मुझे क्षमा करें, अध्याय 23 श्लोक 29 से 35।

इसकी जांच करें। मैं कहावतों में कहना चाहता हूं कि ये शिक्षाप्रद बातें हैं। और कभी-कभी वे बिल्कुल मजाकिया होते हैं और उनका यही उद्देश्य होता है।

और इसलिए, अध्याय 23 श्लोक 29 में और इसका पालन करते हुए कहा गया है, किसको शोक है, किसको दुःख है। आप देख सकते हैं यह एक पहेली की तरह है। पहेलियां कहावतों से संबंधित हैं।

ठीक है। और इसलिए, किसको दुःख है, किसको दुःख है? आप किसका अनुमान लगाएंगे? किसको दुःख है, किसे दुःख है, किसे कलह है, किसे शिकायत है, किसे अनावश्यक चोट पहुँचती है? अब इस प्रकार से यह दूर हो जाता है। रक्तरंजित आँखें किसकी हैं? ठीक है।

जो लोग शराब पीते हैं, जो मिश्रित शराब के कटोरे का नमूना लेने जाते हैं। शराब को तब मत देखो जब वह लाल हो, जब वह प्याले में चमकती हो जब वह आसानी से नीचे गिरती हो। अंत में, यह सांप की तरह काटता है, यह सांप की तरह जहर देता है।

आपकी आंखों को अजीब नजारे दिखेंगे. आपका मन भ्रमित करने वाली बातों की कल्पना करेगा। आपको ऐसा लगेगा, याद रखें कि हमने कई बार नीतिवचन, उपमाएँ कही हैं।

तू उस मनुष्य के समान होगा जो ऊंचे समुद्र पर सो रहा है, और पहाड़ों की चोटी पर लेटा हुआ है। आप नाव को आगे-पीछे उछलते हुए देख सकते हैं। और यह व्यक्ति नशे में धुत हो रहा है।

आप कहेंगे, उन्होंने मुझे मारा, लेकिन मुझे कोई चोट नहीं आई। उन्होंने मुझे पीटा, लेकिन मुझे इसका अहसास नहीं हुआ। मैं कब जागूंगा ताकि मैं दूसरा पेय ढूँढ सकूँ? हाँ, शराब की लत और उसके साथ आने वाली लत की समस्या कुछ इसी तरह की है।

तो ठीक है। तो कभी-कभी शायद उस तरह से विनोदी होते हैं। कहावतें विभिन्न स्थितियों में लागू होती हैं।

इसलिए, उदाहरण के लिए, हम कहते हैं कि समय में एक सिलाई नौ बचाती है। और इसलिए, यदि आप NASCAR के आदमी हैं और आपकी कार इधर-उधर आ रही है और आपको किसी चीज़ से परेशानी हो सकती है, तो समय पर एक सिलाई नौ बचाती है। आप इसे ठीक करवा लें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह दौड़ में भाग ले सके।

समय रहते संभलने से बड़ी आफत टलती है। इसे अभी करें ताकि बाद में आपको कोई बड़ी समस्या न हो। ठीक है।

समय पर सिलाई करने से नौ की बचत होती है। यह उससे बहुत भिन्न है जिसका उपयोग कोई छात्र होमवर्क करने के संदर्भ में कर सकता है। समय रहते संभलने से बड़ी आफत टलती है।

तो, आप रोजाना अपना होमवर्क करते हैं, छोटे टांके लगाते हैं, समय पर सिलाई करने से नौ की बचत होती है। क्योंकि जब आप परीक्षा में उत्तीर्ण होते हैं, तो आप अपनी सामग्री को बेहतर ढंग से जानते हैं। और यदि आपने अपना होमवर्क उस बिंदु तक कर लिया है, तो परीक्षा, जो आप पहले से ही जानते हैं उसका एक प्रतिबिंब मात्र बन जाती है।

और इसलिए, यह कोई बड़ी बात नहीं है। समय रहते संभलने से बड़ी आफत टलती है। हालाँकि, आप अपना होमवर्क नहीं करते हैं।

फिर आपको एक साथ करने के लिए नौ टांके मिलते हैं। यह बहुत अच्छे से काम नहीं करता। हालाँकि हममें से अधिकांश लोग रटना पसंद करते हैं और इस प्रकार के दृष्टिकोण से होने वाली समस्याओं को जानते हैं।

तो, एक कविता का क्या अर्थ है, और एक कविता या कहावत का क्या अर्थ है, इसका पता इस बात से लगाया जाता है कि एक कविता का क्या अर्थ है या एक कहावत का क्या अर्थ है। एक कविता का क्या अर्थ है यह इस बात पर निर्भर करता है कि कविता का क्या अर्थ है। तो, क्या और कैसे जुड़े हुए हैं।

यहां इसका एक साहित्यिक पहलू है जो वास्तव में प्रतिबिंबित होता है और आपको यह देखना होगा कि इसका अर्थ कैसे आता है और कविता में रूप और अर्थ कैसे जुड़े होते हैं। यह एक तरह से मौखिक और अशाब्दिक संचार जैसा है। उम्म, वास्तव में अब हमें एहसास हो गया है कि अधिकांश संचार अशाब्दिक है।

और इसलिए, मैं लोगों के साथ बैठकों में रहा हूं और कोई न कोई अपनी राय दे रहा होगा और आप देखेंगे कि व्यक्ति उनकी तरफ अपनी आंखें घुमा रहा है और फिर इस तरह या कुछ भी कर रहा है। आप बस यह देख सकते हैं कि व्यक्ति अपने अशाब्दिक तरीके से इस विचार को खारिज कर रहा है कि यह व्यक्ति क्या कह रहा है और अशाब्दिक बोलता है। उह, और यही मैं हमेशा अपने बच्चों से कहता हूं।

आपको न केवल वह सुनना है जो कहा गया है, बल्कि वह भी सुनना है जो नहीं कहा गया है। और कई बार जो नहीं कहा जाता वह वास्तव में जो कहा जाता है उससे अधिक महत्वपूर्ण होता है। और इसलिए, आपको कविता में अशाब्दिक बातें देखने को मिलेंगी।

यह बहुत समान है। आप देखते हैं कि यह क्या कहता है, लेकिन आप यह कैसे निर्धारित करते हैं कि यह क्या कह रहा है, आपको यह सुनना होगा कि यह इसे कैसे कह रहा है। कविता में हर तरह की चीजें होंगी, उम्म, छोटी-छोटी विशेषताएं और अद्भुत चीजें जो इसे, उम, सुंदर बनाती हैं।

और आपको वे चीजें उठानी होंगी। यदि आप यह समझने जा रहे हैं कि कवि, लौकिक बुद्धिमान व्यक्ति का क्या अर्थ था, तो उसका क्या मतलब था। उम्म, इसलिए हम लेखक के काव्य शिल्प और इरादे को नहीं भूलते।

हमें संपादक की कला और इरादे को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए क्योंकि वह एक साथ मिलकर किताब बनाता है और एकल कहावतों से किताब को आकार देता है। एक कवि शब्दों को एक साथ जोड़कर कविता बनाता है। इसलिए, संपादक लौकिक वाक्यों को लेता है और उन्हें एक साथ मिलाकर पुस्तक का अर्थ बनाता है।

इसलिए संपादकीय अर्थ और लेखकीय अर्थ, बहुत महत्वपूर्ण हैं। नीतिवचनों में अर्थ खोजने की यात्रा में, हमें एक ऐतिहासिक सेटिंग मिली है जिसे हमें गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। और, उम्म, उदाहरण के लिए, सोलोमन, हिजकिय्याह, ऑगुर, लेमुएल, बुद्धिमानों की बातें।

तो, हम उस ऐतिहासिक प्रकार के संदर्भ को देखते हैं जिसमें ये कहावतें और जिनके माध्यम से नीतिवचन एकत्र किए गए और लिखे गए और चीजें। साहित्यिक अभिव्यक्ति है। आपके पास सौंदर्यशास्त्र चल रहा है।

कभी-कभी, जैसा कि हमने नीतिवचन 31 में कहा था, वहाँ एक आक्रोस्टिक है जहाँ गुणी महिला, आपके पास बिल्कुल 22 छंद हैं। और प्रत्येक वर्णमाला के अगले अक्षर से शुरू होता है। यह एक एक्रोस्टिक है।

यह कहने की कोशिश की जा रही है, मैं ए से ज़ेड तक चला गया हूँ। यह इस गुणी महिला या उद्धरण, मैडम विजडम की चरम अभिव्यक्ति है, जैसा कि मैं इसे और चीजों को लूंगा। यद्यपि आप नीतिवचन 31 की व्याख्या कैसे करते हैं, इस पर बहुत असहमति है। एक्रोस्टिक, एक चिस्टिक संरचना जहाँ आपको मिली है, कभी-कभी कवि ए, बी, सी और फिर सी, बी, ए प्रकार का उपयोग करेंगे, जिसे एक चिस्टिक संरचना कहा जाता है।

इसे कुंजी कहा जाता है क्योंकि कुंजी में, ग्रीक में कुंजी एक एक्स की तरह होती है और इसलिए आपके पास ए, बी, बी, ए होगा। और इसलिए, यदि आप दो बी को जोड़ते हैं, तो आप दो ए को जोड़ते हैं, यह एक एक्स की तरह बनता है, यह एक कुंजी बनाता है। इसलिए, वे इसे चियास्टिक संरचना कहते हैं। कभी-कभी आपको वह मिलता है जिसे इन्क्लूज़ियो कहा जाता है।

समावेशन का अर्थ है शुरुआत और अंत जुड़े हुए हैं। और किसी कहानी में ऐसा कितनी बार होता है, और ऐसा कितनी बार होता है? जैसा कि आप जानते हैं, कहानी एक तरह से शुरू होती है और शुरुआत में आकर खत्म हो जाती है। और उन्हें इनक्लूसियो कहा जाता है। उन्हें बुकेंड कहा जाता है। एक कहानी वैसे ही शुरू होती है जैसे उसका अंत होता है। और कभी-कभी आपको उस तरह की संरचना भी मिलती है, समावेशी।

तो, इस प्रकार की कई संरचनाएँ हैं। कभी-कभी आपको एक काज या जिसे वे जानूस कहते हैं, मिलता है। ठीक है। और जानूस एक ऐसी चीज़ थी, मुझे लगता है कि यह लैटिन था, लेकिन जब आपके पास यह दो-सिर वाला सिक्का होता था, जिसमें एक सिर इस तरह जाता है और दूसरा सिर इस तरह जाता है। और इसलिए, आपके दो सिर इस तरह आमने-सामने हैं। और जानूस का मतलब है कि मूल रूप से यह एक जोड़ने वाला छंद है जहां आप एक निश्चित खंड में आते हैं और फिर आपको एक जोड़ने वाला छंद मिलता है।

यह उस चीज़ को संदर्भित करता है जो इसके पहले आई थी, लेकिन यह इसका भी संदर्भ देती है कि इसके बाद क्या आता है। और इसे जानूस या काज कहा जाता है, चीजों से जुड़े दरवाजे पर लगे काज की तरह। और वैसे भी, अलग-अलग चीजें हैं।

ध्वन्यात्मकता भी, कई बार आपको मोनोपिया प्रकार की चीजों पर ध्वन्यात्मकता मिलती है। और इसलिए, उदाहरण के लिए, मेरे दिमाग से बस यह मिकासे निकल रहा है सिनासिफ़्टे शेखर . मिकासे सिनासिफ़्टे ।

इसे आप सुन सकते हैं। मिकासे सिनासिफ़्टे शेखर . यह कविता गपशप के बारे में है। यहाँ तक कि आधुनिक अंग्रेजी भी कर रहा हूँ। मिकासे सिनासिफ़्टे शेखर . यह एक गपशप के बारे में है।

और इसलिए, कभी-कभी किसी चीज़ की ध्वनि कैसी होती है, इसकी ध्वन्यात्मकता, गपशप की ध्वनि के साथ-साथ संचार की ध्वनि से भी मेल खाती है। और तब हिब्रू जानने से वास्तव में मदद मिलती है क्योंकि आप ऐसी ध्वनि वाली चीजें सीख सकते हैं जो अनुवाद में नहीं आती हैं। इसका अनुवाद करने का लगभग कोई तरीका नहीं है।

आपको अलंकारिक पहलू मिलते हैं जिन्हें आपको अपनाना होता है। वक्ता और अभिभाषक और श्रोता, वक्ता और श्रोता का क्या संबंध है? वक्ता और श्रोता के बीच अलंकारिक रूप से क्या संबंध है? और काव्यशास्त्र, समानतावाद, जैसा कि हमने पहले उल्लेख किया है, समानतावाद बिल्कुल आलोचनात्मक है। बुद्धिमान पुत्र से पिता को आनन्द होता है, परन्तु मूर्ख पुत्र से माता को दुःख होता है।

आप देख सकते हैं कि वे समानांतर हैं। पिता और माता समानांतर हैं। एक खुशी लाता है, एक दुःख लाता है।

बुद्धिमान पुत्र सुख लाता है, मूर्ख पुत्र दुःख लाता है। और इसलिए, आप देख सकते हैं कि वे दो रेखाएँ कैसे समानांतर हैं। और इसलिए, समानता में एक संपूर्ण अध्ययन है।

दरअसल, हमें हिब्रू कविता में समानता की प्रकृति पर एक संपूर्ण प्रस्तुति देनी चाहिए। यह अद्भुत है। ध्वनि और भाव, जैसा कि हमने कहा, कहावतों में संक्षिप्तता का संयोजन, बहुत संक्षिप्त।

और इसलिए उन्हें लौकिक क्षण को पकड़ने के लिए काव्यात्मक विशेषताओं के रूप में उपयोग किया जाएगा। आलंकारिक भाषा, रूपक, उपमा, रूपक, वास्तव में महत्वपूर्ण चीजें हैं। ये भाषण के अलंकार हैं।

अतिशयोक्ति, और अतिशयोक्ति जोर देने के लिए अतिशयोक्ति है। पैरोडी, कभी-कभी पैरोडी भी होती है। नशे में धुत व्यक्ति के बारे में इसका एक हास्यप्रद पक्ष है, आप जानते हैं, वह आगे-पीछे हो रहा है।

यह एक तरह से उसी की पैरोडी है। सामान्यीकरण भी। भाषण के इन अलंकारों, विशेष रूप से रूपक और रूपक, में एक नए प्रकार का अध्ययन होता है जिसे संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान कहा जाता है।

और अब रूपक और रूपक तथा रूपक को समझने पर बहुत बड़े अध्ययन किए जा रहे हैं। और एक रूपक के बीच संबंध, जो रूपक और रूपक का एक संयोजन होगा। और संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान में वे जो महसूस कर रहे हैं वह यह है कि हम सोचते हैं, हम सोचते हैं, ये सिर्फ नहीं हैं, मैं उन्हें भाषण के आंकड़े कहता हूँ, लेकिन मुझे अब वह शब्दावली पसंद नहीं है, भाषण के आंकड़े।

जब आप कहते हैं कि रूपक या रूपक भाषण का एक अलंकार है, तो यह एक प्रकार की तामझाम वाली चीज़ है, आप जानते हैं, काव्यात्मक व्यक्ति कलात्मक हो रहा है और व्यक्ति कलात्मक और चीज़ें प्राप्त कर रहा है। नहीं, यह वह नहीं है जो संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान कह रहा है। नहीं, हम सोचते हैं कि हमारा मस्तिष्क रूपक रूप से सोचने के लिए बना है।

यह वर्षा है, यद्यपि तुम्हारे पाप लाल रंग के होंगे, वे बर्फ के समान सफेद होंगे। ठीक है। यद्यपि आपके पाप लाल रंग के होंगे, वे बर्फ की तरह सफेद होंगे।

और फिर, इसलिए दो अलग-अलग श्रेणियों के बीच एक संबंध है। ठीक है। दो अलग-अलग श्रेणियाँ, पाप, सफेद, बर्फ और चीज़ें।

तो, रूपक और रूपक, वास्तव में हम कैसे सोचते हैं, और रूपक, इसका एक और पहलू कि कैसे हमारा मस्तिष्क अर्थ को एक साथ रखता है, भागों को संपूर्ण के लिए कहता है, जैसे कि सिनेकडोचे एक प्रकार का रूपक है, आदि। हम इन सब में नहीं जाना चाहते हैं चीज़ें और हमेशा के लिए चलती रहें, लेकिन बस, लेकिन बस जागरूक रहें कि वे चीज़ें घटित हो रही हैं। और साहित्यिक रूप, कहावत क्या है? प्रपत्रों का प्रयोग किया जाता है।

लौकिक ऋषि रूपों का उपयोग करता है। इसलिए, उदाहरण के लिए, नीतिवचन 30 में, निश्चित रूप हैं जिनका ऋषि उपयोग करता है। और चलो देखते हैं।

ठीक है। मुझे लगता है कि मैं इसे मुद्रित के बजाय यहां धर्मग्रंथ से ही पढ़ूंगा, लेकिन नीतिवचन 30, यह दिलचस्प है, और आप इसे उठा सकते हैं। यह रहा।

नीतिवचन अध्याय 30, ऑगुर की बातें। अब देखते हैं कि वह किस तरह की चीजों का इस्तेमाल करते हैं। वह जिसे संख्यात्मक कहावतें, संख्यात्मक कहावतें कहते हैं, उसका उपयोग करता है और बस इसे जांचें।

ठीक है। तीन चीजें कभी संतुष्ट नहीं होतीं। चार जो कभी पर्याप्त नहीं कहते।

कब्र, बंजर गर्भ, भूमि, जो जल और अग्नि से कभी तृप्त नहीं होती, जो कभी पर्याप्त नहीं कहती। नीतिवचन अध्याय 30, श्लोक 18, एक और संख्यात्मक कहावत। देखिए, यह एक फॉर्म है जिसका वह उपयोग कर रहा है।

तीन चीजें हैं जो मेरे लिए बहुत आश्चर्यजनक हैं। चार जो मुझे समझ नहीं आते। तीन और चार, आकाश में उकाब का मार्ग, चट्टान पर साँप का मार्ग, ऊँचे समुद्र पर जहाज का मार्ग।

इस्राएली पहाड़ों में भूमि प्रेमी थे। ऊँचे समुद्र में जहाज़ का मार्ग, और स्त्री के साथ पुरुष का मार्ग। मैं उस पर कोई टिप्पणी नहीं करने जा रहा हूँ, लेकिन आप संख्यात्मक कहावतें देख सकते हैं।

ठीक है। सुंदर। और उनके पास कुछ निश्चित संरचनाएं थीं जिनका उपयोग तब कहावतों के निर्माण, लौकिक साहित्य को सीमित करने में किया जाता था।

सांस्कृतिक परिवेश, सांस्कृतिक परिवेश कैसा होगा, और कई लोगों ने इस पर बड़े पैमाने पर अध्ययन किया है। आपके पास शाही दरबार शामिल है और आप कई कहावतें देखेंगे, नीतिवचन 16, उदाहरण के लिए, ढेर सारी राजा कहावतें। ठीक है।

और इसलिए, ऐसा करना ही था, कहावतें अक्सर राजा के दरबार में बनाई और इस्तेमाल की जाती थीं। कई बार आपको ऐसी कहावतें मिलती हैं जो बहुत अधिक लोकोन्मुख होती हैं और वे आपको आम लोगों के बारे में बताती हैं। कई बार वे शैक्षणिक कार्यों में शामिल होते हैं, बच्चों को पढ़ाते हैं और सिर्फ नैतिकता के बुनियादी सिद्धांतों को पढ़ाते हैं या कहावतें जो अन्य चीजें कर रही हैं।

उनका एक न्यायिक पहलू भी है, जहां वे सामाजिक और न्यायिक प्रकार की चीजों के लिए तर्क देते हैं। सामाजिक कारक, राजा, महाराजा, शास्त्री, शिक्षक, छात्र। वे हमें इसे एक संदर्भ में रखने में भी मदद करते हैं।

राजा, शास्त्री, शिक्षक, छात्र, परिवार, पिता और माता और बच्चे। वास्तव में महत्वपूर्ण। शिक्षा परिवार के सन्दर्भ में होती थी और ये कहावतें उसी को दर्शाती हैं।

बुद्धिमान पुत्र पिता को आनन्द पहुँचाता है, मूर्ख पुत्र अपनी माता को दुःख पहुँचाता है। हे मेरे पुत्र, अपने पिता की शिक्षा सुन, अपनी माता की शिक्षा सुन। और इसलिए, माता-पिता उनकी शिक्षा में बहुत शामिल थे।

ऐसा लगता है कि हमें इस पर विचार करना चाहिए। विहित कार्य. कहानियों में कहावतों का प्रयोग किस प्रकार किया जाता है? और इसलिए, हमारे पास तब है, जैसा कि कैरोल फॉनटेन ने ओल्ड टेस्टामेंट में पारंपरिक कहावतें नामक एक सुंदर पुस्तक लिखी थी, जिसमें उन्होंने कहावतों का पता लगाया था, नीतिवचन की पुस्तक में नहीं, बल्कि ऐतिहासिक कथा के बाहर, ये कहावतें सामने आईं।

तो, क्या शाऊल भविष्यवक्ताओं में से है? वह पहला शमूएल 10 था। और इसलिए, आपके पास ये कहावतें हैं। इसके अलावा एक अन्य विहित कार्य नीतिवचन 26:4 और 5 है जिसे हम आज देखने जा रहे हैं।

“मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर न देना, ऐसा न हो कि तुम भी उसके समान बन जाओ।” और अगली आयत कहती है, “मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर दो, ऐसा न हो कि वह अपनी दृष्टि में बुद्धिमान ठहरे।” ये दोनों श्लोक एक दूसरे का खंडन करते प्रतीत होते हैं।

और इसलिए, कहावतें, जब इसे बाइबिल में शामिल किया गया तो इसे एंटीलेगोमेना कहा गया, जिसके खिलाफ बोला जाता है। ओल्ड टेस्टामेंट कैनन में पांच किताबें थीं जो पुराने टेस्टामेंट कैनन को एक साथ रखने के संदर्भ में एंटीलेगोमेना थीं, ये किताबें ऐसी थीं जिनमें समस्याएं थीं। और इसलिए, आपके पास कहावतों जैसी किताबें हैं जहां यह टकराव है, किसी मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर न दें।

और फिर अगली आयत कहती है, मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर दो। ऐसा लगता है कि यह चीजों का खंडन करता है। ईजेकील की किताब में एक मंदिर का वर्णन इस तरह किया गया है कि यह 1200 मील इस तरफ और 1200 मील उस तरफ है, यह इज़राइल और अन्य चीजों की तुलना में बहुत बड़ा है।

और इसलिए, ईजेकील उन लोगों में से एक होगा जिनसे भी पूछताछ की गई थी। इनमें से पांच एंटीलेगोमेना किताबें थीं, लेकिन नीतिवचन उन एंटीलेगोमेना किताबों में से एक थी, क्योंकि आज हम जिन छंदों को देखने जा रहे हैं, अध्याय छह और 25। अब मैं इन लोगों को जानबूझकर वकील कहना चाहता हूँ।

कुछ लोग हैं, और मैं यहां जर्नल ऑफ बाइबिलिकल लिटरेचर में लिखे एक लेख को पढ़ने जा रहा हूँ और कुछ कथनों को भी पढ़ रहा हूँ। क्या अध्याय 10 से 29 में नीतिवचन बेतरतीब ढंग से एक साथ रखे गए हैं, या उन्हें क्रमबद्ध किया गया है? मैं यह तर्क देने की कोशिश कर रहा हूँ कि उन्हें एक संपादक द्वारा आदेश दिया गया था। और इससे हमें एक और स्तर का अर्थ मिलता है कि हमें यह देखने की ज़रूरत है कि संपादक क्या कर रहा था, इन्हें एक के बाद एक रख कर।

और इसलिए ओस्टरले ने इसे लिखा है, लेकिन आम तौर पर कहें तो, इस संग्रह में कहावतों को बहुत ही बेतरतीब ढंग से एक साथ रखा गया है। मैं असहमत होता हूँ, लेकिन कई लोग अब भी इससे सहमत हैं। आर. गॉर्डन बताते हैं कि कहावतों को पढ़ना मुश्किल है क्योंकि उद्धरण में थोड़ी निरंतरता या प्रगति होती है, अंत उद्धरण।

ए से बी से सी से डी तक कथानक, निर्देशन, आरंभिक कहानी, मध्य कहानी, चरमोत्कर्ष, कहानी का अंत। कहावतों में ऐसा नहीं है। और इसलिए, वह कहते हैं, वाह, यहां तक कि गेरहार्ड वॉन राड भी कहावतों के क्रम की कमी के उद्धरण पर अपनी झुंझलाहट व्यक्त करते हैं।

और इसलिए, मैककेन, जिन्होंने इस पर एक प्रमुख टिप्पणी लिखी थी, इन कहावतों को परमाणुवादी के रूप में देखते हैं। बर्नार्ड लैंग यह टिप्पणी करते हैं। नीतिवचन की पुस्तक संक्षिप्त उपदेशात्मक प्रवचनों, कविताओं, सीखी हुई और पवित्र बातों का लगभग एक यादृच्छिक संग्रह है।

जैसी राइलार्सडैम यह कहते हैं, तब भी जब दो या दो से अधिक क्रमिक कहावतें कमोबेश एक ही विषय से संबंधित हों, उदाहरण के लिए, अध्याय 10 छंद चार और पांच में, ध्यान दें कि यह एक जोड़ी है, लेकिन क्या वह इसे खेलने जा रहा है या इसे बजाओ? यह संबंध जैविक के बजाय आकस्मिक प्रतीत होता है। विचार की कोई तार्किक निरंतरता नहीं है। तो बहुत से लोग कहावतों के बारे में यही कह रहे हैं, कि ये चीजें बिखरी हुई हैं और वे बेतरतीब हैं और वे जानबूझकर हैं और इसलिए परमाणुवादी, स्वयं-निहित कहावतें, अलग-अलग, हेल्टर-स्केल्टर, अव्यवस्थित, अव्यवस्थित हैं।

कहावत जोड़ी क्या है? अब मैं लोकोक्ति युग्म की परिभाषा देने जा रहा हूँ। दो लौकिक वाक्य जो एक साथ बंधे हैं, चाहे वह ध्वन्यात्मकता, शब्दार्थ, कैचवर्ड, वाक्यविन्यास, अलंकारिक उपकरण, स्थिति, या विषय के माध्यम से एक उच्चतर, एक उच्च वास्तुशिल्प इकाई में हो। ऐसी दो कहावतें हैं जो समीपवर्ती हैं, जो जुड़ी हुई हैं, और जिन्हें एक के बाद एक रखा गया है।

दो कहावतें जो एक साथ हैं, जो ध्वन्यात्मकता, शब्दार्थ, कैचवर्ड, वाक्यविन्यास, अलंकारिक उपकरणों, स्थिति या विषयवस्तु द्वारा एक उच्च इकाई में बंधी हुई हैं। तो, वहाँ कुछ अर्थ है कि उन दोनों को एक साथ रखकर संपादक का क्या, क्या, क्या इरादा था? अब, प्रत्येक का अपने आप में कुछ मतलब है, और मैं इसे बिल्कुल भी कमतर नहीं आंकना चाहता। प्रत्येक कहावत का अपने आप में एक महत्वपूर्ण अर्थ होता है, लेकिन जब आप उन्हें एक के बाद एक रखते हैं, तो वे एक साथ नृत्य करते हैं।

और एक साथ नृत्य करना किसी व्यक्ति द्वारा अकेले नृत्य करने से बहुत अलग है। ठीक है। और इसलिए मैं यही कहना चाह रहा हूँ।

हफ़्तों से हफ़्तों की खोज, उद्धरण, 1994 में ऐसी आसन्न कहावतों की खोज की गई। समस्या को स्पष्ट रूप से नजरअंदाज कर दिया गया था, मेरा लेख उससे छह साल पहले लिखा गया था,

लेकिन छह साल देर हो गई, लेकिन कम से कम उसे यह पता चला, कि कहावत जोड़े हैं। और साहित्यिक, साहित्यिक शिल्प कौशल देखा जा सकता है।

ये सुलैमान की कहावतें हैं जो हिजकिय्याह के आदमियों द्वारा एकत्रित की गई थीं, नीतिवचन अध्याय 25.1। ये सुलैमान की कहावतें हैं जिन्हें एकत्र किया गया था। और फिर उन्हें इन संपादकों द्वारा एकत्र किया जाता है जो फिर कुछ कहावतों का चयन करते हैं और अन्य कहावतों का चयन नहीं करते हैं। पहला राजा, पहला राजा चार और पांच हमें बताते हैं कि सुलैमान ने लगभग 3000 कहावतें लिखीं।

हमारे पास केवल लगभग 375 हैं। हमें 1 राजा 4 और 5 परिच्छेदों से सुलैमान ने वास्तव में जो कुछ एकत्र किया था उसका लगभग 10वाँ या उससे कम हिस्सा मिलता है। इसलिए, उन्हें बाद में हिजकिय्याह के आदमियों द्वारा संपादित किया गया, जो सुलैमान के समय से कुछ और आधी शताब्दी बाद का है।

लंबी इकाइयों के उदाहरण हैं। जैसा कि हमने कहा, नीतिवचन 31 गुणी स्त्री की पुस्तक में, संख्यात्मक कहावत है, जो एक पंक्ति में कई समस्याएं हैं। उम्म, और उस प्रकार की चीज़।

अब, कहावत युग्म कितनी बार आते हैं? नीतिवचन जोड़े कितनी बार आते हैं? खैर, नीतिवचन अध्याय 10 श्लोक 10 से 29 में, मुझे खेद है, नीतिवचन अध्याय 10 से 29 तक, लगभग 595 श्लोक हैं। ठीक है। नीतिवचन 10 अध्याय 10 से 29 तक 595 श्लोक हैं।

युग्म के उन 62 उदाहरणों को पढ़ने पर मुझे 62 उदाहरण मिले, जो 124 छंद हैं। तो, आपके पास 595 छंद हैं, और उनमें से 124 युग्मित हैं। यह 21% है, 21% कहावतें जो एक साथ बिखरी हुई मानी जाती हैं, नीतिवचन अध्याय 10 वाक्य से 29 तक।

लेकिन फिर भी ऐसे उदाहरण हैं कि उनमें से 124 या 21% जोड़े में पाए जाते हैं। उदाहरण के लिए, नीतिवचन अध्याय 15 श्लोक 16 और 17, यह कहता है, नीतिवचन से दो बेहतर हैं। ठीक है।

क्या कहावतों से दो बेहतर हैं? और इसलिए, इन्हें एक के बाद एक रखा जाता है। और, आइए देखें कि क्या मुझे वह मिल गया है।

हाँ, मुझे वह यहाँ लिखा हुआ मिला है। यह कहता है, "अशांति के साथ बड़ी संपत्ति की तुलना में भगवान के भय के साथ थोड़ा सा बेहतर है।" यह एक कहावत है।

और फिर इसके ठीक बाद अगली कहावत कहती है, "घृणा के साथ पाले हुए बछड़े की तुलना में प्यार के साथ थोड़ी सी सब्जियां परोसना बेहतर है।" और इसलिए, इन्हें इन दोनों को एक के पीछे एक रखा गया है। और फिर भी, नीतिवचन की पूरी किताब में नीतिवचन से भी बेहतर 21 हैं।

इनमें से 21 हैं, जिसे वे नीतिवचन से बेहतर कहते हैं, यह उस तरह की चीज़ से बेहतर है, संरचना। और इसलिए, उनमें से 21 हैं, लेकिन यहां ध्यान दें कि 21 में से दो एक के बाद एक

घटित होते हैं। इसकी सम्भावना क्या है? इसकी सम्भावना क्या है? यदि आपके पास 21 हैं और आपके पास 31 अध्याय हैं और आपके पास 21 उदाहरण हैं, तो आप सोचेंगे कि वे हर जगह बिखरे होंगे।

और कभी-कभी वे होते भी हैं, लेकिन इस मामले में, आपको एक के बाद एक दो रखे गए हैं, न केवल एक ही अध्याय में दो बल्कि उन्हें एक के बाद एक रखा गया है। और इससे पता चलता है कि वे हैं, उनकी जोड़ी बनाई जा रही है। उन्हें जोड़ा जा रहा है।

एक कहावत दूसरी कहावत को सन्दर्भित करती है, उदाहरण के लिए, अमीरों का धन उनका दृढ़ शहर है। यह नीतिवचन अध्याय 10:15 और 16 है। नीतिवचन 10:15 और 16 कहता है, "धनवानों का धन उनका दृढ़ नगर है, परन्तु दरिद्रता कंगालों का विनाश है।"

यदि आप कभी गरीब रहे हैं, तो आप जानते हैं कि गरीबों की बर्बादी का क्या मतलब होता है। इसलिए, यह वर्णन नहीं कर रहा है कि यह कैसा होना चाहिए। यह बताता है कि जीवन में यह कैसा है।

तो, फिर क्या होता है यह कहावत कह रही है, आप जानते हैं, अमीर उनका दृढ़ शहर है और गरीबी गरीबों का खंडहर है। अगला श्लोक इसे कुछ हद तक योग्य बनाता है। "धर्मियों की कमाई तो जीवन है, परन्तु दुष्टों की कमाई पाप और मृत्यु है।"

और इसलिए, यह कह रहा है, यदि आपके पास अपनी संपत्ति है, लेकिन आप दुष्ट हैं, तो आप एक बड़ी समस्या हैं। और यदि तुम गरीब हो और तुम धर्मी हो, तो तुम्हें जीवन और चीज़ें मिलेंगी। और इसलिए, एक कविता दूसरे को प्रासंगिक बनाती है और उसके अर्थ में हमारी मदद करती है।

अब यहाँ एक विशाल संरचना है जिस पर स्टीनमैन नाम के एक व्यक्ति की नज़र पड़ी है, जिसने नीतिवचन की पुस्तक पर एक उत्कृष्ट टिप्पणी लिखी है। इसे रे वान ल्यूवेन नाम के एक व्यक्ति ने भी नोट किया है, जिन्होंने नीतिवचन अध्याय 25 से 27 पर विस्तार से लिखा है, लेकिन उन्होंने इस पर इंटरप्रेटर बाइबिल में एक पूरी टिप्पणी भी लिखी है। और उन्होंने तब इस चियास्टिक संरचना पर ध्यान दिया है।

अब याद रखें कि हमने कहा था कि चियास्टिक ग्रीक में एक्स ची है, एबी बी ए। अब यह एक विस्तारित है, लेकिन वह छंद नीतिवचन अध्याय 26 श्लोक 1 से 12 को एक चियास्टिक संरचना के रूप में लेता है। और मैं अध्याय 26 श्लोक 1 से 12 तक पढ़ना चाहता हूँ और आपको दिखाना चाहता हूँ कि मूल रूप से यह पूरा 1 से 12 वही है जिसे टॉय, जो एक पुराने टिप्पणीकार हैं जिन्होंने नीतिवचन पर लिखा है, इसे मूर्खों की पुस्तक कहते हैं। तो, नीतिवचन की पुस्तक में, आपको ये सभी वाक्य कहावतें अध्याय 10 से 29 में मिलती हैं, लेकिन अध्याय 26 श्लोक 1 से 12 में, ये सभी श्लोक मूर्ख के विषय पर एक साथ लटके हुए प्रतीत होते हैं।

तो, टॉय इस अध्याय 26 श्लोक 1 से 12 को मूर्खों की पुस्तक कहता है। और मैं शायद इसे मूर्खों का स्कॉल कहूँगा। लेकिन फिर भी, उन्होंने मूर्खों की किताब कहा।

आइए मैं इसे फिर नीतिवचन अध्याय 26 पद 1 और उसके बाद पढ़ता हूँ। "जैसे गर्मी में बर्फ या फसल में बारिश, सम्मान मूर्ख के लिए उपयुक्त नहीं है।" अब यह एक प्रमुख वाक्यांश बनने जा रहा है।

सम्मान मूर्ख के लिए उपयुक्त नहीं है। नीतिवचन अध्याय 26 श्लोक 1 से 12. विचार यह है कि क्या उचित है? फिटिंग क्या है? और यहाँ कहा गया है, "जैसे गर्मी में बर्फ या फसल में बारिश, सम्मान मूर्ख के लिए उपयुक्त नहीं है। उड़ती हुई निगल में फड़फड़ाती गौरैया की तरह, एक अवांछित अभिशाप शांत नहीं होता है। घोड़े के लिये कोड़ा, और गधे के लिये लगाम, और मूर्खों की पीठ के लिये छड़ी।" वहाँ फिर मूर्ख सिर पर आ जाता है।

"घोड़े के लिए कोड़ा, और गधे के लिए लगाम, और मूर्खों की पीठ के लिए छड़ी।" फिर हमारे पद, हमारे दो पद नीतिवचन 26:4 और 5 को देखने जा रहे हैं। "मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर न देना, नहीं तो तू भी उसके समान हो जाएगा।" श्लोक 5, "मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर दो, नहीं तो वह अपनी दृष्टि में बुद्धिमान हो जाएगा।"

देखिए किस तरह की पहेली या विरोधाभास है, या कुछ लोग इसे विरोधाभास भी कहते हैं। इन दो श्लोकों पर हम शीघ्र ही गौर करेंगे।

"मूर्ख के हाथ से संदेश भेजना अपने पैर काटने या जहर पीने के समान है।" किसी मूर्ख द्वारा संदेश न भेजें।

"मूर्ख के मुँह में एक कहावत है, जैसे लंगड़े के बेकार पैर।" कहावतें बुद्धि के लिए होती हैं, है न? लेकिन क्या कोई मूर्ख नीतिवचन का हवाला दे सकता है? हाँ।

और यह लंगड़े के निकम्मे पांव के समान है, यह कहावत मूर्ख के मुँह में होती है।

"जैसे गोफन में पत्थर बाँधना मूर्ख को सम्मान देना है। मूर्ख को सम्मान नहीं मिलना चाहिए। जैसे शराबी के हाथ में कंटीली झाड़ी, वैसे ही मूर्ख के मुँह में कहावत है। जब कोई मूर्ख कोई कहावत उद्धृत करता है, तो यह आपके हाथ में कांटा चुभने जैसा होता है।

"उस तीरंदाज की तरह जो बेतरतीब ढंग से घाव करता है, वह है जो मूर्ख या किसी राहगीर को काम पर रखता है। जैसे कुत्ता अपनी उल्टी के पास लौट आता है, वैसे ही मूर्ख अपनी मूर्खता, अपनी मूर्खता दोहराता है।" और फिर आखिरी कविता, "क्या आप किसी व्यक्ति को अपनी नज़रों में बुद्धिमान देखते हैं? उनसे अधिक मूर्ख के लिए आशा है।"

वह अंतिम श्लोक पढ़ें। "क्या आप किसी व्यक्ति को अपनी नज़रों में बुद्धिमान देखते हैं? उनके लिए मूर्ख से भी अधिक आशा है।" मूर्ख होने से बुरा क्या है? अपनी नज़रों में बुद्धिमान होना। अभिमान और अहंकार मूर्ख होने से भी बदतर हैं।

अंतिम श्लोक के अनुसार इस लोकोक्ति खंड का सारांश यहाँ दिया गया है। अब, ए, मूर्ख का सम्मान करना उचित नहीं है। बी, महत्वहीन अभिशाप।

सी, दोहरी तुलना, सम्मान मूर्ख के लिए उपयुक्त नहीं है। तो आप देख सकते हैं कि यह ए, बी, सी, डी, और फिर डी, सी, बी, ए में कैसे जाता है। वापस लौटें। यह एक चियास्म है।

और इसलिए, वैसे, मेरे पास यह होगा, मेरे पास होना चाहिए, मैं इन्हें काट दूंगा। पावरपॉइंट ऑनलाइन उपलब्ध होने जा रहे हैं। आप पावरपॉइंट डाउनलोड कर सकते हैं और वास्तव में आपको पावरपॉइंट डाउनलोड करना चाहिए और आप नीतिवचन 26:4-5 पर इस लंबे व्याख्यान का अनुसरण कर सकते हैं।

लेकिन इसलिए, मैंने वहाँ चियास्म बिछा दिया है। अब स्टीनमैन ने जो देखा वह यह है कि एक प्रकार का चियास्म दूसरे चियास्म में छिपा हुआ है। और इसे ही वह E1 कहते हैं, मूर्खतापूर्ण मूर्खता।

अध्याय 26, श्लोक 4. ई2, मूर्ख की मूर्खता ही उसकी बुद्धि है। 26.5. एफ महत्वपूर्ण व्यवसाय के लिए मूर्ख का उपयोग करना मूर्खता है। श्लोक 6. जी, मूर्खों के मुँह में एक कहावत।

26.7. एच, चियास्म का फोकस। एच, सम्मान मूर्ख के लिए उपयुक्त नहीं है। और इसलिए यह इस पूरे अनुभाग का प्रमुख संदेश है। सम्मान मूर्ख के लिए उपयुक्त नहीं है। तो, मूर्ख के लिए क्या उपयुक्त है? यह पूछ रहा है, आप मूर्ख से कैसे निपटते हैं? ठीक है। सम्मान मूर्ख के लिए उपयुक्त नहीं है।

अध्याय 26, श्लोक 8. ध्यान दें कि 26.1 मूलतः वही बात कहता है। ठीक है। मूर्खों के मुँह में एक कहावत।

26.9. जी, और फिर वापस एफ आना, महत्वपूर्ण कार्य के लिए मूर्ख का उपयोग करना मूर्खता है। 26.10 एफ है और फिर ई1, एक मूर्ख की मूर्खता, श्लोक 11. और फिर एक मूर्ख की बुद्धि।

अपनी नजरों में बुद्धिमान बनने से मूर्ख बनना बेहतर है। अध्याय 26:12 इस प्रकार समाप्त होता है। तो मुझे लगता है कि स्टीनमैन इन दो अंतर्निहित चिआस्मों की ओर इशारा करते हैं। यह सचमुच एक दिलचस्प संरचना है।

मैं जो कहना चाह रहा हूँ वह यह है कि जब संपादक इस चीज़ को एक साथ रखते हैं, तो वे इस चीज़ को एक साथ रखते हैं। यह बहुत अच्छा है, अध्याय 26 श्लोक 1 से 12 बहुत अच्छी तरह से निर्मित है और इसमें एक उच्च अर्थ है। और मुझे लगता है कि वान लीउवेन सही हैं।

और वह कह रहे हैं कि यह मूल रूप से हमें बता रहा है कि हमें कहावतों की व्याख्या कैसे करनी चाहिए। और इसलिए, यह ज्ञान की व्याख्या या व्याख्या है, कि हर चीज़ कटी हुई और सूखी नहीं है। सब कुछ सीधा नहीं है।

आप स्थितियों को देखते हैं, वे जटिल हैं और आपको उनकी थोड़ी सी व्याख्या करने की आवश्यकता है। तुम्हें एक मूर्ख मिल गया जो एक कहावत उद्धृत कर सकता है। तो, आप जानते हैं, आपको इस चीज़ के बारे में कुछ सोचना होगा।

और मूर्ख और इससे भी बदतर, हेर्मेनेयुटिक्स यह मूल्यांकन कर रहा है कि क्या उपयुक्त है। मूर्ख को दिया गया सम्मान. वैसे, श्लोक एक और श्लोक आठ में इसे दोहराया गया है, मूर्खों की पीठ के लिए छड़ी।

फिर, मूर्ख के लिए क्या उपयुक्त है? मूर्खों की पीठ के लिये छड़ी। मूर्ख को उत्तर देना या न देना। एक पुनरावृत्ति है, एक प्रमुख पुनरावृत्ति है।

“मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर मत दो।” अगला श्लोक, “मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर दो।” इसलिए, श्लोक चार और पाँच में अत्यधिक पुनरावृत्ति है जिसे हम देखने जा रहे हैं।

मूर्ख को दूत बना कर भेजना। फिर, क्या यह उचित है? जब तुम्हें दूत या राजदूत चाहिए तो मूर्ख को मत भेजो।

अध्याय 26:7 और 26:9 दोनों में एक मूर्ख एक कहावत उगल रहा है। श्रमिकों को काम पर रखना. शराबी, मत करो शराबी, और मत करो मूर्ख।

किराया, पद 10। और इसलिए मूल रूप से, वान लीउवेन इन्हें ऐसी चीज़ों के रूप में प्रस्तुत करते हैं जो किसी मूर्ख के लिए उपयुक्त नहीं हैं। और वह आपको बस यह बता रहा है कि किसी मूर्ख से कैसे निपटना है।

तो ठीक है। युग्मन विविधताएँ। अब यह मजेदार हो सकता है.

ध्यान दें कि मैं कैसे बनाए रखने की कोशिश कर रहा हूँ, और मैंने आपको नीतिवचन 10 से 29 में से 21% ये जोड़े दिखाने की कोशिश की है। उनमें से 21% ऐसे हैं. उनमें से कुछ तो लगभग 60 हैं।

ठीक है। लेकिन विविधताएं भी हैं. त्रय हैं.

कभी-कभी एक पंक्ति में तीन कहावतें होती हैं। हम उन त्रियों को कहते हैं। स्टुअर्ट वीक्स ने अपनी पुस्तक, अर्ली इज़रायलीट विज़डम में भी इन त्रय का उल्लेख किया है।

उदाहरण के लिए, अध्याय 23:26 से 28, और अध्याय 24:10 से 12, वगैरह। कभी-कभी मुझे पता चला कि विभाजित जोड़े किसे कहते हैं। दूसरे शब्दों में, दो छंद हैं जो एक-दूसरे के करीब हैं, लेकिन वे एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

और इसलिए, मैं उन्हें विभाजित जोड़े कहता हूँ। ठीक है। एक उदाहरण, नीतिवचन 10 श्लोक 8 और श्लोक 10।

एक श्लोक है जो उनके बीच में चलता है, लेकिन वे दो, 8 और 10, एक साथ चलते हैं। अध्याय 16:32 और अध्याय 17:1 के साथ भी यही बात है। वे दोनों साथ-साथ चलते हैं, लेकिन बीच में एक श्लोक है। अध्याय 17:26 और अध्याय 18:5 के साथ भी यही बात है।

अब जोड़ी और एक अलग हो गए। कभी-कभी मैंने पाया कि एक जोड़ा था, लेकिन फिर एक श्लोक बीच में आ गया और फिर दूसरा अलग हो गया। तो, यह एक तरह से टूटे हुए त्रिया की तरह है। आपके पास एक जोड़ी है जो कसी हुई है।

वहां एक श्लोक अंकित है और फिर एक और श्लोक है जो जोड़ी को वापस बांधता है। तो, यह एक त्रय की तरह है या यह एक प्लस एक की जोड़ी की तरह है। और आपके पास वह 15:1 और 2 और फिर पद 4 में है। आपको वह 15:8 और 9 और पद 11 में मिला है। और आपको वह अध्याय 20:16 और 17 और फिर पद 20 में मिला है। तो, यह एक जोड़ी प्लस एक संलग्न का विचार है।

और फिर कुछ ऐसा जो वास्तव में विवादास्पद रहा है, और मैं उस व्यक्ति के लिए बहुत आभारी हूं जो एक अद्भुत भाई है। नॉट हेम, दुनिया में नीतिवचन के अध्ययन में अग्रणी लोगों में से एक, ने नीतिवचन की पुस्तक में हमारे लिए एक श्रृंखला बनाई और यह यूट्यूब पर उपलब्ध है। आप इसे देख सकते हैं। उसके पास एक चीज़ है जिसे वह क्लस्टर कहता है। और इसलिए आपके पास न केवल जोड़े और त्रिक हैं, बल्कि आपके पास इन लौकिक चीज़ों के समूह भी हैं जहां वे एक साथ जुड़े हुए हैं। मैंने पहले उन्हें स्टिंग्स कहा था, लेकिन वह उन्हें क्लस्टर कहते हैं और मैंने उन्हें रास्ता दे दिया। वह स्पष्ट रूप से इस चीज़ का एक प्रमुख विशेषज्ञ है।

वह दिखाता है कि अध्याय 11:9 से 12, उदाहरण के लिए, अध्याय 15:29 से 33, ये चीज़ें इन समूहों में कैसे जुड़ी हुई हैं। और इसलिए, केवल जोड़े, त्रिक, जोड़े और एक ही नहीं हैं, बल्कि ये तार या कहावतों के समूह भी हैं जो एक साथ चलते हैं जिन्हें संपादकों ने एक साथ रखा था।

अब, मैं जोड़ियों के पाँच उदाहरण देखने जा रहा हूँ, लेकिन हम आज केवल एक ही करने जा रहे हैं क्योंकि 26:4 और 5 पर यह एक पहेली या विरोधाभास या संघर्ष या विरोधाभास के कारण एक प्रमुख है।

हालाँकि, आप इसे कहने का निर्धारण करना चाहते हैं। और यह पद 4 और 5 है। नीतिवचन अध्याय 26:4 और 5 में लिखा है, "मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर न देना, नहीं तो तू भी उसके समान हो जाएगा।" अगला श्लोक, "मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर दो, नहीं तो वह अपनी दृष्टि में बुद्धिमान हो जाएगा।"

क्या तुम्हें मूर्ख को वैसा उत्तर नहीं देना चाहिए जैसा कि पहली आयत कहती है, या तुम्हें मूर्ख को वैसा उत्तर देना चाहिए जैसा अगली आयत कहती है? अतः इन्हें विरोधाभासी कहावतें कहा जाता है। और इससे पहले कि हम वास्तव में यहां बाइबिल के पाठ में कूदें, मैं वास्तव में कुछ मजा करना और बस खेलना चाहता हूँ।

दो कहावतों के आपस में टकराने की यह घटना दुनिया भर में सभी अलग-अलग कालों में पाई जाती है। और इसलिए विरोधाभासी कहावतें सुप्रसिद्ध घटनाएँ हैं। एल्स्टर, जो प्राचीन सुमेर की कहावतों पर दो सुंदर खंडों पर काम कर रहे हैं। ठीक है। हम सुमेर की बात कर रहे हैं, सुलैमान से भी हजारों साल पहले। ठीक है। सुलैमान से हजारों वर्ष पहले या सुलैमान से कई सौ वर्ष पहले, इसराइल, सुमेर से पहले, इतिहास सुमेर प्रकार की चीज़ से शुरू होता है।

उन्होंने देखा कि उन्होंने सुमेरियन कहावतों का यह संग्रह एक साथ रखा है और उन्होंने देखा कि उनमें से कुछ परस्पर विरोधी और विरोधाभासी हैं। लगभग सभी भाषाओं में शैली का एक हिस्सा इस कंटास्ट का उपयोग करता है। वर्मॉट का वह व्यक्ति मीडर, जो इन चीज़ों का अध्ययन करता है, उन्हें विरोधी या विकृत कहावतें भी कहता है।

और हम क्या करेंगे कि अंग्रेजी में कुछ टेढ़ी-मेढ़ी कहावतों की जाँच करेंगे। हम बस उसमें कुछ मजा करेंगे। ठीक है।

मैं जानता हूँ कि यह लंबा है, लेकिन मैं इसे विस्तार से करना चाहता था क्योंकि मैं जानता हूँ कि अगर मैं इसे विस्तार से नहीं करूँगा, तो इसे कौन करेगा। तो वैसे भी, अंग्रेजी कहावतें, और हम उसकी किताब के साथ कुछ मजा करेंगे। मीडर ने 1999 में ट्विस्टेड विजडम, मॉडर्न एंटी-प्रोवेर्ब्स नामक पुस्तक लिखी।

और हम उनमें से कुछ विरोधी कहावतों को देखेंगे। आप लोग उन्हें जानते होंगे। सुमेरियन कहावतें, हम अल्स्टर से एक जोड़े को पकड़ेंगे और फिर हम नाइजीरिया जाएंगे और योरूबा कहावतें हैं जो नाइजीरिया से आती हैं। और हम उनके बीच कुछ विरोधाभासों को देखेंगे। और फिर वास्तव में, पवित्रशास्त्र में भी, आपको उन चीज़ों के बीच तनाव मिलता है जो एक तरह से टकराती हैं। आपके पास एक ओर ईश्वर की संप्रभुता है, और दूसरी ओर मनुष्य की स्वतंत्र इच्छा है। वे चीज़ें एक साथ कैसे फिट बैठती हैं? ठीक है, यदि आप सुधर गए हैं, तो वे एक ही रास्ते पर चलते हैं। यदि आपका दृष्टिकोण आर्मीनियाई से अधिक है, तो वे दूसरे रास्ते पर चले जाते हैं। और आप जानते हैं, आप किस पर जोर देने जा रहे हैं।

तुम मेरे जैसे हो और बीच में खड़े हो, आस्था और कर्म दोनों तरफ से मार खाते हो। क्या यह विश्वास से है या कर्मों से और कर्मों के बिना विश्वास मरा हुआ है, लेकिन फिर भी विश्वास, आप जानते हैं, कर्म कोई अच्छा और सामान नहीं है। और इसलिए, आपको यह मिलता है, ट्रिनिटी, ट्रिनिटी की पूरी धारणा ईश्वर है, आप जानते हैं, एक है।

सुनो हे इस्राएल, यहोवा हमारा परमेश्वर है, यहोवा एक है। और फिर भी हमें पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा मिले हैं। और इसलिए एक में तीन।

और ट्रिनिटी कैसे है, आप कहते हैं, ठीक है, यह सिर्फ एक ट्रिनिटी है और इसे खारिज कर दें। नहीं, नहीं, यार। ट्रिनिटी एक रहस्य है। यह अविश्वसनीय है जब आप इसके बारे में अधिक गहराई से सोचना शुरू करते हैं जैसा कि चर्च के पिताओं ने किया था। तो, इस प्रकार की टकराव वाली चीज़ें हैं। तो, आइए अंग्रेजी के साथ खेलें।

अंग्रेजी विरोधाभासी या विरोधाभासी कहावतें। यह एक शैली का हिस्सा है और मीडर इनमें से कुछ प्रस्तुत करता है। अब, मुझे बस एक लेने दो।

अनुपस्थिति दिल में और प्यार भर देती है। अनुपस्थिति दिल में और प्यार भर देती है। दूसरे शब्दों में, मैं सेमिनरी में हूँ, मेरी पत्नी बफ़ेलो स्टेट कॉलेज में है और अन्य चीजें, और अनुपस्थिति दिल को और अधिक उत्साहित कर देती है।

और मैं उसके साथ रहना चाहता हूँ। और इसलिए, अनुपस्थिति के बाद मेरी इच्छा और मेरी पत्नी के होने की लालसा बहुत अधिक मजबूत हो गई। तो, अनुपस्थिति हृदय को स्नेहपूर्ण बनाती है।

हम जानते हैं कि वह कैसा है। यह कैसे है? अनुपस्थिति दिल में किसी और के लिए स्नेह बढ़ा देती है। खैर, और आप जानते हैं कि यह कैसा है।

ठीक है। तो, एक लड़के को इस लड़की या किसी भी चीज़ से प्यार हो जाता है, और वह यहाँ है, वह यहाँ है। और फिर अचानक, उसकी मुलाकात इस दूसरे पात्र, एक महिला से होती है, और अब उसे उससे प्यार हो जाता है।

और अब उसके पास एक वास्तविक समस्या है। मुझे लगता है कि यह वास्तव में येलोस्टोन नामक श्रृंखला में हुआ था। और उसकी एक गर्लफ्रेंड है।

मैं उसके लिए कोई विज्ञापन नहीं डाल रहा हूँ, लेकिन फिर भी। तो, अनुपस्थिति दिल को किसी और के प्रति आकर्षित कर देती है। और आप देख सकते हैं कि वहाँ कहावत को किस तरह से घुमा-फिराकर पेश किया गया है।

अनुपस्थिति बनाती है, यहाँ एक और है। और ये बात मैंने खुद कही है। अनुपस्थिति दिल में और प्यार भर देती है। अनुपस्थिति दिल को भटका देती है। वाह! एक परिवर्तनशील तकनीक, एक तुकबंदी वाले शब्द को प्रतिस्थापित करते हुए, शौकीन, घूमना, एक ही कहावत से निर्मित दो पूरी तरह से अलग अर्थ।

यहाँ एक और है। अब यह सचमुच एक विरोधी कहावत है। "अनुपस्थिति दिल को स्नेहपूर्ण बनाती है" और "दृष्टि से दूर, दिमाग से बाहर," दृष्टि से दूर, दिमाग से बाहर।

अनुपस्थिति हृदय को स्नेहपूर्ण बना देती है, या यह दृष्टि से दूर, दिमाग से दूर हो जाती है? दो पूर्णतः परस्पर विरोधी, विरोधाभासी कहावतें। और इसलिए, हम अंग्रेजी में उनके साथ मजा करते हैं और उन्हें इन चीजों के साथ खेलने में काफी मजा आता है।

यहाँ एक है। यह मजेदार है। प्रतिदिन x, y को दूर रखता है। अब यह वह तरीका है जिसे हम सभी जानते हैं। "प्रतिदिन एक सेब डॉक्टर से दूर रखता है।" यही कहावत है। प्रतिदिन एक सेब डॉक्टर से दूर रखता है। हममें से अधिकांश ने यह तब सुना है जब हम बच्चे थे। प्रतिदिन एक सेब डॉक्टर से दूर रखता है। सेब खाने में अच्छे होते हैं। प्रतिदिन सेब डॉक्टर को दूर रखता है। यही कहावत है।

यह कैसे है? टेढ़ी-मेढ़ी कहावत. "एक दिन का संकट महाभियोग को दूर रखता है।" बिल क्लिंटन। "एक दिन का संकट महाभियोग को दूर रखता है।" और उसका इस्तेमाल राजनीतिक हलकों में किया गया.

यहाँ इसमें एक और मोड़ है। "दिन में एक हंसी मनोचिकित्सक को दूर रखती है।" प्रतिदिन एक हंसी मनोचिकित्सक को दूर रखती है। खुश रहना और कभी-कभी हंसना अच्छा है।

यहाँ एक और है। "प्रतिदिन एक प्रयास असफलता को दूर रखता है।" प्रतिदिन एक प्रयास असफलता को दूर रखता है। प्रयास करें, अनुशासन रखें. अनुशासन स्वतंत्रता के बराबर है. मुझे लगता है कि जोको विलिंक नाम के एक व्यक्ति ने ऐसा कहा है। अनुशासन स्वतंत्रता के बराबर है. प्रतिदिन प्रयास असफलता को दूर रखता है।

अब यहाँ एक है. कहावतों का मतलब है, हर कोई इस चीज़ में पड़ जाता है जहाँ यह बाइबिल में है। यह सत्य और सत्य होना चाहिए और ये सभी भारी, बड़ी बातें। कभी-कभी कहावतें मनोरंजन के लिए होती हैं।

आप जानते हैं, वह आदमी जहाज़ के मस्तूल पर है। वह आगे-पीछे जा रहा है। मुझे मारो, परन्तु मुझे इसका अनुभव नहीं होता (नीतिवचन 23:35)। और यह एक पैरोडी है. और इसलिए, आपको इन कहावतों से थोड़ा सा हल्का होना होगा।

तो, यहाँ एक और है। "दिन में एक प्याज हर किसी को दूर रखता है।" प्रतिदिन एक प्याज सभी को दूर रखता है। और आप कहते हैं, यह आपके चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए है।

ठीक है। यहाँ एक और है। यह अधिक धार्मिक है. "बाइबल का एक अध्याय प्रतिदिन शैतान को दूर रखता है।" प्रतिदिन एक अध्याय शैतान को दूर रखता है। वहाँ कुछ अच्छी सलाह.

और फिर प्रतिदिन एक सेब डॉक्टर को दूर रखता है। और इसलिए आपके बिलों का भुगतान नहीं हो रहा है. आप अपने बिलों का भुगतान नहीं करते हैं यह एक प्रतिक्रिया है। तुम्हें कोई डॉक्टर नहीं दिखता. ठीक है। आजकल सेब बहुत महंगे हैं. आपके पास एक डॉक्टर भी हो सकता है। प्रतिदिन एक सेब से बेहतर. प्रतिदिन एक सेब से बेहतर.

ठीक है। और फिर यहाँ एक मुर्ग के बारे में है। यह दो मुर्गियों के बीच की चर्चा है। तो, बूढ़ी मुर्गी जवान मुर्गी से कहती है, वह कहता है, बूढ़ी मुर्गी कहती है, मैं तुम्हें एक अच्छी सलाह देता हूँ। ध्यान दें कि हम एक प्रकार की सलाह में हैं, बूढ़ी मुर्गी, जवान मुर्गी, बूढ़ी बुद्धि, युवा व्यक्ति सीख रहा है। ठीक है। तो, हम उस तरह के संदर्भ में हैं केवल वे मुर्गियों का उपयोग करते हैं। ठीक है। आइए मैं आपको एक अच्छी सलाह देता हूँ। युवा मुर्गी कहती है, यह क्या है? "बूढ़ी मुर्गी कहती है कि प्रतिदिन एक अंडा कुल्हाड़ी को दूर रखता है।" प्रतिदिन एक अंडा कुल्हाड़ी को दूर रखता है। दूसरे शब्दों में, बेहतर होगा कि आप अपने अंडों की देखभाल करें। ठीक है।

ये टेढ़ी-मेढ़ी कहावतें हैं. वोल्फगैंग मिएडर, उनका धन्यवाद हमें कुछ लौकिक आनंद देता है।

वास्तव में, मैंने अपनी बेटी के साथ इनका आनंद लिया। मुझे लगता है कि यह वास्तव में इसी कमरे में हुआ था। हमारे परिवार में एक बड़ा झगड़ा हो गया है। मैं एक प्रमुख सुबह का व्यक्ति हूँ। जैसे मैं आमतौर पर सुबह पांच, पांच बजे उठता हूँ। सच कहूँ तो, मैं अब सेवानिवृत्त हो चुका हूँ और अब भी सुबह पांच बजे उठता हूँ, कभी-कभी तो साढ़े पांच बजे भी। कभी-कभी मैं 5:30 बजे तक सो जाता हूँ जैसे मैंने आज सुबह किया। लेकिन वैसे भी, मेरी पत्नी एक प्रमुख रात्रि व्यक्ति है। इसलिए, वह सुबह दो से चार बजे के बीच सो जाती हैं।

ठीक है। तो हम इस तरह से चूक जाते हैं जबकि हमारे बच्चे तो हैं ही, वास्तव में वे सभी उसका बहुत अधिक ध्यान रखते हैं। ठीक है। तो, रात के लोग इस तरह की बात करते हैं। और इसलिए, मैं अपनी बेटी को यह बताने की कोशिश कर रहा था कि उसे जल्दी उठने की ज़रूरत है और मेरा मतलब है, मेरे दिन का सबसे अच्छा हिस्सा सुबह छह बजे से दोपहर के बीच का होता है, मैं पूरे दिन का काम तभी निपटाता हूँ।

इसलिए, मैं अपनी बेटी को प्रोत्साहित करने की कोशिश कर रहा हूँ। वह कॉलेज जा रही है और कोशिश कर रही है कि वह वास्तव में आगे बढ़े। तो मैं उससे कहता हूँ, "कीड़ा शुरूआती पक्षी को ही मिलता है।"

जल्दी उड़ने वाला पक्षी कीड़ा प्राप्त करता है। मैं वास्तव में उस पर विश्वास करता हूँ। तो, जल्दी उठें, अपना काम शुरू करें और सड़क पर निकल पड़ें।

ठीक है। वह वास्तव में एक चतुर चाबुक है। मेरे बच्चे मुझसे कहीं अधिक होशियार हैं। लेकिन फिर भी, मेरी बेटी बिना पलक झपकाए वापस आ गई। वह कहती है, "हाँ, पिताजी, सबसे पहले आने वाले पक्षी को कीड़ा मिलता है, लेकिन दूसरे चूहे को पनीर मिलता है।" "दूसरे चूहे को पनीर मिलता है।"

और इसलिए, हमारे बीच युद्ध या द्वंद्व जैसी कहावत थी और यह मजेदार था। यह एक पिता और उसकी बेटी के बीच की चंचल नोक-झोंक थी। और वैसे भी, छलांग लगाने से पहले देख लें।

यहाँ एक और कहावत है। छलांग लगाने से पहले देखो। तो छलांग लगाने से पहले देख लें।

और यहां थोड़ा झिझकने की ज़रूरत है क्योंकि आप छलांग लगाने जा रहे हैं और आप किसी चीज से छलांग लगा रहे हैं। इससे पहले कि आप उस ओर छलांग लगाएं जिसमें आप उतर रहे हैं, देख लें। ठीक है।

चट्टानों से पानी की खदानों और इस तरह की चीज़ों में कूदने के लिए उपयोग किया जाता है। और आप यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि जब आप 80 फुट की चट्टान और इस तरह की चीज़ों से कूदें तो नीचे पर्याप्त पानी हो ताकि आप उसमें फंस सकें। छलांग लगाने से पहले देखो।

लेकिन दूसरी कहावत है, "जो झिझकता है वह खो जाता है।" आप ढूँढने में बहुत अधिक समय लगाते हैं। आप झिझकते हैं। यह खो गया है। आपने अवसर खो दिया है। यदि पहली बार में आप सफल नहीं होते हैं, तो प्रयास करें, पुनः प्रयास करें।

"यदि आप पहली बार में सफल नहीं होते हैं," "यदि पहली बार में आप सफल नहीं होते हैं, तो प्रयास करें, पुनः प्रयास करें।" दूसरी कहावत है, "अपना सिर दीवार पर मत मारो।" आपको यह जानना होगा कि कब छोड़ना है। बस, "यदि पहली बार में आप सफल नहीं होते हैं, तो प्रयास करें, पुनः प्रयास करें।" अगली कहावत है, अपना सिर दीवार पर मत मारो। ठीक है। या "मरे हुए घोड़े को मत मारो।" ठीक है। आपको यह जानना होगा कि कब पीछे हटना है।

मेरा मतलब है, जब चीजें गलत हो रही हों और चीजें गलत होने वाली हों, तो आपको कहना होगा, मुझे यहां एक समस्या है और आपको दोबारा विश्लेषण करना होगा। और इसलिए, यदि आप ऐसा नहीं करते हैं, तो आप बस दीवार पर अपना सिर पीटते रहेंगे। और आज हमारे पास ऐसे बहुत से लोग हैं जो एक ही काम करते रहते हैं और बार-बार वही गलतियाँ करते रहते हैं।

ठीक है। यदि आप कभी नहीं, तो "आप सीखने के लिए कभी भी बूढ़े नहीं होंगे।" "आप सीखने के लिए कभी बूढ़े नहीं होते।" मुझे इससे प्यार है। "आप सीखने के लिए कभी बूढ़े नहीं होते।" दूसरी कहावत क्या है? "आप एक बूढ़े कुत्ते को नई तरकीबें नहीं सिखा सकते।" "आप सीखने के लिए कभी बूढ़े नहीं होते।" या यह है कि "आप एक बूढ़े कुत्ते को नई तरकीबें नहीं सिखा सकते।" क्या आप बूढ़ों को त्याग देते हैं या क्या आप, आप जानते हैं, उन्हें छुट्टी देते हैं?

"कई लोगों के लग जाने पर भारी काम भी हल्का हो जाता है।" "कई लोगों के लग जाने पर भारी काम भी हल्का हो जाता है।" मुझे वह अच्छा लगता है। "कई लोगों के लग जाने पर भारी काम भी हल्का हो जाता है।" खैर, दूसरी कहावत क्या कहती है? "रसोई में बहुत सारे रसोइये शोरबा को खराब कर देते हैं।" "रसोई में बहुत सारे रसोइये शोरबा को खराब कर देते हैं।" उफ़फ़. ढेर सारे। तो, आप समझ गए.

"बरसात वाले दिन के लिए बचाकर रखें।" "बरसात वाले दिन के लिए बचाकर रखें।" यह एक तरह की कहावत है. "बरसात वाले दिन के लिए बचत करें।" एक और कहावत दूसरी तरह आ रही है. "कल अपना ख्याल खुद रख लेगा।" लगभग बाइबिल जैसा लगता है. मैथ्यू 6 वह था? वैसे भी, "कल अपना ख्याल रखेगा।"

तो अब चलो सुमेर में कूदें। यहाँ कुछ सुमेरियन कहावतें हैं।

"गरीबों के मुँह से कोई कुछ नहीं छीन सकता।" सुमेरियन कहावतें लगभग 1800, 1900 ईसा पूर्व की हैं। यह इब्राहीम के साथ पुराने समय की तरह है। यह दाऊद और सुलैमान से लगभग एक हजार वर्ष पहले की बात है। इसलिए, "कोई भी गरीबों के मुँह से कुछ भी नहीं छीन सकता।" वहाँ कुछ भी नहीं है. ठीक है।

अगली कहावत कहती है, "गरीब आदमी इतना दीन होता है कि जो कुछ उसके मुँह से निकाला जाता है, वह वैसा ही हो जाता है।" और इसलिए यह दूसरे तरीके से वापस आता है और कहता है, ठीक है, एक मिनट रुकें, आप जानते हैं, और मुझे यकीन नहीं है कि मैं इन दो कहावतों को समझता हूँ, लेकिन वे स्पष्ट रूप से विरोधाभासी बातें हैं जो वहाँ कही जा रही हैं।

यहाँ नाइजीरिया से एक अरूबा कहावत है। ठीक है। और वे कानूनी संदर्भों और अन्य चीजों में अपने तर्कों को मजबूत करने के लिए यहां कहावतों का उपयोग करते हैं। इसमें लिखा है, "एक खाली बैरल सबसे तेज़ आवाज़ करता है।" "एक खाली बैरल सबसे तेज़ आवाज़ करता है।"

जिसमें कंटेंट होता है वो शोर नहीं मचाता। दूसरे शब्दों में, यदि आप एक बैरल में रेत भरते हैं और उसे लपेटते हैं, तो यह बिल्कुल भी अधिक शोर नहीं करता है। लेकिन आप वही बैरल लेते हैं, आप सारी रेत बाहर निकाल देते हैं और यह एक खाली बैरल होता है। आप इसे मारो, यह घण्टा बजाता है और इससे बड़ी ध्वनि उत्पन्न होती है। तो, "एक खाली बैरल सबसे तेज़ आवाज़ करता है।" "एक खाली बैरल सबसे तेज़ आवाज़ करता है," लेकिन जिसमें सामग्री होती है वह नहीं।

तो, यह जो कह रहा है वह यह है कि आप देखें कि यह एक व्यक्ति के संदर्भ में क्या कह रहा है कि कई बार सबसे ऊंचे मुंह वाले लोगों के दिमाग में कुछ भी नहीं होता है। लेकिन फिर भी, ठीक है।

क्षमा मांगना। इसके विपरीत यह है कि "यदि आप स्वयं की प्रशंसा नहीं करते हैं, तो कोई भी आपकी प्रशंसा नहीं करेगा।" तो, दूसरे शब्दों में, हाँ, यह एक खोखली बात है, लेकिन यदि आप स्वयं की प्रशंसा नहीं करेंगे, तो कोई भी नहीं करेगा।

और इसलिए वे दो कहावतें विभिन्न तरीकों से एक-दूसरे पर प्रहार करती हैं। यहाँ एक योद्धा पर एक और है। "एक योद्धा को पीठ पर घाव नहीं लगता।" "एक योद्धा को पीठ पर घाव नहीं लगता।" एक योद्धा हमेशा लड़ता रहता है। और इसलिए, वह अपने घावों को अपने सामने ले लेता है।

अगली कहावत आती है, "लड़ना और भागना बहादुरी की खूबसूरती है।" "लड़ना और भागना बहादुरी की खूबसूरती है।" दूसरे शब्दों में, आपको यह जानने के लिए पर्याप्त समझदार होना होगा कि आप लड़ाई हार रहे हैं। वहां से बाहर निकलो। ठीक है। और इसलिए, दूसरा कहता है कि उसकी पीठ में कोई घाव नहीं है, लेकिन आपको पता होना चाहिए कि कब बचना है।

और इसलिए, ये दो प्रकार की विपरीत कहावतें हैं। तो, ये हैं, पीटर हैटन की एक किताब जिसका उपयोग मैं इनमें से कुछ चीजों के लिए कर रहा हूँ। इसे नीतिवचन की पुस्तक में विरोधाभास: द डीप वाटर्स ऑफ काउंसिल, 2008 कहा जाता है। बहुत उत्कृष्ट, उत्कृष्ट पुस्तक। ये अंतर्विरोध खामियाँ नहीं हैं, बल्कि पाठकों में आलोचनात्मक क्षमताएँ जागृत करने की एक सूक्ष्म और गहन उपदेशात्मक रणनीति का हिस्सा हैं।

वे कुछ-कुछ भंवरो की तरह हैं। तुम्हें पता है एड़ी क्या है? पानी नीचे आता है, लेकिन फिर पानी नीचे आता है, लेकिन फिर एक भंवर आता है जो उसी तरह से चारों ओर चक्कर लगाता है। तो वास्तव में, भले ही पानी भंवर में इस तरह से जा रहा हो, पानी उसके और चीजों के विपरीत ऊपर चला जाता है।

तो पानी किस ओर बह रहा है? पानी इस ओर बह रहा है, लेकिन भंवर उसे दूसरी ओर ले जाता है। और इसलिए, हैटन यहां जो इंगित कर रहा है वह यह है कि महत्वपूर्ण संकाय, पानी के प्रमुख

प्रवाह को ध्यान में रखते हैं। हाँ, लेकिन वे उन भंवरो को भी देखते हैं जो विपरीत दिशा में तरंगित होते हैं।

हैटन लिखते हैं, “हमें पता चलेगा कि कहावतें अपने कथनों के प्रवाह में विरोधाभासों का परिचय देकर अपने पाठकों को ज्ञान के प्रति जागृत करने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करती हैं। यह न केवल संबंधित कहावतों को बल्कि उनके आसपास के संदर्भ और अन्य कहावतों को भी बदनाम करता है। पाठक दर्शकों को ज्ञान के उस रूप पर नए सिरे से ध्यान देने के लिए प्रेरित किया जाता है जिसकी परिचितता के कारण इसे खारिज किया जा सकता है।

दूसरे शब्दों में, इन कहावतों में, समय की बचत से समय की बचत होती है। अब आप इसके बारे में सोचते भी नहीं हैं। लेकिन होता यह है कि जब उनमें ये झड़पें होती हैं तो आप अचानक बारीकियों के बारे में सोचने लगते हैं।

इसका वास्तविक अर्थ क्या है? यह एक विचारणीय व्याख्या है। जब आप इस तरह से दोनों का टकराव करते हैं, तो यह एक विचारशील व्याख्या या एक विचारशील व्याख्या बनाता है कि आप हमारे नीतिवचन अध्याय 26 में क्या फिट बैठता है इसका मूल्यांकन करने के लिए वापस जाते हैं। समय महत्वपूर्ण है।

लोग, लोगों का चरित्र महत्वपूर्ण है। स्थिति, समाजशास्त्रीय और अलंकारिक, सभी महत्वपूर्ण हैं और इन्हें ध्यान में रखा जाना चाहिए। अतः एक ही कहावत में आंतरिक विपरीत वस्तुएँ।

तो यहाँ हैटन एक निश्चित कहावत के भीतर, एक कहावत के भीतर ही कुछ संघर्षों की ओर इशारा कर रहा है। नीतिवचन 13:24 यह कहता है, “जो अपनी लाठी रोकता है,” “वह जो अपनी छड़ी रोकता है, वह अपने पुत्र से बैर रखता है।” और आप कहते हैं, एक मिनट रुकें, एक मिनट रुकें, एक पिता जो छड़ी को रोकता है, ठीक है, हम अब छड़ी वाली बात नहीं करते हैं।

ठीक है। मुझे आश्चर्य है कि क्या हमें ऐसा करना चाहिए, लेकिन वैसे भी, “जो अपनी छड़ी रोकता है वह अपने बेटे से नफरत करता है, जो कोई उससे प्यार करता है, वह उसे जल्दी अनुशासित करता है।” तो, यह एक तरह से उलटा है।

आप जानते हैं, जो व्यक्ति दयालु प्रतीत होता है वह वास्तव में अपने बेटे से नफरत करता है। और जो उस से प्रेम रखता है, वह अपने बेटे को ताड़ना देने का ध्यान रखता है। अब यह बहुत सारे पालन-पोषण के विपरीत है जो मैं आज देखता हूँ जहाँ माता-पिता बच्चे को अनुशासित नहीं करते हैं और कहते हैं, अरे, मैं मज़ेदार व्यक्ति बनना चाहता हूँ और कोई अनुशासित नहीं करता हूँ।

और ठीक है, यह कहता है कि जो छड़ी रोकता है वह वास्तव में अपने बच्चे से नफरत करता है, लेकिन जो बच्चे को जल्दी अनुशासित करता है, वही वास्तव में उससे प्यार करता है। और इसलिए यह वास्तव में एक महत्वपूर्ण कहावत है, यह दूसरी तरह से चलती है। यहाँ एक और है।

अध्याय 27.6, नीतिवचन 27:6, “प्रेमी की मारें भी विश्वसनीय होती हैं।” तो, दूसरे शब्दों में, एक प्रेमी के प्रहार भरोसेमंद होते हैं, “लेकिन खतरनाक, नफरत करने वाले का दुलार।” दूसरे शब्दों

में, आपके पास एक ऐसा व्यक्ति है जो एक व्यक्ति से नफरत करता है, वे दुलार करते हैं और करीब आने के लिए हर तरह की, मार्मिक, भावनात्मक तरह की चीजों का इस्तेमाल करते हैं। ऐसा नहीं है, मैं सावधान रहूँगा। "भरोसेमंद होते हैं प्रेमी के वार।" दूसरे शब्दों में, यदि आपके पास कोई ऐसा मित्र है जो आपको बताता है कि यह कैसा है, तो उसमें पर्याप्त साहस है। और मुझे लगता है कि बहुत से लोगों को इस प्रकार के लोगों की आवश्यकता है। एक व्यक्ति जो पसंद करने में सक्षम है, और यह उन चीजों में से एक है जिसका मैं अपनी पत्नी के बारे में वास्तव में सम्मान करता हूँ, वह यह है कि जब मैं गड़बड़ करता हूँ तो वह मुझे बताती है। अब, निःसंदेह, वह हमेशा गलत होती है, लेकिन वह मुझे तब बताएगी जब मैं कुछ मूर्खतापूर्ण या कुछ ऐसा कर रहा हूँ जो गलत है, या गलत है। और फिर मुझे उसे तौलना होगा और मुझे अक्सर सही करना होगा क्योंकि वह आमतौर पर सही होती है।

ठीक है। उसे यह मत बताओ. लेकिन फिर भी, तो आपको यह करना ही होगा, कि जो भरोसेमंद है वह प्रेमी की मार है। और जो नफरत करता है उसका दुलार खतरनाक है।

यहाँ एक और है, नीतिवचन 31:4-7। लमूएल की माँ उससे बात कर रही है। लेमुएल राजा है और उसकी माँ उससे बात कर रही है और वह मूल रूप से कहता है, ठीक है, मैं इसे संक्षेप में बताता हूँ। वह कहती है, जब आप राजा हों, तो नशे में न रहें क्योंकि यदि आप राजा हैं और आप नशे में हैं, तो आप बड़ी क्षति कर सकते हैं क्योंकि आप अपने नशे में न्याय को नष्ट कर सकते हैं।

आप न्याय को नष्ट कर सकते हैं और आप राजा हैं। नशे में मत रहो. अपना न्याय और उस जैसी चीज़ें बनाए रखें।

हालाँकि, वह फिर दूसरे रास्ते से वापस आती है और कहती है, लेकिन शराब और मजबूत पेय गरीबों और जरूरतमंद लोगों के लिए हैं और जिनके जीवन में वास्तव में कठिन समय है। और वह कहती है कि ये वे लोग हैं जिन्हें शराब पीनी चाहिए। ठीक है। पलायन के रूप में. और इसलिए नीतिवचन के संदर्भ में यह वास्तव में एक दिलचस्प बात है।

नीतिवचन 25:15 धैर्य से हाकिम राजी होता है। एक नरम जीभ हड्डी तोड़ सकती है. ठीक है। क्या आपको वहाँ झड़प दिख रही है? "एक नरम जीभ हड्डी तोड़ सकती है।"

दूसरे शब्दों में, एक व्यक्ति जब राजा से बात करता है तो वह नम्र होता है, वास्तव में वह राजा को अपनी बात मनवा सकता है। और आज हमने अनुनय-विनय की कला एक तरह से खो दी है। हम, आप जानते हैं, लोगों को एक ही तरह से रूढ़िवादी बनाना चाहते हैं और उन्हें इस बॉक्स या इस बॉक्स में डाल देना चाहते हैं और वे सभी गलत हैं। और ये लोग बिलकुल ठीक हैं।

मैं इस ग्रुप के साथ हूँ. ये लोग हमारे दुश्मन हैं. उन्होंने कहा, नहीं, एक नरम, नरम जीभ हड्डी तोड़ सकती है। और इसलिए, यह एक सुंदर कहावत है. लेकिन फिर, आप संघर्ष देखते हैं, नरम जीभ एक कठोर हड्डी को तोड़ देती है।

और आप इसे एक पहेली के रूप में पूछ सकते हैं। ऐसी कौन सी चीज़ है जो मुलायम होती है फिर भी हड्डी तोड़ देती है? तो, आप कहावत ले सकते हैं और इसे एक पहेली में बदल सकते हैं।

वह कौन सी मुलायम चीज़ है जो हड्डी तोड़ देती है? जीभ। तो उस तरह की चीज़ भी उपलब्ध है। अहिकर ने 400 ईसा पूर्व में सिनाई के असीरियन दरबार में मूल रूप से अन्य कहावतों और ज्ञान में लिखा था।

“गुस्से पर क़ाबू रखने से इंसान सेनापति को नाराज़ कर देता है, नरम ज़बान हड्डी तोड़ देती है।” तो यहाँ हमारे पास है, एक अन्य संस्कृति में, एक असीरियन संस्कृति में, इज़राइल में नहीं, इज़राइल में यह नीतिवचन 25:15 में पाया गया है, एक नरम जीभ एक हड्डी को तोड़ सकती है। यहां आप 400 के दशक में हैं।

और अहिकर में मूल रूप से "एक नरम जीभ एक हड्डी को तोड़ सकती है" है, जो दिलचस्प है। कहावतें अंतरराष्ट्रीय हैं. कहावतें अंतर्राष्ट्रीय थीं।

सुलैमान की कहावतें, जहां वह मिस्र के लोगों से अधिक बुद्धिमान था। जाहिर है, वे जानते थे कि मिस्र के लोग बुद्धिमान थे। और इसलिए, वे तुलना करते हैं, संस्कृतियों और उनकी कहावतों की प्रकृति के बीच तुलनात्मक विरोधाभास है।

अब कहावतों में दोहराव का स्वरूप. डैनियल स्नेल नाम के एक व्यक्ति द्वारा लिखी गई एक अद्भुत पुस्तक है। डैनियल स्नेल की इस पुस्तक को ट्राइस-टोल्ड नीतिवचन और नीतिवचन की पुस्तक की संरचना कहा जाता है।

अद्भुत पुस्तक, प्रतिभाशाली व्यक्ति, इस चीज़ को बहुत पहले ही खोज लिया था और वास्तव में इन दो बार कही गई कहावतों या दोहराव के उपयोग के संदर्भ में कहने के लिए कुछ चीज़ें थीं। अब दिलचस्प बात यह है कि हमारे नीतिवचन अध्याय 26, 1 से 12 में तीन पुनरावृत्तियाँ हैं। और इसलिए, अध्याय 26:1 में, आपको यह मिल गया है, "जैसे गर्मी में बर्फ और फसल के दौरान बारिश होती है, वैसे ही सम्मान मूर्ख को शोभा नहीं देता।"

फिर छंद आठ तक नीचे कूदें। आठवें श्लोक में कहा गया है, जैसे गुलेल में पत्थर बांधना। मूर्ख को सम्मान देना भी ऐसा ही है। मूर्ख को सम्मान देना भी ऐसा ही है। उन दो वाक्यांशों को अध्याय 26:1 और 26:8 में दोहराया गया है।

यहाँ एक और है। "पंगुए के पांव लटकते हैं, और मूर्खों के मुँह से कहावत निकलती है। वह 26:7, 26:9 है, ध्यान दें कि वे बीच में एक श्लोक से अलग हो गए हैं। "शराबी के हाथ में काँटा चढ़ता है, और मूर्खों के मुँह में कहावत होती है," "मूर्खों के मुँह में कहावत होती है।" पुनः, एक पुनरावृत्ति, 26:7, 26:9, यह पुनरावृत्ति है।

और फिर निःसंदेह हमारी कविता, "मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर मत दो।" अगला श्लोक, "मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर दो।" पुनः, दोहराव, 26:4 और 5 में दोहराव। तो, वे तीन दोहराव दिलचस्प हैं, सभी में पैक किया गया है।

तो, दोहराव एक महत्वपूर्ण विशेषता बन जाता है और आमतौर पर, यह छोटे-छोटे बदलावों के साथ दोहराया जाता है। और इसलिए, आपको उन छोटी यात्राओं पर ध्यान देने में सावधानी बरतनी होगी। अब बात करते हैं एकजुटता की।

नीतिवचन 26:4 पद 5 से किस प्रकार संबंधित है? पहली आयत कहती है, मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर न देना। श्लोक छह क्या कहता है? मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर दो। तो, यह लगभग सटीक दोहराव है, "नहीं" शब्द को छोड़कर, "मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर न दें," "मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर दें।"

अगली कविता कहती है, "ऐसा न हो कि तुम स्वयं उसके समान बन जाओ।" दूसरे शब्दों में, किसी मूर्ख को उत्तर न देने के क्या परिणाम होते हैं? मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर न देना, ऐसा न हो कि तुम भी उसके समान बन जाओ। यही परिणाम है।

श्लोक पाँच कहता है, ऐसा न हो कि वह अपनी दृष्टि में बुद्धिमान हो। मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर दो, ऐसा न हो कि वह अपनी दृष्टि में बुद्धिमान ठहरे। तो, आप यहाँ उत्तर की पुनरावृत्ति देख सकते हैं, उत्तर न दें, उत्तर दें, मूर्ख, मूर्ख, उसकी मूर्खता के अनुसार, उसकी मूर्खता के अनुसार, ऐसा न हो, और फिर परिणाम, और फिर ऐसा न हो कि वह अपनी दृष्टि में बुद्धिमान हो, परिणाम और सामान।

तो, आपके पास एक कार्य है, उत्तर दें या न दें, और परिणाम। और पहिले का परिणाम तुम्हारे लिये है, कहीं ऐसा न हो कि तुम भी उसके समान बन जाओ। और दूसरे का परिणाम यह होता है कि वह अपनी दृष्टि में बुद्धिमान होगा।

और इसलिए, मूलतः एक अनिवार्यता है। अनिवार्यता एक आदेश प्रकार की चीज़ है। उत्तर दें या न दें, साथ ही एक वस्तु, मूर्ख, और फिर ढंग, "उसकी मूर्खता के अनुसार।"

और उसके बाद नकारात्मकता आती है, अपूर्णता, परिणाम के साथ, "ऐसा न हो कि तुम उसके जैसे हो जाओ" या "ऐसा न हो कि वह अपनी दृष्टि में बुद्धिमान हो।" वाल्ट्के को यहाँ कुछ संगति भी मिलती है, कि इस छंद के साथ-साथ इन छंदों में भी एक ठोस बात चल रही है। और इसलिए, यह एक सुंदर, बिल्कुल काव्यात्मक चीज़ है जो वहाँ चल रही है जो इसे वास्तव में सुंदर बनाती है।

अब मूर्ख, यह दिलचस्प है कि मूर्ख, आप कहते हैं, नीतिवचन से मूर्खों के बारे में सारी बातें करता है। और इसलिए, दो मूर्खतापूर्ण छंदों को एक-दूसरे के बगल में रखना, यह एक जोड़ी नहीं है। वह बिल्कुल यादृच्छिक है। यह बस अनायास ही घटित हो गया। हाँ। मूर्ख, यह कासिल टाइप मूर्ख, कई प्रकार के मूर्ख होते हैं।

डॉ. विल्सन, मार्व विल्सन अपनी पुस्तक, आवर फादर अब्राहम में, विभिन्न तीन या चार प्रकार के मूर्खों की रूपरेखा बताते हैं। यहाँ कासिल शब्द है, जो दृढ़ता से असली मूर्ख है। और कहावतों में इसका 48 बार प्रयोग हुआ है।

नीतिवचन 31 अध्याय, 49 बार है। तो यह प्रति अध्याय दो मूर्खों जैसी बात है। कुछ के पास इससे भी अधिक है।

लेकिन नीतिवचन अध्याय 26 में 49 बार में से 11 बार ध्यान दें, हमारे छंदों में 11 बार कासिल शब्द है, जो नीतिवचन अध्याय 26 श्लोक 1 से 12 में कासिल शब्द का 22% है। दूसरे शब्दों में, यह अध्याय यह मूर्ख अध्याय जैसी चीज़ है। यदि आप मूर्खों के बारे में सीखना चाहते हैं, तो नीतिवचन 26 कहीं जाना चाहिए।

कीउल्टो के अनुसार, कीउल्टो के अनुसार नीतिवचन की पूरी किताब में केवल दो बार आता है। तो, आप कहते हैं, ठीक है, केइउल्टो के अनुसार, यह नीतिवचन में कहीं भी हो सकता है। नहीं, अब, केइउल्टो के अनुसार नीतिवचन की पुस्तक में केवल दो बार होता है और वह अध्याय 26 श्लोक 4, और अध्याय 26 श्लोक 5 में है। आप मुझे यह नहीं बता सकते कि यह सिर्फ भाग्य है कि उन्हें एक के बाद एक रखा गया।

नहीं - नहीं। कीउल्टो के अनुसार, पूरी किताब में केवल दो बार, और उन्हें इस तरह एक के बाद एक रखा गया है। तो, इन चीजों को एक साथ खींचा जा रहा है।

उत्तर, शब्द उत्तर, अना, एक कम आवृत्ति वाला शब्द है। इसका प्रयोग नीतिवचन की पुस्तक में केवल आठ बार किया गया है। तो, 31 अध्यायों में आठ बार और अध्याय 26:4 और 5 पर ध्यान दें, उन दो छंदों, अना : किसी मूर्ख को उत्तर देना या किसी मूर्ख को उत्तर न देना, को एक के बाद एक रखा गया है।

वह शब्द "उत्तर" केवल आठ बार उपयोग किया गया है और उन आठ बार में से दो का उपयोग हमारे दो छंदों में एक के बाद एक किया गया है। "ऐसा न हो" या कलम की धारणा का प्रयोग 17 बार किया जाता है और अक्सर यह प्रारंभिक पंक्ति में और 10 बार दूसरी पंक्ति में होता है। लेकिन ध्यान दें तो हमारे दो, हम 17 गुना से भी कम पर हैं और उनमें से सात प्रारंभिक पंक्ति में हैं।

तो, वे समान नहीं हैं, लेकिन 10 ऐसे हैं जो समान हैं। तो, 10 बार पेन [ऐसा न हो] का उपयोग किया जाता है, लेकिन ध्यान दें कि इसका उपयोग हमारे यहां किया जाता है, पूरे 10 बार में से। तो, इसका उपयोग हर तीन अध्यायों में एक बार किया जाता है, हर तीन अध्यायों में एक बार, और फिर भी हमारा बैक-टू-बैक है, दूसरी पंक्ति में कहावत के लिए कहावत है, दोनों ऐसा न हो कि वह उसके जैसा हो या ऐसा न हो कि वह अपने आप में बुद्धिमान हो आँखें।

अब मैं अलग करना चाहता हूँ, आप कहते हैं, ठीक है, आपके पास नीतिवचन श्लोक चार और पांच हैं। मैं जो दिखाने की कोशिश कर रहा हूँ वह साहित्यिक सामंजस्य है कि ये चीजें एक साथ चलती हैं। जाहिर है, वे एक साथ चलते हैं।

आप जानते हैं, मैं एक तरह से मरे हुए घोड़े को पीटना चाहता हूँ। मेरा मतलब है, मैंने इसे ज़्यादा कर दिया है, लेकिन मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर न दें, मूर्ख को उसकी मूर्खता के

अनुसार उत्तर दें। जाहिर है, वे छंद एक साथ चलते हैं और मैंने सिर्फ यह साबित किया है कि उन दो छंदों के बीच प्रमुख साहित्यिक सामंजस्य है।

लेकिन अब यह चार और पांच है, क्या यह श्लोक तीन से अलग है? दूसरे शब्दों में, क्या यह एक युग्म है या यह एक त्रय है? क्या यह दूसरा श्लोक है जिसे हम नहीं जान सकते? ठीक है। यह रोचक है। श्लोक तीन, 26:3 कहता है, "घोड़े के लिए कोड़ा, गधे के लिए लगाम, और मूर्खों की पीठ के लिए छड़ी।"

अब यह किसी मूर्ख को उत्तर देने या न देने से बहुत अलग है। वे दोनों मूर्खों के बारे में हैं, लेकिन पूरा खंड मूर्खों के बारे में है। श्लोक 12, 1 से 12 मूर्खों के बारे में हैं, लेकिन यह बहुत अलग है।

"घोड़े के लिए चाबुक, गधे के लिए लगाम।" तुलना के प्रकार, रूपक और मूर्खों की पीठ पर छड़ी के प्रकार पर ध्यान दें। और इसलिए, यह कह रहा है, आप जानते हैं, चाबुक, घोड़ा, लगाम, यह इसके लिए है, यह इसके लिए है, और यह इसके लिए है।

और यह एक बहुत ही अलग संरचना है। जबकि "मूर्ख" उन सभी को एक साथ जोड़ता है, विषय एक मूर्ख को अनुशासित करना है और 26.3 एक मूर्ख को अनुशासित करना है, मूर्ख के साथ उत्तर देना या तर्क करना नहीं है जैसा कि अध्याय 26.4 और 5 में है। इसलिए यह भी ध्यान दें कि नीतिवचन 20, 26.3 में, हमारे छंदों से पहले का श्लोक यह है, और मूर्खों की पीठ के लिए छड़ी, बहुवचन, हमारे यहां अध्याय 26.3 में इसका बहुवचन किया गया है, मूर्ख को उत्तर न दें, एकवचन। और इसलिए, वहाँ एक भेद है, लेकिन कोई मूर्खों के बारे में बात कर रहा है, बहुवचन।

हमारे दो श्लोक एकवचन और वस्तु दोनों हैं। एक अत्यधिक रूपक है, घोड़े के लिए चाबुक, गधे के लिए लगाम। और इसलिए, आपको उस तरह की चीजें मिलती रहती हैं।

तो, यह भी ध्यान दें कि 26.3 एक तिरंगा है, घोड़े के लिए एक चाबुक है, गधे के लिए एक लगाम है, और मूर्खों की पीठ के लिए एक छड़ी है। वह तीन पंक्तियाँ, तीन काव्यात्मक पंक्तियाँ हैं। कविता में पंक्तियाँ वास्तव में महत्वपूर्ण हैं।

ठीक है। मैं उस पर बोलना नहीं चाहता, लेकिन कभी-कभी जब आप कविता को देखते हैं, यहां तक कि जब आप इसे अंग्रेजी में देखते हैं, तो आप पुराने नियम में कविता कैसे बताते हैं? क्योंकि यह लाइन दर लाइन बनाया गया है। जबकि जब आप किसी ऐतिहासिक कथा में उतरते हैं, तो मार्जिन कम हो जाता है, और आपको पूरे पैराग्राफ मिलते हैं। ऐतिहासिक आख्यान अनुच्छेद, अनुच्छेद, अनुच्छेद हैं। कविता में, यह एक पंक्ति है, यह एक पंक्ति है, यह एक पंक्ति है। और इसलिए, कविता में हाशिये पर हर समय टेढ़ी-मेढ़ी रेखाएँ होती हैं। अंग्रेजी में, यह इस तरह से होता है।

तो, मैं बस इतना ही कहना चाह रहा हूँ कि एक त्रिकोण है, तीन पंक्तियाँ हैं। और हमारी नीतिवचनों के अनुसार हमारी सूची के अनुसार उत्तर देना, कि वह अपनी दृष्टि में बुद्धिमान हो। उन दोनों में दो लाइनें हैं। और वहाँ एक त्रिकोण है, 26:3 में तीन पंक्तियाँ हैं।

अब, तो श्लोक चार और पाँच, 26:4 और 5 श्लोक 3 के साथ नहीं जाते। वहाँ एक अलगाव है। वे बिल्कुल अलग-अलग छंद हैं जो अलग-अलग बातें कह रहे हैं।

अब, उस श्लोक के बारे में क्या जो 4 और 5 के बाद 6 आता है। श्लोक 6 इस प्रकार है, "जैसे किसी के पैर काटना या हिंसा पीना मूर्खों के हाथ से एक संदेश भेजना है।" ध्यान दें कि यह एक उपमा है, "जैसे किसी के पैर काटना या हिंसा पीना मूर्ख के हाथ से संदेश भेजना है।" यह एक उपमा का उपयोग कर रहा है। खैर, "मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर दो, कहीं ऐसा न हो कि वह बुद्धिमान हो जाए" में कोई उपमा नहीं है। वहाँ कोई उपमा या उस जैसी चीजें नहीं हैं। तो, यह काफी अलग है। और वैसे, 6 बैक अप की तुलना में 7 और 8 के साथ नीचे की ओर अधिक जुड़ता है। ठीक है।

यहां किसी कार्य को पूरा करने के लिए मूर्खों का उपयोग करने, उनके साथ तर्क करने की कोशिश न करने की चेतावनी दी गई है। तो, श्लोक छह कहता है कि आपको उस कार्य को पूरा करने के लिए किसी मूर्ख का उपयोग नहीं करना चाहिए जो जाकर पूरा नहीं हो सकता। ठीक है।

लेकिन तर्क द्वारा उसे सही करने की कोशिश करना चार और पांच से अधिक है और मूर्ख को उत्तर देना या मूर्ख को उत्तर न देना है। तो, 26:6 में मूर्ख को अंतिम स्थान पर रखा गया है, पहले कोलन में नहीं, इसके विपरीत "मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर न दें" और "मूर्ख को उत्तर दें।" वे दोनों पहली पंक्ति में हैं, दूसरी पंक्ति में नहीं। और इसमें 26.6 में, अगली कविता में, मूर्ख दूसरी पंक्ति में आता है, पहली में नहीं। तो मुझे लगता है कि ये अंतर ही महत्वपूर्ण हैं।

तो मूलतः अध्याय 26:1-12 श्लोक 2 ही एकमात्र अपवाद है, जो मूर्ख को संबोधित करता है। और इसलिए, यह 26:4 और 5 है तो निश्चित रूप से एक ऐसी इकाई है जो अपने आप में सामने आती है, न कि श्लोक छह और उसके बाद के श्लोक के साथ और न ही उसके पहले के श्लोक तीन के साथ। यह एक जोड़ी है।

दूसरे शब्दों में, यह एक जोड़ा है, यह विशिष्ट रूप से एक साथ बंधा हुआ है और एक जोड़ा है। अब इन दोनों को एक साथ रखने और कहावतों को एक के बाद एक मजबूती से जोड़ने का क्या मतलब है? कभी-कभी जोखिम उठाना, व्यक्तिगत जोखिम उठाना, किसी मूर्ख को नीचे की ओर बढ़ने से रोकना, उसकी अपनी नज़र में बुद्धिमान होना सार्थक हो सकता है।

मूर्ख होने से बुरा क्या है? मूर्ख होने से भी बुरा है अपनी नजरों में बुद्धिमान होना। अहंकार, अभिमान, जिससे कोई बच नहीं सकता।

छुटकारे से बच निकलना संभव है और मैं इसे समझता हूँ, लेकिन यह मूर्ख होने, अपनी नजरों में बुद्धिमान होने से भी बदतर है। और यदि आप उस मूर्ख को उसकी नज़रों में बुद्धिमान बनने से रोक सकते हैं, तो यह कुछ व्यक्तिगत जोखिम लेने के लायक हो सकता है, लेकिन आप जानते हैं, आपको इसके लिए सावधान रहना होगा क्योंकि आपको नुकसान हो सकता है। उच्च-क्रम का तर्क दो नीतिवचनों के बीच स्पष्ट विरोधाभास द्वारा प्राप्त किया जाता है।

किसी व्यक्ति को मूर्ख को कब और क्यों उत्तर देना चाहिए? कब और क्यों? आपके पास एक कहावत है कि मूर्ख को जवाब मत दो। दूसरा कहता है मूर्ख उत्तर दो। ऐसा कब और क्यों होना चाहिए? और फिर, हमने कहा कि इस संघर्ष के कारण नीतिवचन की पुस्तक पर सवाल उठाया गया, कि क्या इसे कैनन में भी होना चाहिए।

अब मेरे लिए क्या दिलचस्प है, और यह एक अतिरिक्त बिंदु हो सकता है, मुझे खेद है कि यह इतना छोटा और सामान है, लेकिन मुझे इसे जल्दी से करने दीजिए। ग्रीक संस्करण, सेप्टुआजेंट या सेप्टुआजेंट, लगभग 250 ईसा पूर्व से 100 ईसा पूर्व किया गया था। मूल रूप से, यहूदियों ने ग्रीक बोलना शुरू कर दिया और 333 ईसा पूर्व में सिकंदर ने सत्ता संभाली।

सिकंदर महान या अंगूर आता है, हर चीज को ग्रीक, हेलेनिस्टिक और इस तरह की चीजों में बदल देता है। तो, यहूदी ग्रीक भाषा बोलने लगते हैं। और इसलिए, नया नियम ग्रीक में लिखा जाएगा, न कि हिब्रू में, मुख्य रूप से सिकंदर ने जो किया, वगैरह-वगैरह के कारण।

ठीक है। और उनके पास, यहूदियों के पास कोई बाइबिल नहीं थी, उनके पास हिब्रू और अरामी भाषा में एक बाइबिल थी, लेकिन उनके पास ग्रीक में एक भी बाइबिल नहीं थी। तो, हुआ यह कि कुछ अलेक्जेंडरियन यहूदी एकत्र हुए और बोले, अरे, हमें अपने हिब्रू ओल्ड टेस्टामेंट मैसोरेटिक पाठ का अनुवाद करने की आवश्यकता है।

ठीक है। सभी प्रकार के संघर्ष हैं, लेकिन यह हमारा हिब्रू पाठ था, सेप्टुआजेंट पाठ में, ग्रीक में। तो, हमने हिब्रू का अनुवाद किया, हमने इसका ग्रीक में अनुवाद किया और उन्होंने इसे तब सेप्टुआजेंट कहा।

सेप्टुआजेंट मूल रूप से यीशु और पॉल और उस जैसी चीजों के समय की बाइबिल थी। और ग्रीक बाइबिल की बातें और ऐसी ही चीजें। तो क्या हुआ जब अलेक्जेंड्रिया में शास्त्रियों ने नीतिवचन की पुस्तक का अनुवाद किया, आप जो देखना शुरू करते हैं वह यह है कि जब भी वे इन नीतिवचनों में आए जो विरोधाभासी थे, तो उन्होंने अपने अनुवाद में झटका को नरम कर दिया।

तो, ये लोग, लगभग 250 ईसा पूर्व से 100 ईसा पूर्व, वे बाइबिल का हिब्रू और अरामी से ग्रीक में अनुवाद कर रहे हैं। और जब वे ऐसा करते हैं, तो वे विरोधाभासों को नरम कर देते हैं। आप बस अरस्तू, शास्त्रीय यूनानी विरोधाभास और बाइबिल की दीवानगी, इस तरह की चीजें देख सकते हैं।

इसलिए, उन्होंने उन्हें ग्रीक में नरम कर दिया। तो अलग-अलग दृष्टिकोण। और मैं जो करना चाहता हूँ वह बस रिश्त पर कुछ लेना है और आपको सेप्टुआजेंट में दिखाना है और कैसे उन्होंने रिश्त और इस चीज़ को नरम कर दिया है।

इसलिए, नीतिवचन 17:23 यह कहता है, दुष्ट न्याय के मार्ग को बिगाड़ने के लिये गुप्त रूप से रिश्त लेते हैं। रिश्त अच्छी नहीं है। जजों को रिश्त नहीं लेनी चाहिए।

मुझे अभी भी याद है जब मैंने इंडियाना की मिशिगन सिटी जेल में, वहां की सबसे अधिक सुरक्षा वाली जेल में, लगभग 10 वर्षों तक पढ़ाया था। और एक दिन मैंने जेल में बंद लोगों से कहा, यह अधिकतम सुरक्षा है। उनमें से बहुत से लोग अपने जीवन के लिए वहां मौजूद हैं।

और मैंने कहा, ओह, ठीक है, अमेरिका में यह अच्छा है कि हमारे न्यायाधीश रिश्तत स्वीकार नहीं करते हैं। और कक्षा के लोग सचमुच मुझ पर हँसे। उन्होंने कहा, एल्डर ब्रांट, आपको कोई सुराग नहीं मिला।

और ये लोग दुनिया में अधिक अनुभवी थे। और मुझे लगता है कि वे कई मायनों में सही थे। लेकिन वैसे भी, रिश्तत अच्छी नहीं है।

न्याय और रिश्तत को अलग-अलग माना जाता है। यदि आप व्यवस्थाविवरण में वापस जाते हैं, तो यह स्पष्ट रूप से कहता है कि एक बात जो न्यायाधीशों को नहीं करनी चाहिए वह है रिश्तत। इसलिए, दुष्ट न्याय के मार्गों को बिगाड़ने के लिए गुप्त रूप से रिश्तत लेते हैं।

हिब्रू पाठ में नीतिवचन 21.14 कहता है कि गुप्त दान क्रोध को टालता है और छुपी हुई रिश्तत, प्रबल क्रोध को टालती है। दूसरे शब्दों में, यदि आप क्रोध और दृढ़ता से बचना चाहते हैं, तो कोई वास्तव में आप पर क्रोधित हो रहा है, एक उपहार, या रिश्तत इसे आसान बना सकती है। लेकिन फिर आपके सामने यह समस्या आ गई है कि आप रिश्तत का क्या करें? तो, ग्रीक सेप्टुआजेंट में जो होता है, वह एक गुप्त उपहार है, जिसका अर्थ उदारता है।

इसलिए इस शब्द का उपयोग रिश्तत कहने के लिए करने के बजाय, उदारता के संदर्भ में उपहार कहने के लिए किया जाता है। गुप्त उदारता क्रोध को दूर कर देती है और जो दान देना बंद कर देता है, वह तीव्र क्रोध भड़काता है। इसका पूरा मुद्दा यह है कि मैं यह सब नहीं झेलना चाहता।

मुझे लगता है कि यह बहुत लंबा होने वाला है। हम पहले ही बहुत आगे बढ़ चुके हैं। जब वे इस बात पर पहुंचे कि रिश्तत अच्छी है या बुरी? खैर, कुछ संदर्भों में वे न्याय को विकृत करते हैं और यह बुरा है।

लेकिन फिर अन्य अनुच्छेद कहते हैं कि रिश्तत या उपहार वास्तव में चीजों को सुचारू कर सकता है। हथेली को एक प्रकार से चिकना कर लेना उचित है। आपको जेरिको में साइट पर जाना है और वह व्यक्ति आपके सभी कैमरे देखता है और वास्तव में वह आपको ऐसा करते हुए वहां जाने नहीं देगा।

तो, आपका मित्र उसे 10 रुपये देता है और अचानक, आप साइट पर आ जाते हैं और इसी तरह की चीजें। खैर, इसने बहुत अच्छा काम किया। न्याय को विकृत नहीं किया।

खैर, मुझे नहीं पता कि इसने क्या किया, लेकिन फिर भी, हम वहां बड़े पैमाने पर इसलिए पहुंचे क्योंकि हमने उस आदमी की हथेली पर तेल लगा दिया था। तो, आपको यह जानना होगा कि सौदा क्या है। और इसलिए, सेप्टुआजेंट, यह दिलचस्प है, सेप्टुआजेंट ने रिश्तत के संदर्भ में इन संघर्षों को महसूस किया और उन्होंने झटके और चीजों को नरम कर दिया।

हम यह देखने जा रहे हैं कि उन्होंने नीतिवचन अध्याय 26:4 और 5 के साथ भी ऐसा ही किया। हैटन ने हिब्रू और ग्रीक सेप्टुआजेंट के बीच मतभेदों की जांच करने के बाद निष्कर्ष निकाला, "मेरा तर्क है कि नीतिवचन का ग्रीक संस्करण विरोधाभासी प्रकृति के प्रति संवेदनशील है।" हिब्रू पाठ और बार-बार इसका इस तरह से अनुवाद करना कि विरोधाभासों को दूर किया जा सके, अन्य धर्मग्रंथों में समान जटिलताओं की पहचान करने में एक मूल्यवान व्याख्यात्मक उपकरण हो सकता है। दूसरे शब्दों में, जब उन्होंने ऐसा किया, तो उन्होंने इन संघर्षों को देखा, और उन्होंने पुस्तक में जटिल संवादों पर ध्यान देकर, समय से पहले निष्कर्ष पर पहुंचने से इनकार करके, संवेदनशीलता से पढ़कर और विरोधाभासों को एक साथ रखकर इसे सुलझा लिया।

और इसलिए, हैटन जो कह रहा है वह यह है कि उन्हें शांत करने का प्रयास न करें। सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास न करें. उन्हें मजबूर करके, उन्हें सुलझाकर और सामंजस्य बिठाकर, आप हर एक की अपने हिसाब से व्याख्या करने और उन्हें तनाव महसूस करने देने के मुद्दे को चूक रहे हैं कि आपको वास्तव में जो हो रहा है उसकी बारीकियों को समझने की ज़रूरत है। विरोधाभासों को एक साथ रखकर, उन्हें दूर करने की कोशिश करने के बजाय, पाठक उन लोगों में से एक बन सकता है जो एक जटिल दुनिया में समझदारी से, जिम्मेदारी से प्रतिक्रिया करने में सक्षम हैं। ख़ूब कहा है।

अब यहाँ कुछ समाधान हैं. वान हर्डेन नाम का एक व्यक्ति है जिसने नीतिवचन 26:4आर और 5 में विरोधाभास के व्याख्याकारों द्वारा लागू की गई रणनीतियों पर एक लेख लिखा है। और मुझे यह पता चला और वह इनमें से कुछ लौकिक लोगों का उपयोग करता है, लोगों का नहीं, यह बाइबिल के बाहर है .

वे कहावतें, अंतर्राष्ट्रीय कहावतें पढ़ते हैं। मीडर एक था, नॉरिस दूसरा है। और वह कहते हैं, जब आपके पास नीतिवचन होते हैं तो मूल रूप से तीन तरीके होते हैं जो एक-दूसरे का खंडन करते हैं।

छलांग लगाने से पहले देख लें, जो झिझकता है वह खो जाता है। अनुपस्थिति हृदय को और अधिक प्रिय बना देती है या दृष्टि से ओझल कर देती है, दिमाग से ओझल कर देती है। उनका कहना है कि ये कहावतें एक-दूसरे से टकराती हैं, लोग इसे कैसे हल करते हैं, वे नंबर एक का उपयोग करते हैं: संदर्भ के अलग-अलग फ्रेम।

वे संदर्भ के अलग-अलग फ्रेम, अलग-अलग स्थितियों को अलग करते हैं। तो, आप कहते हैं, ठीक है, रुको, एक एक स्थिति के लिए है, दूसरा दूसरी स्थिति के लिए है। और फिर आप वर्णन करें कि कौन सी स्थिति किस कहावत के लिए काम करती है। तो संदर्भ के फ्रेम को अलग करना।

औसत: कभी-कभी इन टकरावों के लिए दो के औसत, दो कहावतों के औसत की आवश्यकता होती है। इसलिए, उदाहरण के लिए, वह जाग रही है और नहीं भी। वह जाग रही है और नहीं भी। यह एक विरोधाभास की तरह है. वह जाग रही है और नहीं भी।

तो, आप क्या करते हैं कि आप दोनों को एक साथ औसत करते हैं ताकि यह पता चल सके कि क्या हो रहा है कि वह जाग रही है, लेकिन वह नहीं है। दूसरे शब्दों में, वह अभी उठ रही है। और इसलिए, वह जागने की प्रक्रिया में है, वह बीच में है।

और इसलिए, आप दो कहावतें लेते हैं जो एक-दूसरे का खंडन करती हैं और आप उस मध्य-मध्य प्रकार की चीज़ के लिए जाते हैं। और आप कहते हैं कि वे दोनों हैं, वे दोनों एक साथ मिल गये जैसे वह अभी जाग रही हो। ठीक है।

विरोधों का औसतीकरण, विरोधों का औसतीकरण और उन्हें एक साथ लाना।

इस समस्या को हल करने का दूसरा तरीका. तो, एक तरीका संदर्भ के फ्रेम या स्थितियों को अलग करना है। एक दो का एक साथ औसत है और उन्हें इस तरह से संयोजित करना है।

संशोधित करना: दूसरा एक पद को संशोधित कर रहा है। तो, आप शब्द लेते हैं और इसे फिर से परिभाषित करते हैं। इसलिए, उदाहरण के लिए, "हर किसी का मित्र किसी का मित्र नहीं होता।" "हर किसी का मित्र किसी का मित्र नहीं होता।" और उसका क्या मतलब है? एक दोस्त, दोस्त का प्रयोग दो अलग-अलग तरीकों से किया जा रहा है।

और इसलिए, जो होता है वह विरोधाभास जैसा दिखता है, लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं है। जो हर किसी का मित्र होता है, वह किसी का भी मित्र नहीं होता। वहां फ्रेंड का इस्तेमाल अलग तरीके से किया जा रहा है। पहले कार्यकाल में, हर किसी के लिए एक दोस्त एक सही दोस्त की तरह होता है। वह जाता है और जानता है कि कैसे झगड़ना, झगड़ना और इधर-उधर घूमना है।

वह हर किसी का दोस्त है और ऐसी ही चीज़ें हैं। लेकिन वहाँ बहुत अलग है. मित्र का मतलब एक प्रकार का हमेशा के लिए सबसे अच्छा दोस्त होना है, जहां व्यक्ति वास्तव में करीब होता है। तुम सच में बहुत करीबी दोस्त हो. और एक ऐसा दोस्त जिसकी हर किसी से दोस्ती होती है। जो हर किसी का मित्र होता है, वह किसी का भी मित्र नहीं होता। यह करीब नहीं था. यह करीबी नहीं है - एक सच्चा दोस्त।

तो, आपके पास एक मित्र का दो अलग-अलग तरीकों से उपयोग किया जा रहा है। और इसलिए, शब्दों का उपयोग कैसे किया जाता है और चीज़ों को संशोधित करना। और फिर आखिरी बात जो वह बताते हैं वह है यह दुष्चक्र।

एक दुष्चक्र. आपको दो कहावतों के बीच टकराव देखने को मिलता है और यह एक दुष्चक्र बनाता है। इसलिए, उदाहरण के लिए, "कुछ भी निश्चित नहीं है, लेकिन अनिश्चितता है।" "कुछ भी निश्चित नहीं है, लेकिन अनिश्चितता है।" और इसलिए, आप देखते हैं कि यह लगभग अपने आप में विरोधाभासी है। "कुछ भी निश्चित नहीं है, लेकिन अनिश्चितता है।"

और यह क्या करता है यह एक दुष्चक्र बनाता है। आप क्या जानते हैं, आप क्या जानते हैं, कुछ भी निश्चित नहीं है, सिवाय अनिश्चितता के, लेकिन फिर अनिश्चितता निश्चित है। तो इसलिए, और यह इस प्रकार का चक्र बनाता है, आप जानते हैं, क्या भगवान एक चट्टान को इतना बड़ा बना

सकता है कि वह उसे उठा न सके? तुम्हें पता है, अगर जंगल में कोई पेड़ गिरता है, तो कोई नहीं सुनता।

क्या इससे आवाज आती है? ठीक है। इस प्रकार की चीज़ें जो इस दुष्चक्र का निर्माण करती हैं। और वह जो कहता है उसका उपयोग एक सशक्त कार्य के लिए किया जाता है।

ठीक है। कुछ भी निश्चित नहीं है, लेकिन अनिश्चितता, टकराव के कारण, किसी बात पर जोर देने और जोर देने का एक दुष्चक्र है। तो वो चार तरीके हैं।

और अब आइए, उदाहरण के लिए, इन छह वर्षों के संदर्भों को लें, और मैं आगे माइकल फॉक्स की एक पुस्तक का उपयोग करना चाहता हूँ, जिसने शायद अब तक लिखी गई कहावतों पर सबसे अच्छी टिप्पणियों में से एक लिखी है, दो खंड माइकल फॉक्स। उत्कृष्ट। विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय।

वह एक उत्कृष्ट, उत्कृष्ट विद्वान हैं। वह वापस गया और बोला, रब्बी इस समस्या को इस प्रकार हल करते थे। वे कहते हैं, मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर न दो, ऐसा न हो कि तुम भी उसके समान बन जाओ। मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर दो, ऐसा न हो कि वह अपनी दृष्टि में बुद्धिमान ठहरे। वे कहते हैं, तौरात के मामले में जवाब न दो, बल्कि साधारण मामलों में ही जवाब दो। तो, वे इसे इस तरह से लेते हैं, दो अलग-अलग स्थितियाँ।

वे कहते हैं, अगर यह टोरा के बारे में है, तो टोरा के बारे में इस तरह बहस न करें। लेकिन अगर यह सामान्य मामलों के बारे में है, तो आप इस तरह बहस कर सकते हैं।

वह कुछ रब्बियों से है। और अब उन्होंने एक और तरीका अपनाया है, सादिया, वह यह है कि सांसारिक मामलों में जवाब न दें, बल्कि केवल धार्मिक मामलों में जवाब दें। तो, यह आदमी इसे लेता है और इसे पलट देता है। वह कहते हैं, सांसारिक मामलों में नहीं बल्कि धार्मिक मामलों में ही जवाब दो। शब्द 30, खंड बी में कहा गया है, मूर्ख को टोरा में उत्तर दें, लेकिन सांसारिक उत्तर में, उत्तर न दें। यह आदमी कहता है, सांसारिक बातों में उत्तर दो, धार्मिक बातों में तो उत्तर दो। फालतू बातों में जवाब न दें। तो, वह वहाँ आदेश को उलट देता है।

और तुम कहते हो, ऐ, ऐ, ऐ, ओय वे। जब दर्शक आपको और मूर्ख दोनों को जानते हों तो उत्तर न दें। यह मिड्रैश और नीतिवचन से आता है। जब दर्शक आपको और मूर्ख दोनों को जानते हों तो उत्तर न दें। जब आप दोनों में से कोई भी ज्ञात न हो तो उत्तर दें। ठीक है। तो, दूसरे शब्दों में, आप नुकसान से नहीं बच सकते क्योंकि वे आपको नहीं जानते हैं।

और इसलिए, फिर आप उत्तर दे सकते हैं और वहाँ मिड्रैश, कहावतें भर सकते हैं। यदि उत्तर देने से आपको मूर्ख के समान स्तर पर खड़ा कर दिया जाए तो उत्तर न दें। जब मूर्ख एक बुद्धिमान व्यक्ति के समान स्थिति का दावा कर रहा हो तो जवाब दो।

फॉक्स का कहना है कि ये सभी सुझाव टोरा और सांसारिक, सांसारिक और टोरा के साथ विभिन्न क्षेत्रों को अलग करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे सभी मनमाने हैं और वे पाठ से नहीं निकले हैं। वे सभी मनमाने हैं और पाठ से प्राप्त नहीं हुए हैं।

और मुझे लगता है कि वह शायद वहां कुछ कर रहा है। संदर्भ के क्षेत्रों को अलग करना. मुझे सेडेल को पढ़ने दीजिए जो इन पारेमियोलॉजिस्टों में से एक हैं जो नीतिवचन का अध्ययन करते हैं और पारेमियोलॉजी प्रकार के अध्ययन में एक संपूर्ण अनुशासन है।

उनका तर्क है कि कहावत का अर्थ कहावत के उपयोग के सामाजिक संदर्भ पर निर्भर करता है। कहावत का प्रयोग. नीतिवचन और उपयोगकर्ता तथा अभिभाषक के बीच संबंध निर्धारित करने वाले कारक प्लस लौकिक स्थिति की समझ, नीतिवचन के हिस्सों के बीच संबंध और सामाजिक स्थिति की समझ, नीतिवचन प्लस की सामाजिक स्थिति के हिस्सों के बीच संबंध कहावत की स्थिति और सामाजिक स्थिति के बीच सादृश्य का आकलन, उपयोगकर्ता द्वारा लागू की गई अलंकारिक रणनीति का उल्लेख नहीं करना।

फॉक्स फिर नीतिवचन 26:5, 4 और 5 को देखता है और कहता है कि 26:5 अंतिम शब्द है। तो, फॉक्स विशेषाधिकार, यह कहता है, किसी मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार जवाब न दें, अन्यथा आप उसके जैसे नहीं होंगे। मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर दो, ऐसा न हो कि वह अपनी दृष्टि में बुद्धिमान ठहरे। फॉक्स का कहना है कि अंतिम शब्द श्लोक पाँच में दिया गया है। इसलिए, वह श्लोक पाँच को विशेषाधिकार देता है। वह कहते हैं, हाँ, श्लोक चार, हाँ, लेकिन श्लोक पाँच विशेषाधिकार प्राप्त है, बहुमत की सलाह है। और पूर्ववर्ती श्लोक अल्पमत है।

दिलचस्प बात यह है कि वान लीउवेन ने इसे उलट दिया और कहा, श्लोक चार बहुमत है। उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर मत दो। वही बहुमत है. तुम्हें अधिकतर समय यही करना चाहिए। लेकिन अगर कुछ दुर्लभ मामलों में, आप उसे अपनी नज़रों में बुद्धिमान होते हुए देखें, तो अल्पसंख्यक रिपोर्ट करें।

तो, फॉक्स और वान लीउवेन एक अलग विचार रखते हैं। फॉक्स पांचवीं कविता पर जोर देता है और वान लीउवेन चौथी कविता पर और उन्हें विशेषाधिकार देता है। वाल्टके ने विशेषाधिकार दृष्टिकोण को अस्वीकार करते हुए कहा कि दोनों हमेशा सत्य हैं।

निश्चित रूप से, चुप रहने का भी एक समय होता है और बोलने का भी एक समय होता है। सभोपदेशक 4 और 5, क्षमा करें। लेकिन किसी को हमेशा, न केवल कुछ स्थितियों में, मूर्ख को अस्थिर करने के लिए जवाब देना चाहिए, बल्कि हमेशा, कभी-कभी नहीं, उसके जैसा बने बिना।

तो वाल्टके उन दोनों को पाने की कोशिश करते हैं और उन दोनों की सच्चाई की पुष्टि करते हैं और कहावत रखते हैं, मूर्ख को जवाब देने का एक समय होता है और न देने का भी समय होता है, और वहां कुछ अच्छा अर्थ निकाला जाता है।

यह श्लोक चार की तरह नहीं लगता है, फोकस इस पर है, जिस तरह से मैं इसे सर्वनाम के अनुसार देखूंगा। और मैं व्याकरण पर वापस जा रहा हूँ। पहिला कहता है, मूर्ख को उसकी

मूर्खता के अनुसार उत्तर न देना, ऐसा न हो कि तू भी उसके समान हो जाए। तो, ऐसा लगता है कि पहला उस नुकसान पर ध्यान केंद्रित कर रहा है जो इससे आपको होता है। तो, मैं कहना चाहता हूँ कि खुद को नुकसान पहुंचाना, अगर स्थिति में यही चिंता का विषय है, और आप देखते हैं कि आपको नुकसान होने वाला है, तो आपको इसे ध्यान में रखना होगा।

दूसरी आयत कहती है, "मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर दो, ऐसा न हो कि वह अपनी दृष्टि में बुद्धिमान ठहरे।" तो, दूसरा मूर्ख पर अधिक निर्देशित है। और यदि आप मूर्ख के बारे में अधिक चिंतित हैं, वह अपनी नजरों में बुद्धिमान बन रहा है, तो आपको उसे उसकी जगह पर रखने की जरूरत है। आपको उसका उत्तर देना होगा। ठीक है। तो, एक तो यह कि यदि आप अपने ऊपर हुए नुकसान को देख रहे हैं, तो उत्तर न दें। यदि उत्तर में आप देखते हैं कि आप उसकी मदद करने का प्रयास कर रहे हैं, तो मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर दें। और यह "आप" और "वह" तथा दूसरी पंक्ति के सर्वनामों पर आधारित है। मुझे स्वयं यह कुछ-कुछ पसंद है।

मैं इसी रास्ते पर जाऊंगा। अब यह मेन्ज़ी, ठीक है, नियम है, लेकिन यदि कोई मूर्ख आपको श्लोक पाँच में परेशान करना जारी रखता है, तो प्रतिक्रिया आवश्यक है। तो, वह कहता है, हाँ, किसी मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर मत दो। परन्तु यदि वह तुम्हें सताए, और तुम्हें सताए, और तुम्हें सताए, तो उसे उत्तर दो, ऐसा न हो कि वह अपनी दृष्टि में बुद्धिमान ठहरे। अब, दूसरा तरीका विपरीतताओं का औसत निकालना है। तो, पहला कहता है कि मूल रूप से कुछ स्थितियों में ऐसे निश्चित समय होते हैं जब आप पूर्ण उत्तर देते हैं, कुछ निश्चित समय होते हैं जिनमें आप पूर्ण उत्तर नहीं देते हैं, कुछ स्थितियों में आप पूर्ण उत्तर नहीं देते हैं।

मैं इससे सहमत हूँ। और यह इस पर निर्भर करता है कि आपका ध्यान कहाँ है और क्या यह उसकी ओर है या अपनी ओर छवि की ओर है। लेकिन यह, यह, तो वह दो स्थितियों को अलग कर रहा है, विपरीतताओं का औसत निकाल रहा है।

अब वान ह्यूरेन का मानना है कि ब्रायन मैक्केन प्रत्येक नीतिवचन को केवल आंशिक सत्य मानते हैं। इसलिए मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर दो। जवाब ना दें।

प्रत्येक आंशिक है और पूर्ण चित्र प्राप्त करने के लिए इसे एक साथ लिया जाना चाहिए। तो, आपको पूरी तस्वीर को भरने के लिए दोनों कहावतों की आवश्यकता है। और इसलिए, यह एक तरह से दोनों को एक साथ औसत करने और अपना केक लेने और खाने जैसा है।

मुझे यह एक कहावत जैसी लगती है, अपना केक लो और खाओ भी, उन दोनों को एक साथ रखना और वे एक साथ पूरी तस्वीर पेश करते हैं। और इसमें सच्चाई का एक तत्व है, चित्र और सामग्री को पूरा करना। अब, शब्द संशोधन भी दिलचस्प है।

और सेप्टुआजेंट बहुत दिलचस्प है। इसका अनुवाद इस प्रकार है, "और आप स्वयं उसके जैसे हो जायेंगे।" मूर्ख को उत्तर दो, मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर न दो, ऐसा न हो कि तुम भी उसके समान बन जाओ। और फिर दूसरा, "ऐसा न हो कि वह अपनी दृष्टि में बुद्धिमान हो।" इस

k के बीच एक अंतर है, जो la के लिए हिब्रू शब्द है। इसका प्रयोग दोनों बार किया जाता है। इसका अनुवाद "पसंद" या "जैसा" किया जाता है, लेकिन ग्रीक में, जब वे इसे लाते हैं, तो एक बार इसका अनुवाद गद्य में किया जाता है, जो कि "के अनुसार" होता है और "काटा" "के अनुसार" जैसा होता है। तो, यह उसकी मूर्खता के अनुसार पहला है, "मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर मत दो।" और दूसरा श्लोक है "मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर दो।" और इसलिए, सेप्टुआजेंट गद्य और काटा, इन पूर्वसर्गों का उपयोग करके, किसी मूर्ख को उसकी मूर्खता, गद्य के अनुसार उत्तर नहीं देता है। लेकिन अगली कविता कहती है कि मूर्ख को उत्तर दो, काटा, "जैसा उसकी मूर्खता उचित है।"

और इसलिए, वे मूल रूप से इस बात को सुलझा लेते हैं कि वह उत्तर देने योग्य है या नहीं। और सेप्टुआजेंट, एनएएसबी बाइबिल, वैसे, पहली कविता का अनुवाद "उसकी मूर्खता के अनुसार" करती है। और दूसरी कविता इसका अनुवाद करती है "जैसा उसकी मूर्खता के योग्य है।" तो, NASB तब उस अंतर को पकड़ता है, भले ही हिब्रू में शब्द दोनों स्थितियों में के, के है और इसका दो अलग-अलग तरीकों से अनुवाद करता है। एक ही शब्द का अनुवाद दो अलग-अलग तरीकों से किया जाता है। बुलमैन एना शब्द लेता है, उत्तर देता है और इसका दो अलग-अलग तरीकों से अनुवाद करता है।

अना का अनुवाद नम्रता या फटकार के रूप में भी किया जा सकता है। तो, पहली पंक्ति तब पढ़ेगी, किसी मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर न दें। दूसरे श्लोक का अनुवाद इस प्रकार होगा, मूर्ख को डाँटो ताकि वह अपनी दृष्टि में बुद्धिमान न हो जाए।

अना, उत्तर शब्द का अनुवाद पहली पंक्ति में उत्तर से किया गया है, उसे उत्तर न दें, बल्कि दूसरी पंक्ति में उसे डाँटें। और अना शब्द का अनुवाद उन दो अलग-अलग स्थितियों की तुलना में अलग-अलग तरीके से किया गया है। मुझे यकीन नहीं है कि मुझे इनमें से कोई भी पसंद है।

और वैसे, आज का अंग्रेजी संस्करण कहता है, यदि आप एक मूर्खतापूर्ण प्रश्न का उत्तर देते हैं, और दूसरा है एक मूर्खतापूर्ण प्रश्न का मूर्खतापूर्ण उत्तर देना। और इसलिए, उन्होंने कोशिश की, यहां तक कि आज का अंग्रेजी संस्करण भी शब्दों के अर्थ बदलने की कोशिश करता है, जो वही शब्द हैं। इसलिए, मुझे मीडर और पेरिमियोलॉजिस्ट का दृष्टिकोण पसंद है कि ऐसी कहावत द्वंद्वयुद्ध शैली का हिस्सा है।

आपस में टकराने वाली कहावतें थीं, ये घटित होने वाली कहावतों का ही एक हिस्सा है। और हमने सुमेरियन में, योरूबा में, नाइजीरिया में, अंग्रेजी में, हर जगह देखा। और इसलिए शैली लौकिक संग्रहों और उद्धरणों में लगभग सार्वभौमिक रूप से पाई जाती है।

यह उच्च स्तरीय सोच को जागृत करता है। जब आपका टकराव होता है तो आपको कहना ही पड़ता है कि ये कहावतें एक साथ कैसे फिट बैठती हैं? यह उच्च-क्रम की सोच, व्याख्यात्मक अंतर्दृष्टि और लौकिक चंचलता पैदा करता है। और मुझे खेद है, हम बाइबल को हमेशा इतनी निष्फलता से और इतनी गंभीरता से लेते हैं, कि आपको एहसास ही नहीं होता कि कभी-कभी कहावतें केवल मनोरंजन और चंचलता, कल्पना और प्रतिबिंब होती हैं।

और कल्पना और प्रतिबिम्ब वाली इस प्रकार की चीज़ें सामान्यतः कहावतों में महत्वपूर्ण होती हैं। कहावतें सत्य से संबंध रखती हैं। यह प्रस्तावित सत्य नहीं है।

नीतिवचन सार्वभौमिक प्रस्तावात्मक सत्य प्रस्तुत नहीं करते। वे मूल रूप से विशिष्ट स्थितियों और चीज़ों के बारे में छोटे-छोटे बयान दे रहे हैं और इन्हें कई स्थितियों में लागू किया जा सकता है, न कि इन सार्वभौमिक सत्यों और चीज़ों के बारे में। अब, टकराव, दो कहावतों का टकराव अंतर्दृष्टि का मार्ग प्रशस्त करता है।

इस मूर्ख के प्रश्न से निपटने का आपका उद्देश्य क्या है? तुम्हारा उद्देश्य क्या है? उत्तर देने का भी एक समय होता है और उत्तर न देने का भी एक समय होता है। हालात के उपर निर्भर। यह कोई सार्वभौमिक या पूर्ण सत्य नहीं है।

कहावत कोई वादा नहीं है, बल्कि कहावत क्या है और उसका अधिकार क्या है? इसका अधिकार क्या है? यह कोई सार्वभौमिक प्राधिकार नहीं है। यह एक विशेष स्थिति में है कि प्राधिकार को इसका सामना करना पड़ता है। सर्वनाम आप, आप उसके जैसे बन जाएंगे या वह अपनी नजरों में बुद्धिमान हो जाएगा, ऐसा लगता है कि सबसे पहले खुद को नुकसान पहुंचाने की चिंता पैदा होती है।

और दूसरा उसे या मूर्ख को नुकसान पहुंचाया। बुद्धि विवेक व्याख्यात्मक है। और मूल रूप से, अध्याय 26, श्लोक 1 से 12 में, यह पूछ रहा है: मूर्ख के लिए क्या उपयुक्त है? मूर्ख के लिए क्या उपयुक्त है? और कोई प्रतीक सूत्र नहीं है।

ऐसा कोई लघुगणक नहीं है कि आप इसे इसमें प्लग कर सकें। जीवन जटिल है और एकमात्र कहावत है, एकमात्र कहावत आपको केवल एक पहलू देती है। हाँ।

यहाँ तक कि मूर्ख भी कहावतें उद्धृत कर रहा है। ठीक है। तो, आप यह नहीं कह सकते कि ये चीज़ें हमेशा होती हैं, एक मूर्ख एक कहावत उद्धृत कर सकता है और कहावत के साथ कुछ बहुत ही मूर्खतापूर्ण चीज़ें कर सकता है।

इसलिए, आपको तब भी सावधान रहना होगा जब वह कोई ऐसी बात उद्धृत कर रहा हो जो एक कहावत है। और इसलिए, जोड़ी जटिलता को दर्शाती है, और जोड़ी का टकराव जीवन की जटिलता को दर्शाता है। और आपको उसके साथ काम करना होगा।

यह जोड़ी क्यों? कल्पना, शैक्षणिक, व्याख्यात्मक और व्याख्यात्मक कि आपको इन कहावतों की व्याख्या करनी होगी। अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए व्यावहारिक. चंचल।

प्रो में कुछ टकराव हो सकता है, जो ऋषि ये कहावतें कह रहा है उसके चेहरे पर मुस्कान आ गई है क्योंकि उसे एहसास है कि उसने आपको दो कहावतें दी हैं जो एक-दूसरे से टकराती हैं और वह मुस्कराता है और आपकी ओर देखता है। आप इसके साथ क्या करने जा रहे हैं? तुम्हें पता है, तुम छात्र हो. आप इसके साथ क्या करने जा रहे हैं? क्या आप एक तरफ जाते हैं और दूसरी

तरफ नहीं? क्या आप उन दोनों को एक साथ रखने का प्रयास करते हैं? आप पहली को कैसे सुलझाते हैं? और ऋषि देखता है और सिर्फ मुस्कुराता है क्योंकि वह छात्र को कुशती करते हुए देखने जा रहा है।

यह जानना कि किसी मूर्ख को कब, कैसे और क्या संबोधित करना उचित है। जोड़ियों का महत्व और संपादक द्वारा लौकिक संवाद सेटिंग प्रदान करना। संपादक इसे इस प्रकार स्थापित कर रहा है कि ऋषि और छात्र के बीच एक संवाद चल रहा है।

अब योग अलग-अलग हिस्सों से अधिक है। मैं बस इतना कहना चाह रहा हूँ कि ये दो कहावतें एक साथ रखी गई हैं और इनका योग अलग-अलग हिस्सों से अधिक है। प्रत्येक कहावत का अपना ज्ञान होता है।

हाँ। लेकिन जब एक साथ देखा जाता है, तो ज्ञान स्थितियों के बारे में उच्च-क्रम की सोच की मांग करता है, और जीवन की जटिलता को छात्र द्वारा बुलाया जाता है। संपादकों द्वारा उद्देश्यपूर्ण तुलना यादृच्छिक नहीं है।

यह कोई संयोग नहीं है कि इन दोनों कहावतों को एक साथ रखा गया है। ये एक जोड़ी है जिसे जोड़ी बनाने के लिए एक साथ रखा गया है, जिसे जोड़ी और सामान के रूप में समझा जा सकता है। वे नहीं हैं, वे व्यक्तिगत कहावतें हैं।

आप उन्हें अलग-अलग ले सकते हैं, लेकिन उन्हें एक जोड़ी के रूप में एक साथ रखने से अर्थ का एक नया स्तर बनता है। ठीक है। अर्थ का एक नया स्तर, उम, संपादक, विहित बाइबिल पाठ के अर्थ का संपादकीय स्तर।

पद्धतिगत रूप से, कहावतें पढ़ते समय पहले वाले को देखें और बाद वाले को देखें। जब भी आप कोई वाक्य कहावत पढ़ते हैं, तो पहले वाले और बाद वाले को देखें कि क्या वहां कोई संबंध है जो उस कहावत की व्याख्या करने के तरीके को बदल देगा जिसके साथ आप काम कर रहे हैं। तो, जोड़े, त्रिक, तार, या समूह, आपको जोड़े, एकल कहावतें, हाँ, लेकिन जोड़े, अन्य जोड़े, त्रिक, तार, समूह, उस प्रकार की चीज़ों की तलाश करनी होगी।

और बार-बार होने वाली विविधताओं को देखें, उम, अंतर्पाठीय रूप से और चीज़ें। वान लेर्विस, इस प्रकार को समाप्त करने के लिए, वान लेर्विस ने आश्चर्यजनक रूप से सारांशित किया, उद्धरण, बुद्धिमत्ता का मतलब हमेशा सतही तौर पर समान परिस्थितियों में भी, सतही तौर पर, एक ही काम करना नहीं होता है। फिर भी इन चेतावनियों की तुलना मानव ज्ञान की सीमाओं, मानव ज्ञान की सीमाओं पर विचार करने के लिए प्रेरित करती है।

क्योंकि पाठक को यह पहचानने में मदद करने के लिए कोई सुराग नहीं दिया गया है कि किस मूर्ख को नजरअंदाज किया जाना चाहिए और किससे बात की जानी चाहिए। कार्रवाई के दो व्यवहार्य तरीकों में से, हम हमेशा यह नहीं जानते कि कौन सा उपयुक्त है। अध्याय 26, एक से 12 तक का उद्देश्य क्या है? मूर्ख के लिए क्या उपयुक्त है? आप इसके साथ कैसे लेन - देन करते

हैं? फिर होगालैंड ने निष्कर्ष निकाला, मूर्ख के साथ बातचीत में प्रवेश करना दोनों एक दायित्व है, ऐसा न हो कि वह अपनी नजर में बुद्धिमान हो, और बुद्धिमान के लिए खतरा हो।

यह एक दायित्व है, ऐसा न हो कि वह अपनी दृष्टि में बुद्धिमान हो और बुद्धिमानों के लिए खतरा हो, ऐसा न हो कि तुम स्वयं उसके समान हो जाओ। तो, मूर्ख के साथ इस संवाद का प्रभाव पड़ता है। आपको इसे ध्यान से देखना होगा।

इस प्रकार नीतिवचन 26, छंद चार और पांच, एक कहावत जोड़ी के लिए जानबूझकर संयोजित, बुद्धिमानों को उच्च क्रम की सोच और कल्पना की ओर धकेलने के लिए एक साथ रखा जाता है, संपादक की पूर्ति के लिए कहावत जोड़ी को उसकी पुनरावृत्ति के साथ और एक निश्चित मात्रा में चंचलता और पैरोडी के साथ उपयोग किया जाता है। किसी मूर्ख के साथ व्यवहार करने में क्या उचित है, इसके बारे में अधिक गहराई से सोचने का उद्देश्य। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मुझे एहसास है कि यह लंबा हो गया है, लेकिन उम्मीद है, यह अद्भुत रहा है क्योंकि आप इन कहावतों को टकराते हुए देखते हैं और आप बाइबिल के संपादक को लोगों को इस बारे में अधिक गहराई से सोचने के लिए प्रेरित करते हुए देखते हैं कि जो मूर्ख है उसे क्या प्रतिक्रिया देनी है और जवाब देने का समय कब है, कब नहीं करने का समय है और अंतर्दृष्टि कैसे प्राप्त करें।

मैं बस कुछ संसाधनों का अध्ययन करना चाहता हूँ और हम इसी के साथ अपनी बात समाप्त करेंगे। जो कोई भी नीतिवचन का अध्ययन करता है, मैं आपको बता दूँ, नीतिवचन पर तीन प्रमुख टिप्पणियाँ हैं जो अद्भुत हैं। वन के ब्रूस वाल्टके के दो खंड, एर्डमैन (एनआईसीओटी) द्वारा, सुंदर सेट, अद्भुत नीतिवचन शिक्षण, ब्रूस वाल्टके, अविश्वसनीय।

माइकल फॉक्स भी दुनिया के अग्रणी बाइबिल लौकिक विद्वानों में से एक है और उसे एंकर बाइबिल श्रृंखला में दो खंड मिले हैं। तो वे दो, वाल्टके और फॉक्स, माइकल फॉक्स, ब्रूस वाल्टके, अद्भुत हैं। वैसे, ब्रूस वाल्टके ने स्तोत्र पर एक श्रृंखला बनाई थी।

यदि आपकी रुचि है तो Biblicalelearning.org के पास वाल्टके की स्तोत्रों की पुस्तक पर 28 व्याख्याओं की एक श्रृंखला है। वैसे, वह हिब्रू कविता के विशेषज्ञ हैं, हार्वर्ड पीएचडी हैं। तो वैसे भी, माइकल फॉक्स और ब्रूस वाल्टके, उस पर दो मौलिक, अविश्वसनीय काम हैं। स्टीनमैन की भी इस पर एक अद्भुत टिप्पणी है।

मुझे लगता है कि मुझे यह यहां मिल गया है। असल में, मुझे बस देखने दो। दरअसल, यहां वाल्टके की, यहां वाल्टके की किताब की तस्वीर है, और फिर फॉक्स की किताब भी है। ये दो खंड हैं। मुझे अभी एक खंड मिला है। नीतिवचन पर स्टीनमैन की पुस्तक भी एक उत्कृष्ट कृति है।

और फिर मैं, कम से कम, मैं उस चीज़ को भूल जाता हूँ जिसके साथ मैं बड़ा हुआ हूँ और वह है नीतिवचन पर डेरेक किडनर की किताब, इंटरवर्सिटी प्रेस द्वारा प्रकाशित वास्तविक छोटी किताब, लेकिन नीतिवचन और चीजों का एक अद्भुत छोटा सा उपचार। तो वे, नीतिवचन की पुस्तक में हैटन का विरोधाभास बहुत मददगार रहा है। मिएडर की पुस्तक, वोल्फगैंग मिएडर, जो कोई भी नीतिवचन का अध्ययन करता है, मैं चाहता हूँ कि बाइबिल के लोग प्रोवर्बियम

आंदोलन और पारामियोलॉजिस्ट जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नीतिवचन का अध्ययन कर रहे हैं, में और अधिक मजबूती से शामिल हो सकें।

उनके पास द विजडम ऑफ मेनी, एसेज़ ऑन द प्रोवरब नामक एक पुस्तक है। यह पढ़ने लायक है। उनकी एक और किताब है जिसका नाम है द्विस्टेड विज्डम, मॉडर्न एंटी-प्रोवरब्स, और यहीं पर उन्हें 300 कहावतें मिलती हैं और दिखाती हैं कि वे कैसे एक-दूसरे से टकराती हैं और कैसे उन्हें विभिन्न तरीकों से तोड़-मरोड़ कर पेश किया जाता है। यह अद्भुत है।

नुथ हेम के पास नीतिवचन अध्याय 26, श्लोक 1 से 12 पर एक लेख भी है, जो नीतिवचन के व्याख्याशास्त्र पर एक क्रैश कोर्स है। नुथ हेम भी एक अद्भुत व्यक्ति हैं। उन्होंने वास्तव में इसमें एक श्रृंखला बनाई है, यदि आप Biblicalelearning.org में मेरे ठीक ऊपर देखें, तो उन्हें एक पुस्तक पोएटिक इमेजिनेशन इन प्रोवरब्स, वेरिएशन, रिपीटिशन एंड द नेचर ऑफ पोएट्री मिली है। यह एक अद्भुत किताब है। वह व्याख्यानों की एक अद्भुत श्रृंखला करते हैं और यह वास्तव में बहुत बढ़िया है।

वान हर्डेन का एक लेख है जो उन्होंने 2008 में किया था, "नीतिवचन 26, 4 और 5 में विरोधाभास के दुभाषियों द्वारा लागू रणनीतियाँ", 2008 में जर्नल ऑफ़ सेमेटिक्स, वॉल्यूम 17.2 में। और फिर होगलैंड भी, यह पुस्तक यहाँ थोड़ी है अब थोड़ा बड़ा हो गया हूँ। इसे रॉय ज़ुक नामक एक अच्छे व्यक्ति द्वारा ऋषियों से सीखना, नीतिवचन की पुस्तक में चयनित अध्ययन कहा जाता है। रॉय ज़ुक डलास सेमिनरी में थे। अद्भुत किताब। उन्होंने इस पुस्तक के लिखे जाने के समय तक के प्रमुख लेखों और विशेष रूप से ज्ञान, नीतिवचन पर प्रमुख लेखों को यहां से संकलित किया है। और उस पर रॉय ज़ुक की किताब एक बहुत अच्छा, अच्छा संग्रह है और ऐसी ही चीज़ें हैं।

खैर, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। और मुझे आशा है कि आप आज किसी मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर देने के बारे में अधिक गहराई से सोच सकते हैं।

“मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर न देना, ऐसा न हो कि तुम भी उसके समान बन जाओ। मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर दो, ऐसा न हो कि वह अपनी दृष्टि में बुद्धिमान ठहरे। हम अपनी दृष्टि में बुद्धिमान न बनें, परन्तु नम्रता और परमेश्वर का भय मानकर बुद्धि का पीछा करें।

और इसलिए यह हमारी पहली जोड़ी है। अब अपने अगले व्याख्यान में, हम चार अन्य जोड़ियों के बारे में जानेंगे और मैं आपको यह दिखाने का प्रयास करूँगा कि वे जोड़ियाँ कैसे जुड़ी हुई हैं। यह भाषाई रूप से और अन्यथा बहुत अधिक परिष्कृत है, लेकिन हम चार अन्य जोड़ियों पर जाएंगे और यह इन दो को पूरा करेगा, वास्तव में दो व्याख्यान या लौकिक जोड़ी पर व्याख्यान की एक जोड़ी।

यह डॉ. टेड हिल्डेब्रांट और नीतिवचन जोड़े और नीतिवचन 26, 4, और 5 विरोधाभास पर उनकी शिक्षा है। सत्र एक, मूर्ख को उत्तर देना या न देना, यही प्रश्न है। सत्र एक, मूर्ख को उत्तर देना या न देना। वही वह सवाल है।